पौष मास, शुक्ल पक्ष 9, वर्ष 11, अंक 324, पृष्ठ 12, मूल्य: 5.00

वाराणसी, रविवार, 1 जनवरी, 2023

2023 अभिनंदन

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर एवं प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

कोई हमारी एक इंच जमीन नहीं ले सकता: शाह

चीन पर राहुल गांधी को गृहमंत्री ने दिया जवाब

बेंगलुरु। आईटीबीपी के आवासीय एवं गैर आवासीय परिसर के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारत की विकास यात्रा में कानून-व्यवस्था का अच्छा होना अहम है और बीपीआर&डी के तत्वाधान में इसका रिसर्च बहुत अच्छे तरीके से हो ऐसे कुछ बदलाव हमने 3 साल में किए हैं जो अब अपने परिणाम भी देने लगे हैं। अमित शाह ने कहा कि आईटीबीपी सबसे दुर्गम क्षेत्र में काम करने वाला हमारा सुरक्षा बल है। हम कल्पना ही नहीं कर सकते कि -42 डिग्री सेल्सियस तापमान में देश की सीमाओं की सुरक्षा करना कितना दृढ़ मनोबल होता है। अमित शाह ने कहा कि जब हमारे आईटीबीपी जवान सीमा पर तैनात होते हैं तो किसी की भी हिम्मत नहीं है कि भारत की एक भी इंच का भी अतिक्रमण कर पाए। हमें भारत-चीन सीमा की चिंता नहीं होती है, जब पता चलता है कि आईटीबीपी के जवान सीमा की रक्षा कर रहे हैं।

आईटीबीपी ने अपने स्थापना काल में विषम भौगोलिक परिस्थितियों और मुश्किल क्षेत्रों में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। मैंने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का दौरा किया, वहां के लोग आईटीबीपी के जवानों को हिमवीर कहकर बुलाते हैं। यह उपलब्धि पद्मश्री और पद्मभूषण से भी बड़ी है, क्योंकि सैनिकों को यह उपनाम सरकार ने नहीं बल्कि देश की जनता को दिया है।

संबोधन

आईटीबीपी के आवासीय एवं गैर आवासीय परिसर के उद्घाटन समारोह में बोले अमित शाह

हमें भारत-चीन सीमा की चिंता नहीं होती है, जब पता चलता है कि आईटीबीपी के जवान सीमा की रक्षा कर रहे हैं

वहीं, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर कहा कि मैं शहीद परिवार का हूं और मैं जानता हूं कि जब एक युवा अपनी जान देता है तो उसके परिवार पर क्या गुजरती है। लेकिन भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में कोई ऐसा नहीं है जो यह समझता हो। हम नहीं चाहते कि हमारी सेना से कोई जवान शहीद हो। हम नहीं चाहते कि इस चीज को लापरवाही से लें और सेना राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल की जाए और उसका नुकसान हमारे जवानों, उनके परिवारों को हो।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हमारी सरकार ने चीन के मामले को पूरी तरह से अप्रभावी तरीके से संभाला है। कांग्रेस की विदेश नीति का लक्ष्य था कि चीन और पाकिस्तान को एक नहीं होने देना है जो हमने यूपीए-2 तक बखूबी किया। आज पाकिस्तान और चीन एक हो गए हैं। यह मामूली बात नहीं है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि इन्होंने पहला कदम डोकलाम और दूसरा कदम लद्दाख में लिया। मुझे लग रहा है कि यह तैयारी कर रहे हैं। अब सवाल 'अगर' का नहीं बल्कि 'कब' का है। सरकार को हमारी वायु, थल और नौसेना की बात सुननी होगी और सेना का राजनीतिक इस्तेमाल बंद करना होगा। राहुल ने कहा कि चीन हमारा 2000 किमी क्षेत्र ले गया और पीएम जी कह रहे हैं कि कोई नहीं आया। अगर मैं आपके घर में घुस गया और आप कहें कि कोई नहीं घुसा तो इससे क्या संदेश जाएगा? सरकार इस पर भ्रमित हैं। जब हम सरकार पर बात करते हैं तो वह आर्मी के पीछे छिप जाते हैं। सरकार और आर्मी में फर्क है।

अरुणाचल के तवांग में 9 दिसंबर को भारत और चीन के सैनिकों में झड़प हुई थी। 600 चीनी सैनिकों ने 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित भारतीय पोस्ट को हटाने के लिए घुसपैठ की कोशिश की थी। यह पोस्ट यांगत्से में है। भारतीय सैनिकों ने चीनियों को खदेड़ दिया। इस दौरान भारतीय सेना के 6 जवान घायल हो गए थे, जिन्हें इलाज के लिए गुवाहाटी के अस्पताल में भर्ती कराया गया। भारतीय सेना के अधिकारियों ने बताया कि हमने चीन की सेना को भी काफी नुकसान पहुंचाया है।

आतंक को हथियार बना भारत को बातचीत की मेज पर लाना संभव नहीं

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान और चीन को एक बार फिर आड़े हाथों लिया है। साइप्रस यात्रा के दौरान एक संबोधन में नाम लिए बिना पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा आतंकवाद को हथियार बनाकर भारत को बातचीत की मेज पर नहीं बैठाया जा सकता है। वहीं चीन के साथ सीमा विवाद मुद्दों पर एस जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ हमारे संबंध सामान्य नहीं हैं क्योंकि हम वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को एकतरफा बदलने के किसी भी प्रयास के लिए सहमत नहीं होंगे। अरुणाचल के तवांग सेक्टर में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच हुई झड़प पर उन्होंने कहा कि हमारी सीमाओं पर चुनौतियां हैं जो कोविड के दौरान और बढ़ गई हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा मूल मुद्दों पर कोई समझौता नहीं होगा क्योंकि आतंकवाद से किसी भी देश को उतना नुकसान नहीं हुआ है जितना भारत को हुआ है।

जवाब

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान और चीन को एक बार फिर आड़े हाथों लिया

उन्होंने कहा कि हम बहुत स्पष्ट हैं कि हम आतंकवाद को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। पाकिस्तान पर परोक्ष रूप से हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम आतंकवाद के मुद्दे पर समझौता कर लें। हम आतंकवाद को हथियार बनाकर भारत को बातचीत की मेज पर लाने के लिए मजबूर नहीं होने देंगे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता भारत के पास आने के बाद से ही पाकिस्तान आतंकवाद पर भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है। इसी मकसद से पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान सरकार के तमाम मंत्री प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के खिलाफ जमकर बयानबाजी करते नजर आते हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल जरदारी भुट्टो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी करते हुए कहा था कि मैं भारत को बताना चाहता हूं कि ओसामा बिन लादेन तो मर चुका है लेकिन गुजरात का कसाई अभी जिंदा है और भारत का प्रधानमंत्री है। जरदारी ने भारत सरकार की विचारधारा को हिटलर से प्रभावित बताया था।

उत्तर प्रदेश में नववर्ष पर 47 आईपीएस अफसरों को मिला प्रमोशन का तोहफा

आज से सभी अधिकारी अपने नए पद को सुशोभित करेंगे

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने नववर्ष के मौके पर 47 आईपीएस अफसरों की प्रमोशन की सूची जारी कर दी। प्रमोशन की सूची के बाद अफसरों में नए साल के जश्न के लिए दोगुनी खुशी नजर आ रही थी। वहीं कुछ अधिकारियों के हाथ मायूसी भी लगी हैं। जिन्हें प्रमोशन से इस सूची से वंचित रहना पड़ा। बता दें कि, 1998 बैच के आईपीएस अफसरों में अभी दो को एडीजी बनने का मौका मिला है जबकि 1998 बैच में कुल सात अधिकारी है। आईपीएस भगवान शंकर श्रीवास्तव और आईपीएस अमित चंद्रा को एडीजी के पद पर प्रमोट कर दिया गया है। वहीं आईपीएस राम कृष्ण भारद्वाज, आईपीएस उपेंद्र अग्रवाल , आईपीएस जे रवींद्र गौड़ , आईपीएस दीपक कुमार , आईपीएस सुभाष चंद्र दुबे और आईपीएस अखिलेश कुमार को आईजी बनाया गया। जबकि

आईपीएस अधिकारी केशव कुमार चौधरी, आईपीएस अजय कुमार साहनी, आईपीएस अनीस अहमद अंसारी , आईपीएस अखिलेश चौरसिया , आईपीएस शिवासिम्मी चनपपा, आईपीएस मुनिराज जी , आईपीएस दिनेश कुमार पी , आईपीएस बबलू कुमार को डीआईजी के पद पर प्रमोट किया गया। इन अफसरों में आईपीएस आईपीएस कलानिधि नैथानी, आईपीएस प्रभाकर चौधरी , आईपीएस संजीव त्यागी , आईपीएस पूनम , आईपीएस कुंतल किशोर , आईपीएस हरीश चंदर , आईपीएस सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज , आईपीएस सत्येन्द्र कुमार , आईपीएस राठौड़ किरीट कुमार, आईपीएस शिव हरी मीना , आईपीएस शैलेश कुमार यादव , आईपीएस मिर्जा मंजर बेग , आईपीएस राहुल राज , आईपीएस शफीक अहमद , आईपीएस राधेश्याम , आईपीएस कल्पना सक्सेना , आईपीएस सुरेश्वर , आईपीएस जयप्रकाश , आईपीएस रामजी यादव , आईपीएस संजय सिंह , आईपीएस राम किशुन , आईपीएस राजकमल यादव , आईपीएस राकेश पुष्कर , आईपीएस मनोज कुमार सोनकर , आईपीएस कुलदीप नारायण , आईपीएस मनीराम सिंह , आईपीएस किरण यादव ,आईपीएस सुरेंद्र बहादुर , आईपीएस शाहब रसीद खां , आईपीएस एस आनंद , आईपीएस राजीव नारायण मिश्रा को सलेक्शन ग्रेड प्रदान किया गया है। *एजेंसी*

असम में परिसीमन से पहले 4 जिलों के विलय का फैसला

सीएम सरमा बोले– उम्मीद है फैसलों के महत्व को समझेंगे लोग

नई दिल्ली। असम से एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। असम सरकार ने चार जिलों का अन्य चार जिलों में विलय के साथ-साथ कुछ गांवों के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में बदलाव करने का फैसला किया। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि प्रशासनिक आवश्यकताओं, समाज और असम के हितों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय भारी मन से लिया गया। हालांकि असम सरकार ने इसके पीछे की वजह का खुलासा नहीं किया। आपको बता दें कि बिस्वानाथ जिले को सोनितपुर में, होजई को नौगांव में, बजाली को बारपेटा में और तमुलपुर को बक्सा में मिला दिया जाएगा।

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कुछ गांवों और कुछ कस्बों के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में भी बदलाव किया गया है। विलय किए गए ज्यादातर जिले हाल के दिनों में बनाए गए थे।

मुख्यमंत्री ने विलय किए गए जिलों के लोगों से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मैं लोगों से माफी मांगना चाहता हूं लेकिन उम्मीद है कि वे फैसलों के महत्व को समझेंगे। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य के मंत्रियों की एक टीम इन जिलों का दौरा करेगी। साथ ही राज्य के मंत्री प्रमुख संगठनों और नागरिकों के साथ बातचीत कर इन फैसलों के कारणों को बताएगी जिनका खुलासा सार्वजनिक तौर पर नहीं किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जिन जिलों का विलय किया गया है उनके पुलिस और न्यायिक जिले जारी रहेंगे क्योंकि वे अन्य कार्यालयों और अधिकारियों के साथ हैं। गौरतलब है कि चुनाव अयोग ने असम में एक जनवरी, 2023 से परिसीमन तय होने तक नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन पर भी रोक लगा दी है। आयोग ने असम के मुख्य चुनाव अधिकारी को निर्देशित किया है कि राज्य सरकार से यह सुनिश्चित कराएं कि एक जनवरी, 2023 से परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने तक नए प्रशासनिक निकायों या इकाइयों का गठन प्रतिबंधित रहेगा।

नववर्ष की तैयारियों को लेकर यूपी पुलिस ने कसी कमर, हुड़दंग और अराजकता पर होगी नजर

लखनऊ। वर्ष 2023 के स्वागत में नववर्ष समारोह से पहले उत्तर प्रदेश पुलिस ने राज्य के सभी पुलिसकर्मियों को निर्देश जारी किये हैं कि वह यह सुनिश्चित करें कि लोग शांतिपूर्ण तरीके से नववर्ष मनायें। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने कहा, नए साल को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए, हमने राज्यभर के सभी पुलिसकर्मियों को निर्देश जारी किए हैं।

हमने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि प्रदेश में किसी भी स्थान पर खासकर मॉल, बाजार, क्लब और बार में लोग किसी तरह का हंगामा न करें। उन्होंने कहा, हमने इन जगहों पर पर्याप्त संख्या में वर्दी और सादी पोशाक दोनों में पुलिस बल तैनात किया है। इसके अलावा, शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामलों की जांच के लिए पुलिस टीमों को हर प्रमुख चौराहे पर ब्रेथ एनालाइजर के साथ रखा जाएगा।

प्रशांत कुमार बोले

नए साल को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए, हमने राज्यभर के सभी पुलिस कर्मियों को निर्देश जारी किए

प्रशांत कुमार ने कहा कि पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि इन समारोहों के दौरान महिलाओं या बच्चों को किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो और इसके लिए हमने महिला अधिकारियों के साथ यूपी-112 गश्त वाहनों को भी तैनात किया है। उप्र पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शनिवार शाम से ही गश्त शुरू कर देंगे। अपर पुलिस महानिदेशक ने कहा कि नए साल की पूर्व संध्या और नए साल के दिन धार्मिक स्थलों पर भी लोगों की भारी भीड़ होती है, कानून व्यवस्था बनायें रखने के लिए हम वहां भी पुलिस बल तैनात करेंगे। उन्होंने कहा, इसके साथ ही हमने पूरे उत्तर प्रदेश में सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ा दी है। कुमार ने कहा, हम लोगों से ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी यातायत निर्देशिका का पालन करने की अपील करते हैं, पुलिस वैकल्पिक पार्किंग सुविधा भी उपलब्ध कराएगी। हमने पहले देखा है कि युवा कुछ स्थानों पर तेज रफ्तार से बाइक पर स्टंट करते हैं, हमने इन सभी स्थानों की पहचान की है और इन स्थानों पर टेढ़े-मेढ़े बैरियर लगा दिए हैं, ताकि हम इसे रोक सकें और उनकी कीमती जान बचा सकें।

ओबीसी आयोग की बैठक में सर्वे पर हुई चर्चा

उचित मापदंडों को अपनाने की बनी सहमति

लखनऊ। यूपी सरकार की तरफ से गठित किये गए उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग की पहली बैठक आज राजधानी के गोमतीनगर विस्तार में सूडा कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में आयोग के सदस्यों के बीच ओबीसी आरक्षण को तय करने के फॉमूर्ले पर चर्चा की गयी। मिली जानकारी के अनुसार सदस्यों में आरक्षण के लिए उचित मापदंडों को अपनाने की सहमति बनी है। आयोग के अध्यक्ष रामावतार सिंह ने कहा है कि आरक्षण को लेकर अन्य राज्यों के मॉडल भी देखे जाएंगे। इस कार्य में जो भी जरूरी चीजें शामिल करनी हैं या फिर पहले छूट गयी हैं उनको भी आयोग संज्ञान में लेगा। उन्होंने 6 महीने के अंदर कार्य को समाप्त करने की बात दोहराई। बताते चलें कि पूर्व जज राम

अवतार सिंह को उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष और पूर्व आईएएस चौब सिंह वर्मा, पूर्व आईएएस महेंद्र कुमार, पूर्व अपर विधि परामर्शी संतोष कुमार विश्वकर्मा और पूर्व विधि परामर्शी बृजेश कुमार सोनी को सदस्य नियुक्त किया गया है। इसके पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार की अधिसूचना के मसौदे को खारिज कर दिया था और ओबीसी को आरक्षण दिए बगैर स्थानीय निकाय चुनाव कराने का आदेश दिया था।

नए साल पर जश्न मनाने पहाड़ों पर उमड़े पर्यटक मनाली में लगा लंबा जाम

नई दिल्ली। नया साल दस्तक देने के लिए तैयार है और इस समय उत्तर भारत के लगभग सभी हिल स्टेशनों पर सैलानियों की भारी भीड़ है। शिमला कुल्लू मनाली हर जगह भारी भीड़ है। सिर्फ पर्यटक स्थल ही नहीं बल्कि मंदिरों में भी भीड़ बढ़ गई है। वैष्णो देवी मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। कोई अप्रिय घटना न हो इसके लिए पहले से तैयारियां की गई हैं। शनिवार को मनाली में भारी जाम देखने को मिला। तस्वीरों में भी देखा जा सकता है कि किस तरह मनाली की सड़क गाड़ियों से भरी हुई है। वहीं कुल्लू में भी पर्यटकों की भारी तादाद देखने को मिली है। इसके अलावा गोवा और धर्मशाला में भी कुछ ऐसा ही नजारा है और शिमला शहर में पिछले कई दिनों से हर दिन 3000 वाहन की एंट्री हो रही है। वैष्णो देवी धाम में भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं। यात्रियों की सुरक्षा के लिए यहां पूरे इंतजाम किए गए हैं। निगरानी और भीड़ प्रबंधन के उद्देश्य से यात्रा ट्रैक और श्री माता वैष्णो देवी भवन पर 500 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

दिल्ली पुलिस ने बिहार जहरीली शराब कांड के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बिहार के सारण जिले में जहरीली शराब कांड से जुड़े मामले में वांछित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सारण शराब कांड में 73 लोगों की जान चली गई थी। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान सारण जिले के दोइला गांव निवासी रामबाबू महतो के रूप में हुई है। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रवींद्र सिंह यादव के अनुसार क्राइम ब्रांच के इंटर-स्टेट सेल को सूचना मिली थी कि महतो दिल्ली में कहीं छिपा हो सकता है। यादव ने कहा तकनीकी निगरानी और विशिष्ट जानकारी के आधार पर महतो को द्वारका से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है और आगे की कार्रवाई के लिए आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी बिहार पुलिस के साथ साझा की गई है। पुलिस ने कहा कि बिहार में शराबबंदी के कारण आरोपी ने जल्दी और आसानी से पैसा कमाने के लिए यह तरीका चुना और नकली शराब बनाना और बेचना शुरू कर दिया। आरोपी की गिरफ़्तारी पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बोले सरकार जांच कर रही है कि कौन लोग इसमें शामिल थे कौन इस (शराब) को लाया। जिस समय यह घटना घटी हमने अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। आज कल रोज शराब पकड़ी जा रही है। *एजेंसी*

चीन के मामले को सरकार संभाल नहीं सकी

राहुल गांधी ने बीजेपी पर किया प्रहार, चीन–पाकिस्तान का एक होना खतरनाक

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर चीन के मामले को संभालने में पूरी तरह विफल रहने और असमंजस की स्थिति में होने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि इस सरकार की नीतियों के चलते चीन एवं पाकिस्तान एक हो गए हैं, जो खतरनाक बात है। उन्होंने यह दावा भी किया कि डोकलाम एवं तवांग में जो हुआ है, वो किसी बड़ी तैयारी का हिस्सा है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि सरकार को सेना, वायुसेना और नौसेना के पीछे नहीं छिपना चाहिए तथा पूरी स्थिति के बारे में देश को अवगत कराना चाहिए तथा अगर वह ऐसा करती है, तो कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल उसकी मदद करेंगे। उन्होंने चीन से जुड़े सवाल पर कहा, मैं शहीद के परिवार से हूं।

प्रेसवार्ता

बीजेपी और आरएसएस मेरे लिए गुरु की तरह, उनके हमलों से मुझे फायदा

चीन के मामले में सरकार सेना के पीछे छिपी रही, देश को अंधेरे में रखा

मेरी दादी (इंदिरा गांधी) शहीद हुईं, मेरे पिता (राजीव गांधी) शहीद हुए। जब कोई जवान शहीद होता है, तो उसके परिवार को क्या महसूस होता है, मैं समझता हूं। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के लोग इसे नहीं समझते। यह अच्छी या खराब बात नहीं है, लेकिन वास्तविकता है। राहुल गांधी ने कहा, मैं चाहता हूं कि हमारा एक भी जवान शहीद नहीं हो। मैं नहीं चाहता कि हम सेना को राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल करें और इसका नुकसान हमारे जवानों और उनके परिवारों को हो। मैं यह नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, आप लोग (मीडिया) मेरी टी-शर्ट की बात करते हैं। लेकिन मैं जानता हूं कि जो जवान सियाचिन और दूसरे स्थानों पर तैनात हैं, उन्हें किस मुश्किल का सामना करना पड़ता है। मैं हर जवान से प्यार करता हूं। मैं चाहता हूं कि उन्हें चोट नहीं लगे।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया, जब राष्ट्रीय स्तर का नेतृत्व रणनीतिक रूप से काम नहीं करता है, तो अंतरराष्ट्रीय संबंधों और भू-राजनीति में तुरंत प्रतिक्रिया आती है। हमारी सरकार ने चीन के मामले को पूरी तरह से मिस्हैंडल (संभालने में विफल) किया है। उन्होंने कहा, हमारी विदेश नीति का लक्ष्य था कि चीन और पाकिस्तान को कभी एक नहीं होने देना है। यह हमारा मुख्य लक्ष्य था। यह हमने संप्रग-2 तक सफलतापूर्वक किया। लेकिन आज पाकिस्तान और चीन एक हो गए हैं। यह खतरनाक बात है। राहुल गांधी ने दावा किया कि चीन और पाकिस्तान एक हुए, क्योंकि मौजूदा सरकार चीजों को संभालने में विफल रही। उनका कहना था, सरकार को सेना, वायुसेना और नौसेना की बात सुननी है।

उन्होंने अपने विरोधियों की तारीफ की और कहा कि मैं खासतौर से आरएसएस और बीजेपी के लोगों को धन्यवाद करता हूं क्योंकि जितना वे आक्रमण करते हैं उतना हमें सुधार करने का मौका मिलता है। मैं चाहता हूं कि वे और जोर से करें जिससे कांग्रेस पार्टी को अपनी विचारधारा अच्छे से समझ आए। मैं उनको अपना गुरु मानता हूं कि वह मुझे रास्ता दिखा रहे हैं कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं और अच्छी ट्रेनिंग दे रहे हैं।

यूपी में 1 जनवरी से दिसंबर 2023 तक निशुल्क राशन बांटने का आदेश जारी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत निशुल्क राशन बांटने का आदेश शनिवार को जारी कर दिया गया। सरकार के इस निर्णय से पूरे यूपी सहित देश भर में 80 करोड़ लोगों को फायदा होगा। निशुल्क राशन दिसंबर 2023 तक बटेगा। अधिकारियों के मुताबिक लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत सम्पूर्ण प्रदेश में माह मार्च, 2016 से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 प्रभावी है। उक्त अधिनियम के अन्तर्गत पात्रता सूची में सम्मिलित प्रदेश के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को सब्सिडीयुक्त खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित कराया जाता है। अन्त्योदय कार्डधारकों को 35 किग्रा. खाद्यान्न (14 किग्रा. गेहूं व 21 किग्रा चावल) प्रति राशन कार्ड प्रति माह की मात्रानुसार एवं पात्र गृहस्थी राशनकार्डधारकों को उनसे सम्बद्ध यूनिटों पर 5 किग्रा खाद्यान्न (2 किग्रा) गेहूँ व 3 किग्रा चावल) प्रति माह प्रति यूनिट की मात्रानुसार वितरण सुनिश्चित कराया जा रहा है। वर्तमान में उपरोक्त दोनों राशनकार्डों पर गेहूँ रू०-02 प्रति किग्रा व चावल रु-03 किग्रा की दर से वितरित कराया जा रहा है। प्रदेश के चयनित जनपदों में मोटे अनाज अर्थात मक्का का भी वितरण रु-1 प्रति किग्रा की दर से कराया गया है।

सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकड़े गए दो लुटेरे

सिगरा पेट्रोल पंप के पास से दिव्यांग का छीना था मोबाइल

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। कमिश्नरेट की पुलिस ने दो अभियुक्तों को दबोचा। दोनों मोबाइल छीनने में पारंगत थे, बीते दिने सिगरा पेट्रोल पंप के पास से एक दिव्यांग का मोबाइल झपट्टा मार छीन लिया था। इस मामले में थाना प्रभारी राजू सिंह औन उनकी टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से अभियुक्तों को दबोचा। दोनों की पहचान मंडुवाडीह क्षेत्र की नई बस्ती निवाीस अंकित सोनकर और हुकुलगंज निवासी लक्ष्मण के तौर पर हुई है। जमा तलाश में दो मोबाइल बरामद हुआ। आगे की कार्रवाई में जेले भेजा गया।

मामले का पर्दाफाश करते हुए डीसीपी काशी आरएस गौतम ने बताया कि 28 दिसंबर को दिव्यांग से मोबाइल लूटने का मुकदमा पीड़ित की मां ने सिगरा थाने में दर्ज कराया। महिला के अनुसार उनका दिव्यांग पुत्र शाम के समय घर से पनीर लेने गया था।

वापसी के दौरान वह सिगरा पेट्रोल पंप के समीप पहुंचा था कि पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों ने झपट्?टा मार कर उसका मोबाइल छीन लिया था। इससे पहले भी मोबाइल से संबंधित इसी तरह की घटना को लेकर सिगरा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। दोनों घटनाओं के खुलासे के लिए थाना प्रभारी सिगरा राजू सिंह के नेतृत्व में दरोगा अमिर बहादुर सिंह, दरोगा कृष्ण कुमार जायसवाल और दरोगा जगदंबा की टीम गठित की गई। सीसीटीवी फुटेज की मदद से अंकित और लक्ष्मण को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि कम समय में ज्यादा पैसे कमाने की ललच में लूट और चोरी की घटना को अंजाम देने लगे।

रिकार्ड टाइम में पहुंचती है डायल 112

जनसंदेश न्यूज

उपलब्धि

नमो घाट और सारनाथ म्यूजिक के पास किया गया जागरूक

रोजाना 250 से 300 इवेंट पर नागरिकों को यूपी 112 की सहायता पहुंचायी जा रही

वाराणसी। नए साल पर आमजनों उत्तर प्रदेश पुलिस की विभिन्न योजनाओं के बारे में कमिश्नरेट पुलिस ने नमो घाट पर और सारनाथ म्यूजियम के पास स्टॉल लगाकर लोगों को अवगत कराया। बताया कि कैसे किसी भी शिकायत पर डायल 112 रिकार्ड टाइम 10 मीनट के अंदर मौके पर पहुंच जाती है। पुलिस कर्मियों ने बुजुर्गों और महिलाओं से भी संवाद कर उनसे 112 की सवेरा और नाईट एस्कॉर्ट सेवा की जानकारी साझा की।

इस मौके पर यूपी-112 द्वारा मित्र पुलिसिंग का संदेश भी दिया गया और बताया गया कि पुलिस कैसे मित्र बनकर मदद करती आ रही है। इस दौरान बच्चों को टॉफी व नागरिकों को यूपी 112 का पम्पलेट भी बांटा गया। यूपी पुलिस की आपातकालीन सेवाओं ने लोगों विशेषकर बच्चों को इस बारे में जागरूक करने के लिए अपने दो-पहिया और चार-पहिया वाहन पीआरवी भी तैनात किये, जिससे नागरिक जान सकें कि आपातकालीन सेवा कैसे काम करती हैं।

बच्चों की कॉमिक बुक में घटनाओं के माध्यम से 112 की योजनाओं की जानकारी दी गयी है। कॉमिक में छोटे- छोटे स्लोगन जैसे डरने की नहीं है बात, 112 है आपके साथ, फोन उठायें, 112 मिलायें लिखे गए हैं। जनपद के नागरिकों ने मित्र पुलिस के इस रूप को जमकर सराहा।

संक्षेप

गंगा में बजड़े पर डीजे पार्टी, चार के खिलाफ मुकदमा

वाराणसी। मणिकर्णिका घाट के सामने शुक्रवार की अपराह्न बजड़ा पर डीजे बजाना महंगा पड़ गया। तीन बजड़ों को एक साथ रस्सी से बांधकर डीजे बजाने पर नाविकों और बजड़ा मालिक के खिलाफ चौक थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। बजड़ा को पुलिस ने सीज कर दिया। चौक इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा के अनुसार अपराह्न के समय मणिकर्णिका घाट के सामने गंगा में तीन बजड़े जो आपस में रस्सियों से जुड़े हुए थे और जिन पर लगभग 100 लोग सवार थे। बजड़े पर दो डीजे साउंड एम्प्लीफायर लगाकर तेज आवाज में गाना बजाकर सभी डांस कर रहे थे। सूचना पाकर पहुंचने पर तीन बजड़े को सीज किया गया। बजड़े का लाइसेंस रद्द कराने के लिए उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई। नाविक राकेश साहनी निवासी त्रिलोचन, प्रह्लाद घाट निवासी बाबू, सुजाबाद पड़ाव का रहने वाला अंकुर और सराय मोहान निवासी राम विलास के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज

वाराणसी। बलवंत सिंह हत्याकांड के आरोपित पंकज चौबे समेत चार नामजद और अन्य अज्ञात पर पुलिस आयुक्त के आदेश पर कैण्ट पुलिस ने धमकी, बलवा के मामले में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि हत्याकांड के वादी बलवंत सिंह के पुत्र अनुराग सिंह को धमकी दी। अनुराग सिंह का आरोप है कि उनके भाई अभिनव सिंह का भी पीछा किया गया । शिवपुर के तरना निवासी अनुराग सिंह ने तहरीर में बताया कि उनके पिता बलवंत सिंह की हत्या में पहड़िया के रमरेपुर निवासी पंकज चौबे नामजद है। अनुराग सिंह बीते 19 दिसंबर को पिता की हत्या के केस की पैरवी के लिए कचहरी गया था। दोपहर 12.30 बजे न्यायायल के गेट से बाहर निकल रहा था। आरोप है कि तभी पंकज चौबे, पहड़िया बेनीपुर निवासी ओमप्रकाश जायसवाल, सारनाथ के टड़िया के अवधपुरी कॉलोनी निवासी राजकुमार खरवार, संतोष राय व अन्य पांच पहुंचे। असलहा दिखाते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। कहा कि इस केस में अन्य गवाह को जिस तरह से फर्जी मुकदमों में फंसाया है, अनुराग को भी फंसाएंगे। पैरवी करने पर जान से हाथ धोना पड़ेगा।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से युवक की मौत

सारनाथ। स्थानीय थाना क्षेत्र के श्रीनगर बाजार (गोला) में शनिवार की शाम ईट लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया। जानकारी अनुसार आशापुर निवासी रंपत राजभर का 18 वर्षीय पुत्र अमित राजभर आशापुर स्थित एक फार्मा दुकान पर सेल्समैन का काम करता था। फार्मा कंपनी का दवा पहुंचाने के लिए वह अपने बाइक से संग्रहालय तिराहे से मुनारी रोड की तरफ बढ़ रहा था कि श्रीनगर बाजार (गोला) में विपरीत दिशा से आ रही ईंट लदा ट्रैक्टर ने युवक को टक्कर मार दिया, युवक सीधे ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आ गया, युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। युवक की पहचान अमित राजभर 18 के रूप में की गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लिया।

रात 10 बजे के बाद सड़कों पर दिखी पुलिस

वाराणसी। नये साल के मद्देनर 31 दिसंबर की रात कानून व्यवस्था का पालन कराने के लिए कमिश्रनेट पुलिस सड़कों पर उतरी। विभिन्न थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस गश्त करती दिखी। इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वालों को ना केवल पकड़ा बल्कि कार्रवाई भी की। रात को दुकानों के सामने मजमा लगाने वालों से पूछताछ की गयी। अनावश्यक लोगों को घर जाने के लिए कहा गया। इस दौरान पुलिस लोगों से संवाद करती दिखी शराब पीकर वाहन नहीं चलाने के लिए जागरूक भी किया। पुलिस ने सड़क पर घूम रहे लोगों को सख्त चेतावनी दी कि अगर समय से घर नहीं लौटे और दोबारा दिखायी देने पर कड़ी कार्रवाई होगी। वहीं दूसरी तरफ खुद पुलिस कमिश्नर आशोक मुथा जैन भीड़, भाड़ वाले इलाकों का गश्त किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

कैंट थाने में लावारिस गाड़ियों की होगी नीलामी

वाराणसी। थाना कैण्ट परिसर में लावारिस वाहनों की निलामी की जाएगी। जिसमे अपर पुलिस उपायुक्त वरुणा व सहायक पुलिस आयुक्त कैण्ट मौजूद रहेंगे। थाना कैण्ट परिसर मे 06 जनवरी 2023 समय 10 बजे दिन से नीलामी शुरू होंगी। निलामी मे भाग लेने के लिए निर्धारित मुल्यों के बाद सर्वाधिक बोली लगाने वाले को 50% धनराशि तत्काल व वाहन प्राप्त करते समय शेष धनराशि व 18% जीएसटी रसीद निर्धारित समयावधि में जमा करना होगा। यह जानकारी कैंट थाना प्रभारी प्रभुकांत ने दी है।

रुपये का लालच देकर ठगों ने उड़ाये महिला के जेवरात

वाराणसी। ससुराल से मायके जा रही महिला को रुपए से सोना बदलने का झांसा देकर ठगों ने लाखों रुपए पार कर लिया।

जानकारी के अनुसार शनिवार को आदमपुर थाना क्षेत्र के सरैया निवासिनी तोता देवी अपने पुत्री पीहू के साथ शनिवार की दोपहर अपने मायके हुकूलगंज जा रही थी, महिला जब ऑटो से पांडेयपुर चौराहे पर पहुंची उसी दौरान उसे एक महिला व एक युवक मिल गए। दोनों ने बताया कि उनके पास नगदी पैसा ज्यादा है। एटीएम और बैंक बंद हो गया है। पैसा कहीं जमा नहीं हो पा रहा है। अगर आप नोटों की गड्डी लेकर आभूषण अपना दे देती तो हम लोग अपने घर चले जाते। महिला दोनों की बातों में आ गयी, ठगों ने महिला का सोने का चेन और टप्स ले लिया और इधर उधर की बात करते हुए गायब हो गए। ठगी का अहसास होते ही महिला पांडेयपुर चौकी पहुंची। जहां पर उसे कैंट थाना क्षेत्र का मामला बताते हुए अर्दली बाजार चौकी भेजा गया। अर्दली बाजार पुलिस ने मौका मुआयना किया तो मामला पांडेयपुर चौकी का बता दिया। थक हार कर महिला पांडेयपुर चौकी पर तहरीर देकर अपने घर चली गई।

प्रतिबंधित एरिया के वाहनों पर जीआरपी सख्त

वाराणसी। रेलवे स्टेशन परिसर में बेतरतीब खड़े वाहनों के विरुद्ध जीआरपी ने सख्ती का मन बनाया है। अब ऐसे वाहनों का पुराने मैनुअल व्यवस्था के बजाय अब ऑनलाइन चालान किया जाएगा। फलस्वरूप कार्रवाई में पारदर्शिता आएगी और वाहन स्वामियों को नियम का पाठ भी पढ़ाया जाएगा। ऑनलाइन चालान प्रणाली लागू करने के बाबत शनिवार को जीआरपी ने जिला यातायात पुलिस से सम्पर्क किया। जीआरपी के क्षेत्राधिकारी सुनिल कुमार सिंह ने बताया कि रेल परिसर में नियम का उलंघन करने वाले वाहनों का अब ऑनलाइन चालान किया जाएगा।

न्यू ईयर के स्वागत में सभी जुटे.. किया धमाल

नव वर्ष की धूम

होटलों, रेस्टोरेंटों, लॉज में उमड़ी भीड़

दशाश्वमेधघाट पर विशेष हुई गंगा आरती

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। नव वर्ष के स्वागत में शनिवार की शाम सभी जुटे रहे। शहर के होटलों, रेस्टोरेंटों, लाज व पिकनिक स्पॉटों पर लोगों ने जम कर धमाल किया। तमाम प्रतिबंध के बावजूद घाटों पर भी लोग जुटे। इनमें युवक युवतियों के अलावा अन्य लोग भी शामिल थे। शनिवार की शाम से नगर के पंच सितारा होटलों के अलावा रेस्टोंरेटों में नववर्ष के स्वागत के लिए लोगों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। कई होटालों में पहले से ही बुकिंग करायी गई थी।

होटलों में डीजे के साथ ही कपल के लिए लजीज व्यंजनों की व्यवस्था की गई थी। कैन्टोमेंट स्थित होटलों में भी काफी भीड़भाड़ देखी गई। रात्रि में न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए लोग चार पहिया वाहनों से पहुंचते रहे। काफी लोग ऐसे भी थे जो अपने परिवार के साथ होटलों व रेस्टोंरेटों में नव वर्ष का जश्न मनाने के लिए पहुंचे। अर्धरात्रि में जैसे ही घड़ी की सुई ने 12 बजाया सभी ने एक दूसरे को हैप्पी न्यू ईयर की बधाई दी। इसके साथ ही लोग एक-दूसरे से गले भी मिले। हैप्पी न्यू ईयर के बीच डीजे की धुन पर सभी थिरकते रहे।

गंगा आरती में शंखनाद से नए साल का स्वागत

दशाश्वमेध घाट पर दीपों से स्वागतम 2023 लिखा गया

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती में नए साल का स्वागत शंखनाद के साथ किया गया। शनिवार को 2022 की विदाई देते हुए गंगा सेवा निधि की ओर से 1001 दीपों से स्वागतम 2023 लिखकर दशाश्वमेध घाट को जगमग किया गया। देसी-विदेशी पर्यटकों के साथ ही काशीवासियों ने गंगा आरती के दौरान बेहतर साल की कामना की। आरती के दौरान अर्चकों ने विश्व शांति की कामना की। इस दौरान अध्यक्ष सुशांत मिश्र, आशीष तिवारी, हनुमान यादव आदि मौजूद रहे।

तानाशाही के खिलाफ राजनारायण का संघर्ष प्रेरणादायक

पुण्यतिथि

रामकटोरा में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में याद किये गये लोकबंधु

बोले वक्ता-राजनीतिक ही नहीं सामाजिक क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय

लोकबंधु राजनारायण की पुण्यतिथि पर संबोधित करते वक्ता

वाराणसी। समाजवादी नेता लोकबंधु राजनारायण की 36वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को रामकटोरा में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में एक प्रस्ताव पारित कर इस बात पर चिंता व्यक्त की गयी कि देश में एकाधिकार की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिसमें तानाशाही के विरुद्ध लोकबंधु राजनारायण की तरफ से किया गया संघर्ष ही प्रेरणादायक है।

वक्ताओं ने राजनारायण के संघर्षों की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने केवल राजनीतिक क्षेत्र में ही नहीं, सामाजिक क्षेत्र में भी ऐतिहासिक सघंष्र किया। सन् 1954 में उनके नेतृत्व में दलितों को काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रवेश करने के लिए आंदोलन चलाया और अंत में उत्तर प्रदेश सरकार ने कानून बनाकर मंदिरों में जांच के आधार पर प्रवेश में भेदभाव को गैर कानूनी घोषित कर दिया। वक्ताओं ने कहा कि राजनारायण ने सन् 1942 के क्रांति में छात्र के रूप में भाग लेने वाले तथा स्वतंत्र भारत में 40 बार जेल गए। आपातकाल लागू होने पर इन्हें डेढ़ साल तक नजरबंद रखा गया। राजनारायण ने आजीवन साम्प्रदायिकता और साम्प्रदायिक शक्तियों के खिलाफ संघर्ष किया। इसी कारण से उन्हें जनता पार्टी के मंत्रिमंडल से निकाला गया।

मुख्य वक्ता विजय नारायण ने कहा कि सरकार का प्रतिबंध आज मीडिया पर है, वहीं आज के फिल्मों पर भी है। अखबार और फिल्म समाज का जो आईना होते हैं, वह क्या दिखायेंगे? आज देश में महंगाई, बेरोजगारी के खिलाफ देश में परिस्थिति ऐसी बन गयी हे कि सभी को एक साथ मिलकर आंदोलन चलाना होगा, तभी जाकर देश में लोकतंत्र एवं संविधान बच पाएगा। गोष्ठी में सर्वसम्मत से प्रस्ताव आया कि आंदोलनकारियों के साथ राजनीतिक बंदियों की तरह शासन, प्रशासन का व्यवहार नहीं होता, बल्कि अपराधियों की तरह व्यवहार किया जाता है। शासन से मांग की गयी कि राजनैतिक बंदियों के साथ पूर्व की तरह व्यवहार किया जाए, अपराधियों की तरह नहीं। अध्यक्षता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ पत्रकारिता विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अनिल उपाध्याय ने की। संचालन समाजवादी नेता राकेश पाठक ने किया। इस दौरान पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटेल, कांग्रेस के प्रांत अध्यक्ष अजय राय, शालिनी यादव, पूर्व एमएलसी अरविंद सिंह, प्रो. सुरेंद्र प्रताप सिंह, अतहर जमाल लारी, राधेश्याम सिंह, प्रह्लाद तिवारी, डॉ. हीरालाल, शिवकुमार सिंह, कुंवर सुरेश सिंह, रवि शंकर विद्रोही, अशोक पांडेय, डॉ. दुर्गा प्रसाद, चंद्रभूषण गिरी, शिवपाल श्रीवास्तव आदि ने विचार व्यक्त किये।

लोकबंधु राजनारायण की प्रतिमा पर माल्यापर्ण के बाद उपस्थित लोग

गरीबों व मजलूमों के मसीहा थे लोकबंधु राजनारायण

वाराणसी। लोकबंधु राजनारायण के 36वें परिनिर्वाण दिवस पर बेनियाबाग स्थित राजनारायण स्मारक पार्क में लोकबंधु राजनारायण के आदमकद प्रतिमा पर अधिवक्ताओं ने माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर स्व. राजनारायण के कृतित्व व व्यक्तित्व पर चर्चा की गई। अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि जिस महान विभूति के नाम पर यह पार्क है, वह तो बहुत विकसित है। लेकिन दो साल पहले लोकबंधु राजनारायण का चश्मा गायब होने, उनके आंख की पुतली खराब होने व उनके प्रतिमा के अगल-बगल लगी प्रतिमाएं खंडित होने का मामला उठाया गया था, लेकिन उसे सही करने की पहल अभी तक नहीं हुई। जो राजनारायण जैसे व्यक्तित्व का अपमान है। अधिवक्ताओं ने जिला प्रशासन से मांग किया कि इसे तत्काल सही किया जाय या हमें अनुमति प्रदान किया जाए कि हम लोग स्वयं के खर्चे से उक्त प्रतिमा का नव निर्माण कर सकें। कार्यक्रम में पूर्व महामंत्री नित्यानंद राय, राजनारायण के पौत्र अधिवक्ता सुशील कुमार, पूर्व महामंत्री प्रदीप कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष हिंदू महासभा अधिवक्ता विशाल नारायण सिंह, पूर्व महामंत्री विद्यापीठ व अधिवक्ता विकास सिंह, मनीष कुमार सिंह, मुकेश कुमार सिंह, अखिलेश कुमार गुप्ता, दीपक राय कान्हा, गुरुदयाल गुप्ता, प्रभु शरण गुप्ता आदि शामिल हुए।

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना धीना जनपद चन्दौली में गोवंश/शराब तस्करी/ लावारिस में जब्त वाहनों कि नीलामी दिनांक 04.01.2023 समय करीब 10.00 बजे से 14.00 बजे तक होना प्रस्तावित है। नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति समय से थाना धीना पर उपस्थित होकर खुली नीलामी प्रक्रिया में भाग लेना सुनिश्चित करें।

थानाध्यक्ष
अमित कुमार
थाना धीना
जनपद–चन्दौली

सफाई कर्मी को दबंग ने पीटा

रोहनिया। राजातालाब स्थानीय थाना क्षेत्र के मांतलदेई चौकी अंतर्गत शनिवार को देउरा ग्राम पंचायत के सरकारी सफाई कर्मी हरिश्चंद्र को गांव के ही दबंग बिंदु पाल नामक व्यक्ति ने नशे की हालत में गांव के तालाब के पास बैठे सरकारी सफाई कर्मी हरिश्चंद्र को अनावश्यक गाली गलौज कर लाठी-डंडों से पीट-पीटकर अधमरा कर दिया।

जनसंदेश टाइम्स
वर्गीकृत सूचना

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2020 अनुक्रमांक 212416041 का मूल प्रमाण पत्र खो गया है। प्रदीप गुप्ता पुत्र रामजियावन गुप्ता, खुचमा, केशवपुर, चन्दौली।

मेरा हाईस्कूल वर्ष 2017 अनुक्रमांक 5035574, इण्टरमीडिएट वर्ष 2021 अनुक्रमांक 216853848 का अंकपत्र व प्रमाण पत्र खो गया है। संदीप तिवारी पुत्र संतोष तिवारी, ग्राम + पोस्ट बड़ी बाजार बांसडीह बलिया।

मेरा उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी लखनऊ का डिप्लोमा इन जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी वर्ष 2017 अनुक्रमांक 151707065 का अंक एवं मूल प्रमाण पत्र खो गया है। कुमारी इंद्रावती पुत्री शिव जनम पासवान, ग्राम–सरांक, पोस्ट–रोहुंआ जनपद–बलिया (उत्तर प्रदेश।

ई-रिक्शा वालों की मनमानी जारी मुख्य मार्गों पर भर रहे फर्राटा

बेलगाम

मुख्य मार्गो पर ना संचालित करने के निर्देश के बाद भी नहीं लग रहा अंकुश

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। बनारस की सड़कों पर दौड़ रहे वैध-अवैध ई-रिक्शा जाम व हादसों का पर्याय बन गये हैं, इन्हीं को देखते हुए मुख्य मार्गो से इनके संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, बावजूद इसके इनकी मनमानी से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शहर के अति व्यस्ततम और मुख्य मार्ग पर इनके आवागमन से लगने वाले जाम से शहर की छवि खराब हो रही है। इसके बावजूद शहर में दिनोंदिन ई-रिक्शा की तादात बढ़ती ही जा रही है। लिहाजा, शहर के ट्रैफिक को बेहतर बनाने के लिए शहर के मुख्य मार्गों ई-रिक्शा हटाए जाने का आदेश दिया गया है। इन्हें हटाने से पहले इनके लिए एक रूट भी निर्धारित किया गया है। ई-रिक्शा इस रूट पर चलकर सवारियों को मुख्य मार्गों तक लाएंगे, लेकिन उस पर चल नहीं सकेंगे। इसके लिए प्रमुख सचिव परिवहन व आयुक्त की ओर से डीएम को जारी पत्र में सर्वे कराकर फीडर रूट तय करने के निर्देश दिए गए हैं।

ई-रिक्शा का बोझ, बनी परेशानी

शहर में गलियों से लेकर हर मार्ग पर ई-रिक्शा दौड़ते मिल जाएंगे। यातायात विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो वर्तमान समय में वाराणसी में ई-रिक्शा की तादात हजारों की संख्या में है। जब ई-रिक्शा को शहर में लाइसेंस व परमिट बांटे जा रहे थे, 6,500 से 7,000 हजार की संख्या में ई-रिक्शा को रोड पर दौड़ाने की योजना बनाई गई थी। समय गुजरने के साथ नियम का किसी को ख्याल ही नहीं रहा, सड़कों पर वैध-अवैध ई-रिक्शा की बाढ़ आ गई। साथ ही इन दिनों लगभग 13 हजार ऑटो भी रोड पर फरार्टा भर रहे है.

ई-रिक्शा चालकों की मनमानी

बनारस में रोजाना लाखों की तादात में सैलानी आते हैं। इनको कैंट स्टेशन, रोडवेज, काशी विश्वनाथ मंदिर, बीएचयू, लंका, सारनाथ, घाट, चंदौली, मुगलसराय, बाबतपुर, कमच्छा, अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट समेत तीन दर्जन से अधिक इलाकों और सैकड़ों स्पॉट पर आने-जाना के लिए ई-रिक्शा बड़ा साधन है। ई-रिक्शा चालकों पर कई बार निर्धारित रेट से अधिक रुपए लेने के आरोप भी लगते हैं। छोटी-छोटी दूरियों के अधिक पैसे लेने, सार्वजनिक व ऑटो-ई-रिक्शा स्टैंड पर किराया सूची तक नहीं है। जिसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ईवीएम वेयर हाउस का 75 फीसदी निर्माण कार्य पूर्ण

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। गिलट बाजार क्षेत्र स्थित तहसील सदर परिसर में ईवीएम और वीवी पैट मशीनों को रखने के लिए निर्माणाधीन वेयर हाउस इसी साल बनकर तैयार हो जाएगा। 385.89 लाख की लागत में बनाये जा रहे इस गोदाम को मूर्त रूप देने के लिए पूरी धनराशि उपलब्ध करायी जा चुकी है। इसका 75 फीसदी निर्माण कार्य पूर्ण कर लिए जाने का दावा है। जिसके तहत भवन का फ्रेम स्ट्रक्चर, ब्रिक वर्क, खिड़की-दरवाजे की चौखट और बिल्डिंग के भीतर के हिस्से में प्लास्टर का कार्य पूरा किया जा चुका है। लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भवन के प्रस्तावित जी+2 टाइप निर्माण के लिए संशोधित इस्टीमेट 598.48 लाख रुपये की मांग शासन से की गयी है।

रोडवेज वाराणसी परिक्षेत्र में शामिल होंगे सौ परिचालक

जनसंदेश न्यूज

सुविधा

वाराणसी परिक्षेत्र में 503 बसों के सापेक्ष लगभग 975 परिचालक है तैनात

वाराणसी। परिचालकों की कमी से जूझ रहे रोडवेज वाराणसी परिक्षेत्र के सभी आठो डिपो में जल्द ही सौ परिचालकों की नियुक्ति संविदा पर की जायेगी। इसकी जिम्मेदारी एक निजी संस्था को सौंपी गयी है।

वाराणसी परिक्षेत्र के तहत आने वाले आठों डिपो (काशी, कैंट, गाजीपुर, जौनपुर, विंध्यनगर, सोनभद्र, चंदौली, ग्रामीण डिपो) में वर्तमान समय में लगभग 975 परिचालक तैनात हैं जिसके चलते कई बार परिचालक को दो शिफ्ट में ड्यूटी करनी पड़ जाती थी, इसकी जानकारी परिवहन मंत्री को होने के बाद उन्होंने परिचालक के भर्ती की मंजूरी दी। जिसके बाद एक निजी संस्था को इसकी जिम्मेदारी दी गयी। आउट सोर्सिंग के माध्यम से भी सौ परिचालकों की नियुक्ति की जायेगी। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव वर्मा ने बताया कि भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। परिचालकों को 1.70 रुपया प्रति किलोमीटर मानदेय दिया जाएगा।

वाहन की चपेट में आने से दो छात्राएं घायल

सेवापुरी। कपसेठी थाना क्षेत्र के स्थानी बाजार में शनिवार की दोपहर बाद एक साइकिल पर सवार होकर कपसेठी चौराहे पर कोचिंग पढ़ने जा रही दो छात्राएं वाहन की चपेट में आने से घायल हो गयी। स्थानीय लोगों ने दोनों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। छात्राएं इसी थाना क्षेत्र के रसूलहां गांव निवासी अंजली पटेल मांसी पटेल बताई जाती है जो बाजार स्थित एक निजी कॉलेज की कक्षा आठ की छात्रा बताई जाती है मौके पर पहुंची कपसेठी पुलिस टाटा सफारी को चालक समेत थाने ले गई।

पूर्वोत्तर रेलवे

एसी रोल्ट कर्षण को चालू करना 25000
सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

जन साधारण की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि पूर्वोत्तर रेलवे के मुफ्तीगंज – जौनपुर खण्ड पर वोल्ट एसी 25000 विद्युत कर्षण आरम्भ करने के लिए सभी [illegible] पर सड़क सतह से अधिकतम 4.78 मीटर ऊंचाई की गेजें लगाई गई हैं ताकि बहुत अधिक ऊंचाई वाली लोडेड सड़क वाहन को विद्युतमय कर्षण तार की खतरनाक सन्निकटता या संपर्क में आने से रोका जा सके। जन साधारण को एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सड़क वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए उक्त विनिर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और यह देखें कि सड़क वाहन में ढोये जा रहे लोड से किसी भी स्थिति में ऊंचाई गेजों का अतिक्रमण न करें।

अत्यधिक ऊंचाई के लोड के खतरे निम्नानुसार हैं।
1. ऊंचाई गेज के लिए खतरा और उसके फलस्वरूप सड़क और रेलवे लाइन पर बाधा। 2. वाहन पर ले जाये जा रहे सामग्रियों या उपकरण को खतरा। 3. चालकों की खतरनाक सन्निकटता या सम्पर्क के कारण आग लगने का खतरा और जीवन की हानि का खतरा।

उप मुख्य विद्युत इन्जीनियर/निर्माण, गोरखपुर
[illegible]

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मोबाइल नं. [illegible] पर SMS करें।

वाराणसी भारत

नए साल पर बाबा धाम में 12 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना

शिवलिंग को स्पर्श करने की अनुमति नहीं

वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में नए साल के अवसर पर 12 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। ऐसे में तैयारियां पूरी कर ली गई है। साथ ही मंदिर में स्पर्श दर्शन पर दो जनवरी तक रोक लगा दी गई है। सिर्फ बाबा की झरोखा दर्शन ही हो सकेगा। नए साल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की उम्मीद के साथ जिला प्रशासन ने काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रबंधन के साथ मिलकर शनिवार से दो जनवरी तक स्पर्श दर्शन (जब भक्तों को शिवलिंग को छूने की अनुमति दी जाती है) को प्रतिबंधित कर दिया है। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया कि स्पर्श दर्शन शनिवार से लेकर दो जनवरी के बीच नहीं किया जा सकेगा। शुक्रवार को इसका पूर्वाभ्यास भी किया गया। नए साल पर श्रद्धालुओं की संख्या 12 लाख से अधिक होने की उम्मीद है। मंदिर के अधिकारियों ने बताया कि स्पर्श दर्शन में थोड़ा समय लगता है क्योंकि भक्त गर्भगृह में प्रवेश करते हैं और जल, प्रसाद आदि चढ़ाते हैं। लोगों को मास्क लगाने की सलाह दी जा रही है। नये साल पर गादौलिया से मैदागिन, जंगमबाड़ी और रामापुरा चौराहे से किसी भी तरह के वाहन मंदिर की ओर नहीं जाएंगे। केवल पैदल लोगों का आवागमन होगा। धाम क्षेत्र को चार जोन, 11 सेक्टर और 26 सब सेक्टर में बांटकर एसीपी, निरीक्षक और उप निरीक्षकों की ड्यूटियां लगाई गई हैं। काशी जोन के डीसीपी आरएस गौतम ने बताया कि मैदागिन, जंगमबाड़ी और रामापुरा चौराहे पर बैरियर लगाए जाएंगे। इन तीनों मार्गों पर और दशाश्वमेध घाट जाने वाले रास्तों पर दर्शनार्थियों के लिए अलग से कतारें लगेंगी। बैरिकेडिंग की व्यवस्था कराई जा रही है।

वर्ष के अंतिम दिन दो लाख श्रद्धालुओं ने किया बाबा विश्वनाथ का दर्शन

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में नए साल की पूर्व संध्या पर दो लाख श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। श्रद्धालुओं को बाबा विश्वनाथ के झांकी दर्शन मिले। शनिवार को भोग आरती तक दो लाख श्रद्धालु मंदिर में पहुंच चुके थे। शनिवार को मंगला आरती के साथ ही बाबा दरबार में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया। आरती के बाद जैसे ही मंदिर के कपाट खुले तो आम श्रद्धालुओं के दर्शन का सिलसिला शुरू हुआ तो दोपहर की भोग आरती तक जारी रहा। दोपहर में भोग आरती के लिए कपाट बंद होने के बाद भी श्रद्धालुओं को झांकी दर्शन मिलता रहा। दर्शन पूजन का क्रम देर शाम तक चलता रहा। बांसफाटक व गोदौलिया और चौक की तरफ श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी हुई थी। मंदिर परिसर के चौक क्षेत्र में बैरिकेडिंग कराई गई है। प्रवेश और निकास के लिए किए अलग-अलग इंतजाम किए गए हैं।

गंगा में संचालित 583 नावें हुईं सीएनजी युक्त

वाराणसी। गंगा को प्रदूषण मुक्त किए जाने के लिए डीजल नाव को सीएनजी नाव में परिवर्तित किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा मे. मायकान इंडिया लिमि. को 657 नावो की सूची उपलब्ध कराई गयी थी, जिसमे मायकान कंपनी के द्वारा 583 डीजल नावों को सीएनजी इंजन में परिवर्तित किया जा चुका है। अपर नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम द्वारा नाविकों से समन्वय स्थापित कर उनकी समस्या के समाधान के लिए एजेंसी को अवगत भी कराया जा चुका है। डीजल नाव को सीएनजी में परिवर्तित किए जाने के लिए नगर निगम द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है व पुराने लाइसेंस की नवीनीकरण की भी कार्यवाही की जा रहा है। नये लाइसेन्स की अनुमति भी प्रदान किया जा रहा है, ताकि गंगा को प्रदूषण मुक्त किया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि गंगा नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण नमो घाट का कार्य लंबित हुआ था और वर्तमान में नमो घाट पुनर्विकास-फेज एक का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। साथ ही वाराणसी स्मार्ट सिटी की अन्य परियोजना ससमय पूर्ण कराए जाने के लिए परियोजनाये प्रगतिशील हैं।

सपा ने भी याद किया लोकबंधु राजनारायण को

वाराणसी। समाजवादी पार्टी जिला व महानगर इकाई की तरफ से अर्दली बाजार स्थित संगठन कार्यालय पर शनिवार को लोकबंधु राजनारायण की पुण्यतिथि मनायी गयी। आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि लोकबंधु राजनारायण समाजवादी नेता थे। वह हमेशा आम आदमी के हित की बात करते थे। भारतीय लोकतंत्र व राजनीति में इनकी बेहतरी के लिए उन्होंने आजीवन संघर्ष किया। उनकी पुण्यतिथि पर सभी समाजवादी यह संकल्प लें कि हमेशा लोकबंधु राजनारायण के बताए मार्ग पर चलकर समाजवाद का प्रचार प्रसार करते रहेंगे। गोष्ठी को पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा, पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी, पूर्व जिला प्रवक्ता संतोष यादव डॉ. उमाशंकर यादव, महेंद्र सिंह शक्ति, अजय चौधरी, हरिनाथ मास्टर आदि ने विचार व्यक्त किये।

नव वर्ष 2023, मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनायें
प्रदीप सोनी राजू सेठ
अध्यक्ष स्वर्णकार समाज
चौबेपुर वाराणसी, मो0-9125436676

RAJ GROUP OF INSTITUTIONS
RAJ SCHOOL OF MANAGEMENT SCIENCES | RAJ POLYTECHNIC | RAJ COLLEGE OF PHARMACY

नव वर्ष 2023 एवम मकर संक्रांति हार्दिक शुभकामनायें एवम बधाई
जय सियाराम उर्फ जैसू यादव
ग्राम प्रधान-परमानन्दपुर
चौबेपुर, वाराणसी

नव वर्ष 2023 मकर संक्रांति हार्दिक शुभकामनायें एवम बधाई
C.B.S.E. PATTERN
JMM COLLEGE
ACHIEVER'S PUBLIC SCHOOL
CO-EDUCATIONAL ENGLISH MEDIUM SCHOOL
DHAMARIYA LOHTA, VARANASI | M- 9118475002 / 01

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं
राजेश्वरी महिला महाविद्यालय
सम्बद्ध- महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी
विगत 19 वर्षो से निरन्तर महिला-शिक्षा में अग्रणी शिक्षण संस्था अब आपको कई विषयों में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा मान्य डिग्री/डिप्लोमा उपलब्ध करा रहा है।
संचालित पाठ्यक्रम: बी.ए.- हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, गृहविज्ञान, समाजशास्त्र, प्राचीनइतिहास, राजनीतिविज्ञान
Available Courses: राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय — B.COM, M.A., M.Com., M.S.W., PGJMC, BBA, MBA, BCA, MCA, B.Lib, M.Lib, PGDCA, CCC
ADMISSION OPEN 2023-24
डा. राघवेन्द्र नारायण सिंह, प्रबन्ध निदेशक, राजेश्वरी महिला महाविद्यालय
अंशुमान सिंह, उप-प्रबन्ध निदेशक, Mob. No. 9415221729, 9935695533
पता:- बैजलपट्टी, हरहुआ, वाराणसी-221105

2023 Happy New Year
डा. प्रशान्त कुमार
आरोग्य क्लिनिक
Mob. : 9497255870, 9340685894

समस्त सम्मानित क्षेत्रवासियों एवं जनपद वासियों को नव वर्ष 2023, मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनायें
मिश्रा ओटोमोबाइल्स TVS
टीवीएस बाइक शो रूम
मुनारी बाजार चौबेपुर, वाराणसी

नव वर्ष 2023, मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनायें
दिप नारायण सिंह दीपक
ब्लाक प्रमुख संरक्षक एवं समाज सेवी
बड़ागांव

समस्त सम्मानित ग्रामवासियों एवं जनपद वासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनायें
शिवम मिश्रा (पहलवान)
जय रामपुर मुनारी विकास क्षेत्र चिरईगांव, वाराणसी

आप सभी को नव वर्ष 2023 मकर संक्रांति हार्दिक शुभकामनायें एवम बधाई
धर्मेन्द्र कुमार सिंह चौहान
ग्राम प्रधान
जमसार, केराकत, जौनपुर, मो0-9839550456

नव वर्ष 2023, मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनायें
के.जे. इण्टरनेशनल होटल व रेस्टोरेन्ट
वाराणसी, लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बाबतपुर के निकट, वाराणसी
ए.सी. रूम, स्वीमिंग पूल से सुसज्जित वेज/नॉनवेज रेस्टोरेन्ट व शादी-विवाह व पार्टी के लिए लॉन उपलब्ध
मो0-8795831818, 8795831819, 9838839003

समस्त सम्मानित ग्रामवासियों एवं जनपद वासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनायें
राकेश कुमार सिंह
(ग्राम प्रधान, भीषमपुर)
जिलाध्यक्ष
ग्राम प्रधान संगठन-वाराणसी

नव वर्ष 2023 मकर संक्रांति हार्दिक शुभकामनायें एवम बधाई
नवचेतना
डाo अखिलेश पाण्डेय
Dr. Akhilesh Pandey
M.B.B.A, M.D. (B.H.U.)
Neuro-Psychiatrist

आप सभी को नव वर्ष 2023 मकर संक्रांति हार्दिक शुभकामनायें एवम बधाई
एडवोकेट विक्रम कुमार यादव
अशोक बिहार कालोनी, फेज-2, पहड़िया, वाराणसी, मो0-9335044705

2023
Dr. Manoj Gupta's
COSMETOLOGIST, TRICHOLOGIST
रुद्रा होम्योपैथी
In Front of Anand Mandir Cinema Hall Teliabagh, Varanasi
Branch : Bari Bazar, Bunkar Market Near Post Office, Varanasi
रुद्रा एस्थेटिक्स

Affiliation No. : 2133046
School Code : 71409
Happy New Year 2023
ADMISSION OPEN
TRIPADA PUBLIC SCHOOL
Affiliated to C.B.S.E. (10+2) New Delhi
नर्सरी से 9th to 11th
माडर्न इंग्लिश स्कूल, पिण्डरा अब बना त्रिपदा पब्लिक स्कूल पिण्डरा
Ashok Pandey 7985746933 | Prem Chand Singh 9936175755 | Sunil Singh 9415467855 | Kanhaiya Lal Patel 9935365243
गांगकला, बड़ागाँव, वाराणसी | रमईपुर, पिण्डरा, वाराणसी

नव वर्ष 2023 मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनायें एवम बधाई
जीवन ज्योति चैरिटेबल सोसाइटी द्वारा संचालित
जे. जे. हास्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर
(जीवन ज्योति चिकित्सालय)
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत स्वास्थ्य कार्ड धारकों का निःशुल्क इलाज एवं आपरेशन किया जाता है।
उपलब्ध विभाग एवं सुविधाएं: जनरल सर्जरी, लैप्रोस्कोपिक सर्जरी, बाल रोग, यूरो सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग, अस्थि रोग, जनरल मेडिसिन, न्यूरो मेडिसिन, डेन्टल सर्जरी
अन्य सुविधाएं
24
दिनेश मिश्रा
रमईपुर, पिण्डरा, वाराणसी
मो0-9838396952, फोन-0542-2622142

संस्कृत भाषा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास हो: राज्यपाल

संपूर्णानंद संस्कृत विवि के उपाधि धारक छात्र-छात्राएं

संपूर्णानंद संस्कृत विवि में पुस्तक का लोकार्पण करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

दीक्षांत समारोह में उद्बोधन करती हुई राज्यपाल

समारोह

वेद शास्त्र पुराणों में मिलती है संस्कृत भाषा की प्राचीनता

सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। संस्कृत भाषा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। संस्कृत में अमूल्य ज्ञान सम्पदा समाहित है। हमारे देश में कई गांव ऐसे हैं जहां संस्कृतमय आचरण करते हैं। संस्कृत के प्रचार- प्रसार के साथ साथ आमजन की भाषा बनाने पर बल देना चाहिये। संस्कृत में रोजगार की भाषा बनाने का प्रयास करना चाहिये। विद्यार्थी देश के धरोहर हैं। छात्र-छात्राएं अगर समृद्ध होंगे तो विश्वविद्यालय समृद्ध होगा। यह आपका सौभाग्य है कि आप देववाणी संस्कृत भाषा अध्ययन कर रहे हैं। यह उद्गार प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने शनिवार को अपराह्न सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के 40वें दीक्षांत समारोह समारोह में व्यक्त किया। बतौर समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के लिये दीक्षांत महोत्सव अत्यंत महत्वपूर्ण पल है। आपको यहां से शिक्षा और कौशल का जो व्यवहारिक ज्ञान मिला है उससे आप जीवन में सफल रहेंगे। यह शिक्षा का केन्द्र 1791 से स्थापित भारतीय संस्कृत एवं संस्कृति के प्रचार प्रसार का प्रवाह कर रहा है। यहां से पाली एवं प्राकृत का भी प्रसार हो रहा है। अनेक विद्वानों ने यहां पर संस्कृत शिक्षा का प्रसार कर सम्पूर्ण देश मे स्थापित किया। नेपाल,म्यामार एवं पश्चिमी देशों मे शिक्षा का विस्तार किया है। संस्कृत भाषा से हमारा देश एकता के सूत्र मे बंधा हुआ है। कहा कि इस संस्था का नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ सम्पूर्णानन्द के नाम पर है जिन्हें हम श्रद्धांजलि ज्ञापित करती हूं। कहा कि 2022 वर्ष मे आजादी के 75 वर्ष पूर्ण हुए इसी वर्ष अमृत महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर हर घर तिरंगा यात्रा मनाया गया। सम्पूर्ण देश तिरंगा मय हो गया। अन्तरराष्ट्रीय योगा दिवस से सम्पूर्ण देश को नया जीवन मिला। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में दिसम्बर 2022 में नवम्बर 2023 तक जी- 20 का सम्मेलन देश के विभिन्न राज्यों एवं उत्तर प्रदेश के चार शहरों आगरा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ एवं वाराणसी मे होगा। यह हम सबके लिये गर्व की बात है।

अभिषेक शुक्ल को 8 स्वर्ण, एक रजत

वाराणसी। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के 40वें दीक्षांत समारोह समारोह में 17 विभागों के शोध विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के आचार्य,शास्त्री के स्नातकों का उपस्थापन किया गया। मेधावियों में सर्वाधिक नौ मेडल(08 सुवर्ण एवं रजत पदक) नव्य व्याकरण में अभिषेक शुक्ल को मिला। चार पदक सामवेद में शाश्वत निर्भर, तीन पदक धर्मशास्त्र में शिवशंकर उपाध्याय, साहित्य में शिवम शुक्ल, साहित्य में स्मिता, दर्शन में राम प्रवेश त्रिपाठी, रामानुज वेदांत में ज्ञानेंद्र कुमार मिश्र व आराधना पांडेय,दो पदक : वेदांत में जाधव राम भाउ लिबाजी वेदांत में

खुश हुए छात्र

शाश्वत निर्भय को चार स्वर्ण शिवशंकर को तीन स्वर्ण पदक

17 विभागों के शोध विद्यार्थियों को पीएचडी

अरूण कुमार महतो, जैनदर्शन में मंयक जैन, शास्त्री साहित्य में हर्षिता शुक्ला, आयुर्वेद में ज्योति सिंह, फलित ज्योतिष में संतोष न्योपाने,एक-एक पदक : शुक्ल यजुर्वेद में रंजीत कुमार, अर्थव वेद में पंकज भोय, रामानंद वेदांत में राहुल कुमार तिवारी, पुराणेतिहास में सिद्धराज उपाध्याय, प्राचीन राजशास्त्र-अर्थशास्त्र में राहुल शुक्ला, नव्य व्याकरण में कृष्ण शरण भूर्तेल, सांख्ययोग तंत्रागत में विनोद कुमार त्रिपाठी, बौद्ध दर्शन में रविशंकर पांडेय, प्राकृत एवं जैनागम में अर्चना उपाध्याय, संस्कृत विद्या में अभय तिवारी, भाषा विज्ञान में प्रिंस कुमार यादव, शिक्षाशास्त्र में देवेश कुमार दुबे, वैष्णवी, विज्ञान में वरूण शर्मा, साहित्य में आदर्श पांडेय को मिला। समारोह में प्रो नागेन्द्र पांडेय,प्रो योगेश चन्द्र दुबे, प्रो -राय,ई रमन तिवारी,प्रो हेतराम कछवाहा, प्रो प्रेम चन्द्र जैन,प्रो केसी दुबे, प्रो जयप्रकाश त्रिपाठी, कुलसचिव केशलाल,वित्त अधिकारी जेपी पांडेय,शशींद्र मिश्र, सुनील चौधरी समेत काफी लोग मौजूद थे।

बालिकाओं को पठन पाठन सामग्री देती हुई राज्यपाल

संस्कृत मात्र एक भाषा ही नहीं अपितु संस्कृतिः न्यायमूर्ति शरद अरविंद बोबड़े

समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबड़े ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय में पूर्व और पश्चिम के बीच ज्ञान का वास्तविक आदान-प्रदान शुरू हुआ, जो पांडुलिपि प्रकाशन 'द पंडित' के नाम से जाना जाता था। मुझे बताया गया है कि यह अमूल्य संग्रह अभी भी इस विश्वविद्यालय में सुरक्षित रूप से संरक्षित है। कहा जाता है कि सरस्वती भवन में एक लाख से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियां हैं। यह विश्वविद्यालय कई महान संस्कृत विद्वानों का अल्मा मेटर रहा है जो दुनिया भर में प्रसिद्ध हुए। यह विश्वविद्यालय वास्तव में एक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय है और भारत के बहुत सीमावर्ती राज्यों जैसे अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में इसकी शाखाएँ हैं। यह भूटान, नेपाल, तिब्बत, श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, जापान, कोरिया, पोलैंड, मॉरीशस अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से दुनिया भर के छात्रों को प्राप्त करता है। बौद्ध और पाली ग्रंथों का अध्ययन करने के लिए बौद्ध देशों के छात्र यहां आते हैं। कहा कि भारत संघ की आधिकारिक भाषा होने के लिए संस्कृत सबसे उपयुक्त है। वास्तव में, यह केवल आधिकारिक भाषा ही नहीं बल्कि निश्चित रूप से मुख्य में से एक होनी चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. हरेराम त्रिपाठी ने छात्र-छात्राओं को उपाधि वितरण किया। प्रारंभ में श्रीमती आनन्दीबेन पटेल एवं मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे ने दीप प्रज्जवलन किया। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं ने मंगलाचरण,कुलगीत का पाठ किया। इस मौके पर तीन ग्रंथों क्रमशः पिंगलच्छन्दःसूत्रमं, कार्षिणगुरुशतकमं, कथापंचदशी का लोकार्पण किया गया। सभी ग्रन्थों के मुख्य सम्पादक कुलपति प्रो हरेराम त्रिपाठी हैं।

डॉ. टीना सिंघल सहित चार को विद्यावारिधि की उपाधि

वाराणसी। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शनिवार को राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के शिक्षकों को विद्यावारिधि उपाधि के साथ-साथ बीएएमएस की टॉपर छात्रा को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबड़े तथा कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी की ओर से बी.ए.एम.एस में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा ज्योति सिंह को स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया गया, इसके साथ ही महाविद्यालय के चार शिक्षकों डॉ. पदमलोचन संखुआ, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. मनीष मिश्रा तथा डॉ टीना सिंघल को विद्यावारिधि उपाधि प्रदान किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर नीलम गुप्ता ने सभी को बधाई दिया और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। डॉ. पद्म लोचन संखुआ ने डॉ. अजय कुमार के निर्देशन में, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव और डॉ. टीना सिंघल ने डॉ. आशुतोष यादव के निर्देशन में तथा डॉ. मनीष मिश्रा ने डॉ. के के द्विवेदी के मार्गदर्शन में शोध कार्य को सम्पन्न किया।

बनारस में खुलेगा मशीन टूल्स डिजाइन पर 'उत्कृष्टता केंद्र'

पहल

आईआईटी-बीएचयू व भारी उद्योग मंत्रालय के बीच हुआ समझौता

इसके चलते कैपिटल गुड्स सेक्टर में वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मिलेगा बढ़ावा

वाराणसी। बनारस में मशीन टूल्स डिजाइन पर 'उत्कृष्टता केंद्र' खुलेगा। इसके लिए आईआईटी-बीएचयू और भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) के बीच एमएचआई योजना के तहत एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। उद्योग भवन, नई दिल्ली में बीते शुक्रवार को भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडे और सचिव कामरान रिजवी की उपस्थिति में आईआईटी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन तथा एमएचआई के सचिव विजय मित्तल ने समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना आईआईटी-बीएचयू परिसर में किया जाएगा।

प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने बताया कि इस योजना के तहत तीन उच्च अंत मशीन टूल प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए मशीन टूल्स डिजाइन पर उत्कृष्टता केंद्र को मंजूरी दी गई है। परियोजना लागत को एमएचआई और एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड संयुक्त रूप से वित्तपोषित करेगा। सीओई का लक्ष्य कैपिटल गुड्स सेक्टर में वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना और इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में तेजी लाना है। सीओई भारत को 'आत्मनिर्भर' या 'आत्मनिर्भर' बनाने, विदेशी खरीद को बंद करने और घरेलू सोर्सिंग को प्रोत्साहित करने के लिए कैपिटल गुड्स सेक्टर में विकास के लिए उच्च स्तर की विश्वसनीयता और दक्षता के साथ मेक इन इंडिया मशीन टूल्स में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इस अवसर पर एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक पंकज गुप्ता ने कहा कि आईआईटी (बीएचयू) जैसे प्रतिष्ठित अकादमिक संस्थान और प्रतिष्ठित उद्योग एचएमटी के बीच सहयोग 'मेक इन इंडिया' की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।-

आयुष्मान कार्ड की नहीं दे रहे प्रगति रिपोर्ट

काशी विद्यापीठ। स्थानीय विकास खंड मुख्यालय में शनिवार को बीडीओ डॉ. रक्षिता सिंह पंचायत सहायकों के कार्यों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान पता चला कि कई रिमाइंडर दिये जाने के बावजूद सीएचसी अधीक्षक एवं स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी आयुष्मान गोल्डेन कार्ड के लिए आशा वर्करों की प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध नहीं करवा पा रहे हैं। कुछ यही हाल एडीओ पंचायतों का भी रहा है। मीटिंग में सहायक विकास अधिकारी के जवाब असंतोषजनक रहे। इस पर खंड विकास अधिकारी ने तीनों की जवाबदेही तय करने की मंशा व्यक्त की।

डीडीयू को मिला प्रदेश में प्रथम स्थान

वाराणसी। जनपद की चिकित्सीय एवं स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार सुधार होने के चलते पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय को प्रदेश में सर्वश्रेष्ट स्थान प्राप्त हुआ है। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारी में हर्ष है।

कायाकल्प अवार्ड योजना के वर्ष 2022-23 के लिए डीडीयू चिकित्सालय ने अंतिम चरण में 93.7 फीसदी अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही जनपद के तीन अन्य राजकीय चिकित्सालयों एसएसपीजी मंडलीय चिकित्सालय कबीरचौरा, जिला महिला चिकित्सालय और लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय रामनगर ने भी कायाकल्प अवार्ड हासिल किया है ।

मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा और जिलाधिकारी एस राजलिंगम के कुशल निर्देशन में चारों चिकित्सालयों ने कायाकल्प अवार्ड के सभी मानकों में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर पुरस्कार हासिल किया है। इसके लिए मंडलायुक्त और जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग सहित चिकित्सालयों के समस्त स्टाफ की सराहना की और भविष्य में इसी तरह के कार्यों की अपेक्षा की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण वाराणसी मण्डल के अपर निदेशक डॉ अंजु सिंह, डीडीयू चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ आरके सिंह, एसएसपीजी मंडलीय चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ जीएस मौर्य, जिला महिला चिकित्सालय की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनीषा सिंह सेंगर और एलबीएस चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ एसी दुबे ने क्वालिटी एश्योरेंश के मंडलीय सलाहकार डॉ आरपी सोलंकी सहित चिकित्सक व स्टाफ के कार्यों की सराहना की और बधाई भी दी है। इन तीनों चिकित्सालयों को तीन-तीन लाख रुपये की धनराशि भी आवंटित की जाएगी, जिससे चिकित्सालय में चिकित्सीय व स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ़ किया जा सके ।

गौरव

स्वास्थ्य विभाग में खुशी की लहर, चिकित्सालयों का लगातार हो रहा सुदृढ़ीकरण

कायाकल्प अवार्ड योजना में चिकित्सालय को मिले 93.70 फीसदी अंक

कज्जाकपुरा आरओबी निर्माण कार्य दिसंबर तक होगा पूर्ण

वाराणसी। सिटी रेलवे स्टेशन-सारनाथ रेलमार्ग पर कज्जाकपुरा के निकट रेलवे सम्पार संख्या-23ए पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण कार्य किया जाना है। जिसके लिए रेलवे की कुल लागत 144.52 करोड़ रुपये और सेतु अंश की 139.85 करोड़ रुपये स्वीकृत है। जिसका निर्माण इसी साल दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। उप परियोजना प्रबंधक एसके निरंजन ने बताया कि सेतु के संरेखण में सीवर लाइन, विद्युत लाइन, पेयजल पाइप लाइन, गंगा प्रदूषण की पाइप लाइन शिपिटंग एवं जमींन उपलब्ध न होने के कारण कार्य बाधित रहा है, सेतु के लिए भूमि मापी का कार्य कराया गया था, परंतु कास्तकारो द्वारा पुनः भूमि मापी कराने की मांग की गई है, जिसकी पुनः भूमि मापी की कार्यवाही प्रगति में है। सेतु के बीच कब्रिस्तान एवं मस्जिद की जमीन आ रही है, जिसका आपसी समझौते के आधार पर कार्य कराने का प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान में स्थान की उपलब्धता के अनुसार निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति में है। बताया कि नवंबर तक 44.27 करोड़ रुपये व्यय करते हुए भौतिक प्रगति 23 प्रतिशत है। इसे पूर्ण करने का लक्षित तिथि मार्च, 2024 है, जिसे दिसंबर, 2023 तक पूर्ण करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

भाइयों आप भी तो मेहनत करो : आनंदीबेन पटेल

काविपी में संबोधन

अंकों से आगे-पीछे हो जाने से आगामी जीवन प्रभावी नहीं होगा : राज्यपाल

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आंनदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शनिवार को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ का 44वां दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। समारोह में विभिन्न संकायों के 67916 विद्यार्थियों को स्नातक, 9277 विद्यार्थियों स्नातकोत्तर, 48 विद्यार्थियों को शोध और एक छात्रा को डीलिट की उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल ने विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले 65 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया। उन्होंने इस अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को भावी जीवन में सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ अंको से आगे-पीछे हो जाने से आगामी जीवन प्रभावी नहीं होगा, भविष्य में जीवन की सफलता ज्ञान के बेहतर उपयोग, लगन और निष्ठा के साथ लक्ष्यों को पूरा करने से प्राप्त होगी। उन्होंने नव वर्ष की बधाई देते हुए कहा कि यहां आना मेरे लिए गौरव की बात है, सबसे ज्यादा गोल्ड मेडल लड़कियों को दिया गया। भाईयों आप भी तो मेहनत करो। बेटियों को बधाई देते हुए कहा कि काशी विद्यापीठ में छात्रों की कुल संख्या में छात्राओं की संख्या छात्रों से कम है, लेकिन मेडल पाने वाले में छात्राओं की संख्या छात्रों से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि ज्ञान को नौकरी पाने का साधन नहीं बनाना चाहिए। शिक्षा को लोकहित और जनहित से जुड़े बगैर शिक्षा की सार्थकता साबित नहीं हो सकती है।

उन्होंने भारत में जी-20 देशों की बैठकों की जानकारी देते हुए बताया कि ये बैठकें मानवता के कल्याण के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की थीम पर आधारित है। उत्तर प्रदेश के चार शहरों आगरा, वाराणसी, लखनऊ, ग्रेटर नोयडा में भी एक दिसंबर, 2022 से 30 नवंबर 2023 तक इसकी बैठकें आयोजित हो रही हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय को इस इवेंट में उत्साह के साथ प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित किया।

पुरुष हॉकी प्रतियोगिता में पूर्वांचल विवि विजेता

वाराणसी। ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी पुरुष प्रतियोगिता में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने प्रथम स्थान हासिल किया। जबकि बीएचयू ने द्वितीय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ने तृतीय और संबलपुर यूनिवर्सिटी ने चतुर्थ स्थान प्राप्त कर अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयई प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय हॉकी (पुरुष) प्रतियोगिता के आखिरी दिन शनिवार को एम्फीथिएटर एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान पर संबलपुर विश्वविद्यालय एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के बीच खेला गया पहला मैच 3-3 से बराबरी पर रहा। दूसरे लीग मैच में पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने बीएचयू को 5-2 से हराया। क्वार्टर फाइनल के बाद प्रतियोगिता के सारे मैसेज लीग बेसिस पर आयोजित किए गए। सर्वाधिक प्वाइंट प्राप्त करने वाला विनर और सबसे कम प्वाइंट प्राप्त करने वाला चतुर्थ स्थान पर आया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी नितेश नितिन कुमार थे। अध्यक्षता डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. मयंक कुमार सिंह ने की। संचालन सहायक निदेशक डॉ. धीरेन्द्र तिवारी ने किया। इस दौरान डॉ. प्रदीप खलको, प्रो. अभिमन्यु सिंह आदि थे।

शिवपुर चुंगी मार्ग पर सेतु निर्माण कार्य मार्च तक होगा पूर्ण

वाराणसी। जीटी रोड बौलिया-लहरतारा से फुलवरिया जेपी मेहता इंटर कॉलेज से बाया सेंट्रल जेल शिवपुर चुंगी मार्ग पर फोर लेन सेतु के निर्माण कार्य के लिए 88.46 करोड़ स्वीकृति हुआ था, जो रेलवे पोर्शन की लागत में वृद्धि के कारण कुल लागत 93.15 करोड़ रुपये हो गया। इसे इसी साल मार्च तक पूरा कर लिए जाएगा। उप परियोजना प्रबंधक एसके निरंजन ने बताया कि सेतु रेलवे द्वारा पूर्णता वित्त पोषित है। रेलवे विभाग से माह नवंबर 2022 तक 89.51 करोड़ रुपए प्राप्त हुए है। क्रासिंग और लहरतारा चौराहे के मध्य अतिरिक्त लेन के लिए भूमि अधिग्रहण के साथ भवनों के ध्वस्तीकरण के विरूद्ध भू-स्वामियों द्वारा उच्च न्यायालय में वाद दाखिल कर स्थगन आदेश प्राप्त करने के कारण भूमि अध्यासि का कार्य बाधित है। रेलवे पोर्शन में स्टील गर्डर लॉचिंग कार्य के लिए डिफेंस से 19 दिसंबर को समन्वय स्थापित कर मौखिक रूप से कार्य करने की अनुमति प्राप्त हो गई है। सेतु का निर्माण कार्य माह नवम्बर, 2022 तक 72.62करोड़ रुपये व्यय करते हुए भौतिक प्रगति 81 प्रतिशत प्राप्त कर ली गयी है।

उदयपुर में ग्राम प्रधान ने आरंभ किया पुस्तकालय

चांदमारी। हरहुआ ब्लॉक के उदयपुर में ग्राम प्रधान सुद्धुराम की पहल पर वहां के पंचायत भवन में शनिवार को पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया। निरक्षरता को जड़ से खत्म करने के उद्देश्य से उन्होंने इस दिशा में प्रयास कर यह लाइब्रेरी खुलवायी। उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस लाइब्रेरी का लाभ गांव के उन युवाओं को मिलेगा जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं पढ़ा-लिखा नहीं हूं लेकिन पुस्तकालय के जरिये भावी पीढ़ी को लाभांवित करने का यह छोटा-सा प्रयास है। मुख्य अतिथि पचंयाती राज विभाग के सहायक विकास अधिकारी मयंक मोहन ने लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि यह पुस्तकालय प्रतिदिन पूर्वाह्न दस बजे से सायं पांच बजे तक खुला रहेगा। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सदस्य प्रिंस चौबे, ग्राम सचिव विनोद यादव, बीडीसी अजय चौबे, ग्राम पंचायत सदस्य अरविंद चौबे, मनोज पटेल, रमेश चौबे, विजय गौड़, रामचरण गौड़, चंदा देवी, रवींद्र कुमार, पप्पू प्रजापति एवं महेंद्र तिवारी आदि भी थे।

श्रेष्ठा ने कथक पर की शिव वंदना की मनमोहक प्रस्तुति

कार्यक्रम

दीनदयाल हस्तकला संकुल में सांस्कृतिक संध्या

वाराणसी। दीनदयाल हस्तकला संकुल बड़ालालपुर में वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार एवं सुबह- ए- बनारस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में शनिवार को कथक नृत्य की प्रस्तुति साकार हुई। मुंबई से पधारी कथक नृत्य कलाकार सुश्री श्रेष्ठा त्रिपाठी ने पारंपरिक कथक नृत्य की अभिव्यक्ति सृजित की। कथक नृत्य में उनके साथ डॉ अमित ईश्वर (तबला) एवं आनंदकिशोर मिश्र (हारमोनियम) पर संगत की। अनीष मिश्र (सारंगी) एवं पखावज अनिरुद्ध शिर्के (मुंबई) ने संगत की। गायन पर शालिनी वेद संगत कर रही थीं। कथक नृत्य का आरभ शिव वन्दना के रूप में रुद्राष्टकम से हुआ। इसके उपरांत शिखर ताल में निबद्ध चलन परन तोड़ा टुकड़ा आदि की संतुलित प्रस्तुति साकार हुई। इसी क्रम में दादरा पर नृत्य से सभी को आनंदित किया। दादरा के बोल थे- कोयलिया मत कर पुकार। कार्यक्रम का समापन तीनताल में निबद्ध गत निकास तोड़ा से की। इसमें तबले और घुंघरू की जुगलबंदी रसपूर्ण रही । कार्यक्रम की संकल्पना और संयोजन डॉ रत्नेश वर्मा का रहा। संचालन डॉ प्रीतेश आचार्य ने किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दीनदयाल हस्तकला संकुल के संग्रहालय अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव व अजय गुप्ता तथा कलाकारों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

काशी विद्यापीठ में छात्राओं का जलवा

आयोजन

छात्राओं की तुलना में कुल 65 में मात्र 15 छात्र ही पा सके सफलता, एक डीलिट उपाधि पर भी महिलाओं का कब्जा

राज्यपाल 17 स्नातक और 46 स्नातकोत्तर के छात्रों को स्वर्ण पदक व प्रमाण पत्रों से नवाजा

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को सम्मानित करते कुलपति आनंद कुमार त्यागी

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में उपाधि के साथ छात्र

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययन पीठ सभागार में शनिवार को 44वां दीक्षांत मनाया गया। इस बार के दीक्षांत में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले कुल 65 विद्यार्थियों में से 50 छात्राओं ने बाजी मारी है। जबकि मात्र 15 छात्र ही स्वर्ण प्राप्त कर सकें। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 17 स्नातक और 46 परास्नात्क व दो उत्कृष्ट खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक व प्रमाण पत्र भेंट किया। इसके अलवा 48 शोध व एक डीलिट की उपाधि दी गई। कार्यक्रम की शुरूआत जल संरक्षण थीम पर की गई। जिसमें अध्यक्ष और मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों ने जल से भरे एक छोटे घड़े का पानी एक बड़े घड़े में संरक्षित किया। इसके बाद कार्यक्रम की घोषणा हुई। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की स्मारिका का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि हरियाणा महेंद्रगढ़ केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि काशी विद्यापीठ के यश और किर्ति निर्माण में योगदान देने वालों को मैं प्रणाम करता हूं, दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं बल्की शुरूआत है, कुरुक्षेत्र की भूमि से आया हूं जहां से शिक्षा का उदय हुआ है। यहीं महाभारत का युद्ध और यहीं गीता का उपदेश दिया गया। आज के युवाओं को राष्ट्र के विकास कार्यों में शसक्त भूमिका निभानी चाहिए। इसके पूर्व अतिथियों को गुलाब का फूल देकर स्वागत करते हुए कुलपति आनंद कुमार त्यागी ने कहा कि छात्रों की तुलना में छात्राओं को सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ है, इसकी खुशी है। विश्वविद्यालय में सभी छात्रों को कौशल विकास के तहत रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह हमारा प्रयास है कि छात्र शिक्षा के साथ रोजगार से भी जुड़ें। बताया कि विश्वविद्यालय को डिजिटल और ऑनलाइन प्रणाली से लैस किया जा रहा है। दीक्षांत में स्नातक की टॉपर आंचल राय को दो स्वर्ण पदक से नवाजा गया। आंचल को बीकॉम ऑनर्स में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए स्वर्ण पदक और समस्त स्नातक कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर डॉ. भगवान दास स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। वहीं स्नातकोत्तर में टॉपर निष्ठा द्विवेदी को एमबीए की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर सीताराम जिंदल फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित स्वर्ण पदक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर डॉ. विभूति नारायण सिंह स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इनके अलावा उत्कृष्ठ खिलाड़ियों में महिला संवर्ग में किक बॉक्सिंग की मुस्कान बिजलानी और पुरुष संवर्ग में तीरंदाजी के सौरभ मौर्य को स्वर्ण पदक प्राप्त हुए। इन सबके साथ उपाधि के क्रम में डॉ. अर्चना पांडेय को हिंदी विषय में डीलिट की उपाधि से नवाजा गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में कुलपति आनंद कुमार त्यागी ने महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। संचालन प्रो. वंशीधर पांडेय ने किया। इस दौरान प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भईया विश्वविद्यालय प्रयागराज नैनी के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह, कुलसचिव हरीशचंद के साथ सभी विभागों व संकायों के संकायाध्यक्ष व विभगाध्यक्ष सहित पदक प्राप्त करने वाले छात्र व शोध उपाधि प्राप्त करने वाले शोधार्थी मौजूद रहे।

आंचल

निष्ठा

अर्चना

> फतेहपुर के बिंदकी की रहने वाली हूं, मेडल प्राप्त करने का श्रेय अपने माता पिता और गुरुजनों को जाता है। आगे सरकारी नौकरी के लिए तैयारी करूंगी।
>
> **निष्ठा द्विवेदी, एमबीए, स्नातकोत्तर टॉपर**

> विश्वविद्यालय के संबंद्ध कॉलेज की छात्रा हूं, मऊ की निवासी हूं, अपने माता पिता और गुरुजनों के आशिर्वाद से यह सफलता प्राप्त की है। दो भाइयों की अकेली बहन हूं, आगे सिविल सर्विसेज की तैयारी करनी है।
>
> **- आंचल राय, बीकॉम, स्नातक टॉपर**

> कोलकाता के खिदिरपुर कॉलेज में सहायक प्रोफेसर के पद पर हूं, साहित्य को प्रेरणा मानकर जीवनभर प्रयास करती रही हूं। उपलब्धि का श्रेय ईश्वर और सहयोगियों को देती हूं। मां और भाई ने काफी सपोर्ट किया।
>
> **–डॉ. अर्जना पांडेय, हिंदी में डीलिट उपाधि**

मुस्कान बिजलानी को मिला स्वर्ण पदक

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ से संबद्ध बनारस इंस्टिट्यूट ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग की बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा मुस्कान बिजलानी को शनिवार को आयोजित 44वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी 2022 के रूप में स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। मुस्कान ने इस वर्ष काशी विद्यापीठ का प्रतिनिधित्व करते हुए इंटर यूनिवर्सिटी नैशनल किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। इसके पूर्व भी मुस्कान ने नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 3 गोल्ड और 1 सिल्वर मेडल प्राप्त कर चुकी है। मुस्कान वूशु की भी राष्ट्रीय खिलाड़ी है।

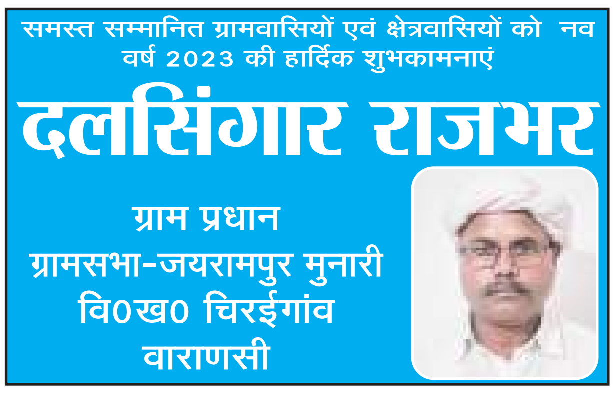

इबारतें नये साल की

मुबारकबाद एक उम्मीद है/ मुबारकपुर में
जहाँ वे बचाए रहते हैं/ कुछ गर्मी, कूछ लम्हे,कुछ खुशी
और इतना खून कि लड़ा जा सके/ आने वाले वक़्तों में
वे चूल्हे की आग को /कभी बुझने नहीं देते
कि वहां राख में गुपचुप/ धधकती है मशालों की इबारतें
नये साल में अंधेरों के खिलाफ/ कि मुबारकबाद कहते
लोग /बचें रहें

– लीलाधर मंडलोई

जनसंपादकीय

अलविदा 2022, स्वागत 2023

ईसा के नव वर्ष 2023 का स्वागत और विदा हुए 2022 को नमस्कार। आज पहली जनवरी है। हैप्पी न्यू ईयर की शुभकामनाएं तैर रही हैं। आगे मकरसंक्रांति है। हर बरस आती है। इसका आधार दिक्काल है। इसी महीने अंग्रेजी कैलेंडर का नव वर्ष आता है। हैप्पी बोलने में ठसक है। अंग्रेजियत है। ह्यन्यू ईयरह्य आधुनिक है। लेकिन उधार की आधुनिकता स्वाभाविक नहीं होती। लेकिन भाई लोग हैप्पी न्यू ईयर बोल कर आधुनिक हो रहे हैं। कुछ बरस से गाँव देहात के निश्छल लोग भी ह्यहैप्पी न्यू ईयरह्य बोल रहे हैं। भारतीय काल गणना का नव वर्ष - संवत्सर चैत्र माह में आता है। तब हवांए मधुगंधा होती है। गीत गाते चलती हैं। लेकिन ह्यन्यू ईयरह्य हर साल कोहरे में आता है। हम भारत के लोग उत्सव प्रिय राष्ट्र हैं। इसलिए अंग्रेजी नववर्ष का एक उत्सव और जोड़ लेने में कोई कठिनाई नहीं है। नववर्ष का ह्यनवह्य बड़ा रोचक है। यह नव प्रायः 9 का अर्थ देता है। जैसे ज्योतिष में नवग्रह शब्द चलता है। नवग्रह का नव नए का अर्थ नहीं देता। यह संख्यावाची है। नवमी एक माह में 2 बार आती है। यह तिथि है। लैटिन का नवंबर भी 9वां है। लेकिन अंग्रेजी कैलेंडर में 11वां माह है। लैटिन का सेप्ट अंग्रेजी का सितम्बर है। अंग्रेजी का सितम्बर सातवां है। इसी तरह ओक्ट - अक्टूबर आठवां है। लेकिन अंग्रेजी कैलेंडर में अक्टूबर 10वां और सितम्बर नवां है। नवयुवक का अर्थ भी नया है। नव या नए के मोहपाश में नवना या झुकना अच्छा नहीं।

तुलसी दास ने झुकने के लिए नवनि शब्द का सुंदर प्रयोग किया है। अंग्रेजी नववर्ष में हैप्पी बोलना विदेशी सभ्यता के सामने क्या नवनि ही नहीं है? मन प्रश्न करता है कि नववर्ष को हम सब जनवरी से ही क्यों प्रारम्भ करें? जनवरी में नवीनता का कोई आधार या रूपायन नहीं दिखाई पड़ता। हम कृषि प्रधान देश रहे हैं। कृषि नवान्न देती है। हम पुलकित होते हैं। लेकिन जनवरी में ऐसा नहीं होता। जनवरी में वन उपवन नवांकुर से भरे पूरे नहीं होते। जनवरी में लोक आनंदित नहीं होता। न नवछन्द उगते हैं और न नवगीत। जनवरी में कुछ भी नया नहीं होता। न रूप नया। न रस नया। न गंध नई। न स्पर्श नया। जनवरी में नदियां भी उल्लासपूर्ण नहीं होती। जनवरी भी कड़ाके की सर्दी के कारण खांसते हाँफते हुए प्रकट होती है। जनवरी के स्वागत का मन नहीं करता। इसका न कोई प्रतीक है और न कोई प्रतिमान। काल गणना से तिथि, दिवस, मास, वर्ष और युग बनते हैं। पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। वैदिक साहित्य के अनुसार वर्ष में 720 अहोरात्र होते हैं। अहोरात्र दिन रात के जोड़े हैं। परिक्रमा सीधी रेखा में नहीं चलती। यह वृत्ताकार होती है। वृत्ताकार गति में प्रथम और अंत नहीं होता। तो नया साल कहाँ से आया। नए साल की गिनती कहाँ से शुरू हुई और क्यों हुई? जनवरी से ही नए साल की गणना क्यों होती है? प्रगतिशील विद्वान हमारा मार्गदर्शन करें। यहाँ 6 ऋतुवें हैं। बसंत ऋतुराज हैं। तब पूरी प्रकृति मदन गंध आकुल व्याकुल होती है। नया साल बसंत से क्यों नहीं शुरू होता? फाल्गुन में होली के गीत, नाचती ऋतुवें क्या नए साल के लिए पर्याप्त नहीं हैं? चैत्र में ठाठ मारता संवत्सर आता है। यही भारत का नववर्ष है और सृष्टि सृजन की मंगल मुहूर्त भी।

यूरोपीय विद्वानों ने पता नहीं क्यों 10 महीने का कैलेंडर बनाया था? उस कैलेंडर में सितम्बर सातवां महीना था। आठवां अक्टूबर था। नौवां नवम्बर था और दिसंबर दसवां। विवाद हुआ तो जनवरी फरवरी शुरू में जोड़ दी गई और सातवें से लेकर दसवें महीने तक की गिनती उलटी पुलटी हो गई। अंग्रेजी कैलेंडर की काल गणना में झोल है। विदेशी सभ्यता का प्रभाव गहरा होता जा रहा है। हम अंग्रेजी नववर्ष में हैप्पी होते हैं। बसंत में हमारे मन में आनंदरस नहीं उफनाता। नई पीढ़ी का एक वर्ग वैलेंटाइन को प्रेम का संत मानता है। भारत और ईसाईयत की संत परंपरा में मौलिक अंतर है। भारत में देव उपासना और ज्ञान प्राप्ति के लिए घर छोड़ कर आश्रमों में रहने वाले महानुभाव संत कहलाते हैं। ईसाईयत में संत होने की शर्तें हैं। चर्च किसी के संत होने का प्रमाणपत्र जारी करता है। तब कोई संत होता है। चर्च की संत सूची में वैलेंटाइन का नाम नहीं है। लेकिन यहाँ नई पीढ़ी का एक वर्ग वैलेंटाइन मनाता है। कथित प्रेम की अभिव्यक्ति में शील अश्लील के भेद मिट जाते हैं। भारत को भारतीयता की लय और छंद में उत्सवधर्मा होना चाहिए। आधुनिकता निरपेक्ष नहीं होती। यह परंपरा का विस्तार होती है। आज जिसे आधुनिकता कहते हैं वह सौ पचास वर्ष बाद परंपरा बन जाएगी।

अस्तित्व प्रतिपल नया है। हम सब प्रतिपल नए हैं। भूत और वर्तमान की कोई समय विभाजक रेखा नहीं है। वर्तमान प्रतिपल भूत हो रहा है। प्रतीक्षारत भविष्य और वर्तमान की आत्मीयता प्रतिपल नई उमंग देती है। यहाँ सब कुछ नया ही नया है। बीज फूट कर पौध बन रहे हैं। नई पत्तियां, कोपलें उग रही हैं। कली अभी खिली है। पुष्प नए हैं। मेघ नए हैं। बादल नए हैं। प्रकृति का हर एक रूप नया है। ऊषा नई है। सूर्य अरुण तरुण हैं। लेकिन इस नए का अलग अस्तित्व नहीं है। वह परंपरा का विस्तार है। भारतीय परंपरा में इसीलिए अस्तित्व को चिरंतन और सनातन कहा गया है। यह सदा से है। सदा रहता है। रूप रूप प्रतिरूप होकर पुनर्नवा होता रहता है। काल का जन्म हुआ है। ऋग्वैदिक ऋषियों के अनुसार एक समय ऐसा भी था जब समय नहीं था। प्रलय में गति नहीं होती इसलिए प्रलय में काल नहीं होता। दिन और रात भी नहीं होते। ऋग्वेद में सृष्टि सृजन के पूर्व का सुंदर वर्णन है। तब न रात्रि थी न दिन। न मृत्यु न अमृत्व। सब तरफ गहन अंधकार और जल ही जल। काल के जन्म के बाद भारतीय ऋषियों ने काल गणना शुरू की। यह आसान नहीं थी। इसके पहले कालबोध की आवश्यकता थी। ऋषियों में कालबोध था। दिन, रात, मास व वर्ष काल के अंग हैं। ऋग्वेद में काल प्रवाह के प्रथम बिंदु को संवत्सर कहा गया है। भारत का मन संवत्सर में लहकता है। अंग्रेजी नववर्ष भी यहाँ चलता है। पूर्वजों ने सभी दिशाओं से प्राप्त ज्ञान को राष्ट्रानुकूल बना कर सांस्कृतिक जीवन की रूपरेखा गढ़ी थी। विदा होते वर्ष 2022 में हमने मुलायम सिंह यादव, लता मंगेशकर, राजू श्रीवास्तव, स्वरूपानंद सरस्वती, साइरस मिस्त्री, राकेश झुनझुनवाला, शिव कुमार शर्मा, राहुल बजाज, बप्पी लाहिड़ी, बिरजू महाराज आदि अपने क्षेत्रों की महान विभूतियों को खोया भी है। इसी अवधि में भारत को पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति मिलीं। नए उपराष्ट्रपति मिले। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, मुख्य चुनाव आयुक्त सहित कई संवैधानिक प्रमुखों की नियुक्तियां हुईं। कोरोना, वैश्विक आर्थिक मंदी व युद्धरत तनाव के बीच भारत विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। विनिर्माण, परिवहन, उद्योग, निर्यात आदि क्षेत्रों में नए कीर्तिमान गढ़े जा रहे हैं। वैश्विक आर्थिक भविष्यवेत्ताओं द्वारा भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान नववर्ष के लिए शुभ संकेत है।

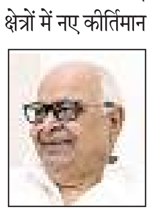

हृदयनारायण दीक्षित
लेखक उप्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं

नए साल की शुभकामनाएं !

नए साल की शुभकामनाएँ!/ खेतों की मेड़ों पर धूल भरे पाँव को/ कुहरे में लिपटे उस छोटे से गाँव को/ नए साल की शुभकामनाएं!
जाँते के गीतों को बैलों की चाल को/ करघे को कोल्हू को मछुओं के जाल को/ नए साल की शुभकामनाएँ!
इस पकती रोटी को बच्चों के शोर को/ चौंके की गुनगुन को चूल्हे की भोर को/ नए साल की शुभकामनाएँ!
वीराने जंगल को तारों को रात को/ ठंडी दो बंदूकों में घर की बात को/ नए साल की शुभकामनाएँ!
इस चलती आँधी में हर बिखरे बाल को/ सिगरेट की लाशों पर फूलों से खयाल को/नए साल की शुभकामनाएँ!
कोट के गुलाब और जूड़े के फूल को/ हर नन्ही याद को हर छोटी भूल को/ नए साल की शुभकामनाएँ!
उनको जिनने चुन-चुनकर ग्रीटिंग कार्ड लिखे/ उनको जो अपने गमले में चुपचाप दिखे/नए साल की शुभकामनाएँ!

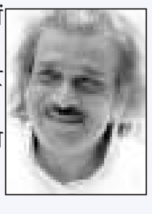

– सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

रांगेय राघव का रिपोर्ताज : 'तूफानों के बीच'

स्मरण

दिव्यानंद

हिन्दी के रिपोर्ताज साहित्य के बीच रांगेय राघव का रिपोर्ताज ह्यतूफानों के बीचह्न (फरवरी, 1946, सरस्वती प्रेस, बनारस) एक महत्वपूर्ण कृति है. यह बंगाल के अकाल के ऊपर लिखा गया है. रिपोर्ताज मूलतः फ्रेंच शब्द है. शुरू में अंग्रेजी के रिपोर्ट को इसका समानार्थी समझा जाता था लेकिन ये दोनों अलग चीजें हैं. रिपोर्ट में किसी घटना का वस्तुनिष्ठ विवरण होता और रिपोर्ताज में स्थूल वास्तविकता और तथ्यपरकता की जगह सघन अनुभूति ले लेती है. रिपोर्ट में जहां यथातथ्यता पर जोर होता है, वहीं रिपोर्ताज में तथ्यों के साथ बिना किसी छेड़छाड़ के उसे कलात्मक और साहित्यिक ढंग से प्रस्तुत किया जाता है. इसकी शुरूआत पत्रकारिता से हुई लेकिन अब यह एक स्थापित साहित्यिक विधा है.

रिपोर्ताज विधा की शुरूआत द्वितीय विश्वयुद्ध के समय हुई. द्वितीय विश्वयुद्ध के समय अलग-अलग अखबारों के व्यावसायिक संवाददाता काम कर रहे थे. और वे युद्धभूमि से रिपोर्ट भेज रहे थे. उसी समय राष्ट्रवाद के उत्साह में या मानवीयता की भावना से प्रेरित होकर कुछ साहित्यकारों ने रिपोर्ट भेजने का काम अपने हाथों में लिया और इससे रिपोर्ट की प्रकृति बदल गयी. ये कलात्मक और संवेदना में ज्यादा गहरे होते थे. साहित्यकार की रिपोर्ट और व्यावसायिक संवाददाता की रिपोर्ट के इसी अंतर से रिपोर्ताज जैसी विधा का जन्म हुआ. महादेवी वर्मा ने इस विधा के बारे में जो लिखा है उससे बात और स्पष्ट हो जाती है. वो लिखती हैं, 'रिपोर्ट या विवरण से संबंधित रिपोर्ताज समाचार युग की देन है और उसका जन्म सैनिक की खाइयों में हुआ है। रिपोर्ताज का विकास रूस में हुआ। द्वितीय विश्व युद्ध के समय इलिया एहरेनवर्ग को रिपोर्ताज लेखक के रूप में विशेष प्रसिद्धि मिली।' इसी तरह शिवदान सिंह चौहान इसके बारे में लिखते हैं, आधुनिक जीवन की द्रुतगामी वास्तविकता में हस्तक्षेप करने के लिए मनुष्य को नई साहित्यिक विधा को जन्म देना पड़ा। रिपोर्ताज उन सबमें प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण विधा है। इससे रिपोर्ताज के बारे में ज्यादा स्पष्ट नहीं होता. आलोचक की भाषा ऐसी नहीं होनी चाहिए जिससे कि धुंध बने. शिवदान सिंह चौहान की परिभाषा भले ही इस विधा को लेकर हमारी समझ साफ न करती हो लेकिन शिवदान सिंह चौहान हिन्दी के पहले आलोचक हैं जिन्होंने रिपोर्ताज विधा पर हिन्दी में आलोचनात्मक विवेचन शुरू किया. और शिवदान सिंह चौहान को ही हिन्दी का पहला रिपोर्ताज लेखक भी माना जाता है. 'लक्ष्मीपुरा' के नाम से इनका रिपोर्ताज 'रूपाभ' पत्रिका के दिसंबर, 1938 के अंक में प्रकाशित हुआ था. इनका दूसरा रिपोर्ताज 'मौत के खिलाफ जिंदगी की लड़ाई' के नाम से 1941 में 'हंस' में प्रकाशित हुआ. 'हंस' पत्रिका ने बकायदा एक स्तम्भ की शुरूआत की, 'समाचार और विचार' के नाम से. आगे चलकर इस स्तम्भ में हिन्दी के अन्य आरंभिक रिपोर्ताज छपे.

1943 में बंगाल में भीषण अकाल पड़ा था जिसमें गालिबन साठ लाख लोग मारे गये थे. अंग्रेज इतिहासकार ये संख्या पंद्रह लाख बताते हैं. बांग्ला देश के दिवंगत प्रोफेसर रफीकुल इस्लाम जो बांग्ला भाषा, साहित्य और ह्यकाजी नजरूल 'इस्लाम' के साहित्य के विशेषज्ञ थे- वे मरने वालों की संख्या साठ लाख बताते हैं. 2015 को बीबीसी को दिए अपने एक इंटरव्यू में प्रोफेसर रफीकुल इस्लाम कहते हैं कि 'लोग भूखे मर रहे थे क्योंकि ग्रामीण भारत में खाने-पीने की चीजें उपलब्ध नहीं थीं. इसलिए लोग कोलकाता, ढाका जैसे बड़े शहरों में खाने और आश्रय की तलाश में पहुंचने लगे. लेकिन वहां न खाना था, न रहने की जगह. उन्हें रहने की जगह सिर्फ.कूड़ेदानों के पास ही मिल रही थी, जहां उन्हें कुत्ते-बिल्लियों से संघर्ष करना पड़ता था ताकि कुछ खाने को मिल जाए. रफीकुल इस्लाम का बयान इसलिए मायने रखता है कि वे स्वयं और उनका परिवार उस कथित अकाल का भुक्तभोगी रहा है. ये अपने भाई-बहनों में सबसे बड़े थे; इसलिए ये हर उस जगह पर भागते फिरते थे जहां उन्हें कुछ खाना मिल जाने की उम्मीद होती.

1946 में जब रांगेय राघव का यह रिपोर्ताज आया, उस समय उनकी अवस्था महज 23 वर्ष की थी. रांगेय राघव चाहते तो अखबार की खबरों के आधार पर कहानी, उपन्यास या कविता लिख कर या अपने शहर आगरे या कस्बे वैर में बैठे-बैठे बंगाल के अकाल पर अपीलें निकालकर या ऐसी अपीलों पर दस्तखत करके अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ लेते लेकिन वे अपने सुरक्षित और परिचित दायरों से बाहर निकले. वे नौजवान डॉक्टरों के एक मेडिकल मिशन के सदस्य बनकर उस विभीषिका से जूझने और उस लपट में झुलसने वालों की सेवा करने पूर्वी बंगाल (अब के बांग्लादेश) गए. आगरे से गए नवयुवक डॉक्टरों के इस मेडिकल मिशन में रांगेय राघव वाहिद 'नॉन मैडिको पर्सन' थे. इस मिशन ने तब के बंगाल के 'कुष्टिया', जिला नादिया, 'नारायणगंज', जिला ढाका और ह्यचटगांवह्न का दौरा किया और वहां दिनों-दिनों तक कैंप किया. सेवा-सहायता के इस मिशन से गुजरते हुए रांगेय राघव ने पूर्वी बंगाल में जो कुछ देखा और जिसने उन्हें मर्माहत कर दिया, उसे उन्होंने ह्यतूफानों के बीचह्न के आठ रिपोर्ताज में संकलित कर दिया. रांगेय राघव ने वहां देखा कि 'लोग भूख से दम तोड़ रहे थे, जो नहीं मरे थे वे दूसरों के मरने का इंतजार इसलिए कर रहे थे कि अब मरने वालों के हिस्से का भात उन्हें मिल जाएगा. ह्यबुभुक्षितं किं न करोति पापम्ह्न की उक्ति बहुत हल्की लगने लगती थी उस चितकारपूर्ण वातावरण में जहाँ मांस में से दुर्गंध आ रही है। विषैला धुआं मेरी आँखों में लग रहा है। कलकत्ता एक बूचड़खाना है, जहाँ भूख और गरीबी मनुष्य की बलि चढ़ा रही है...बाजार में चिड़िया तक के लिए दाना चावल नहीं था...माँ बेटी को देखती थी, पति पत्नी को देखता था किंतु कोई राह न थी। घर खाली थे, बाजार खाली थे। चारों ओर प्राणों की ममता दोनों हाथ उठाकर हाहाकार कर रही थी। लोग घरों में मरते थे, बाजार में मरते थे, राह में मरते थे. बंगाल का सामाजिक जीवन कच्चे कगार पर खड़ा होकर काँप रहा था।'

रांगेय राघव अपने साथ बंगाल से जो त्रासद और वीभत्स अनुभव लेकर लौटे उसने उन्हें ता-जिन्दगी परेशान किया; जैसे कोई अदृष्ट काली छाया उनका पीछा करती रही हो. उन्होंने बंगाल से लौटने के बाद इस भयावह विभीषिका को अपनी अनेक कविताओं, कहानियों और 'विषादमठ' जैसे उपन्यास के माध्यम से चित्रित किया. 1882 में बंगाल से निकले 'आनन्द मठ' का विपर्यय 1946 के 'तूफानों के बीच' से पूरा होता है. सृजन की दुनिया में विडंबनाएं कई बार ऐसे भी साक्षात होती हैं. लिखने के अलावा रांगेय राघव ने अपनी तूलिका से बड़े-बड़े पोस्टर और चित्र बनाए. उन्हें जगह-जगह प्रदर्शित किया. इसी विषय पर मंचन योग्य नाटक लिखा, जिन्हें 'इप्टा' (भारतीय जन नाट्य संघ) के रंगकर्मियों ने गलियों-सड़कों-चौक-चौराहों पर अभिनीत किया. इस तरह 'रांगेय राघव के यहां हमें बंगाल का कथित अकाल एक ऐसे विषय के रूप में मिलता है जिसे उन्होंने कई एक विधाओं में संभव किया. रिपोर्ताज उनमें से बस एक है.

अब तक उस कथित अकाल पर बहुत सारा प्रामाणिक अध्ययन-विश्लेषण आ चुका है और उससे यह तथ्य अब स्थापित है कि वह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं थी. वह मानवनिर्मित आपदा थी. ग्रामीण इलाकों में खाद्य पदार्थ की कमी सिर्फ.इसलिए नहीं हो गयी थी कि फसल बर्बाद हो गई थी बल्कि इसलिए भी क्योंकि एक जगह उपलब्ध अनाज या रसद को दूसरी जगह नहीं जाने दिया जा रहा था. औपनिवेशिक शासन ने ये बंदोबस्त किया था कि अनाज या खाद्य भण्डार की आवाजाही सिर्फ उन्हीं जगहों पर हो जहां शासन के कारिंदे द्वितीय विश्वयुद्ध से उपजी अव्यवस्था और डर से जूझ रहे थे. अन्यथा ऐसा कैसे संभव था कि कोलकाता (तब कलकत्ता) की फौजी छावनी में सेना के लिए खाद्य पदार्थों का अतिरिक्त स्टॉक था लेकिन उसी बंगाल के ग्रामीण इलाकों में लोग दाने-दाने के लिए दम तोड़ रहे थे. औपनिवेशिक शासन ने उस समय अनाज की आवाजाही को इसलिए भी प्रतिबंधित किया क्योंकि शासन को भय था कि कहीं यह जापानियों के हाथों में न पड़ जाएं. इतना ही नहीं 1943 के पूरे साल ब्रिटेन और उन जगहों पर जहां फौज ब्रिटेन के लिए लड़ाई लड़ रही थी, भारत से खाद्य सामग्री को भेजा जाता रहा. ब्रिटेन अपनी हार-जीत की चिंता में हलकान हो रहा था; बाकी बंगाल के लोगों पर क्या बीत रही थी इसकी किसी को परवाह नहीं थी.

इस लेख में मैंने कई बार अकाल शब्द का प्रयोग किया है क्योंकि उसे एक ऐतिहासिक संदर्भ बना दिया गया है लेकिन ये शब्द सही नहीं है. वह अकाल नहीं, उत्पन्न किया अकाल था. अकाल कहने से तब के ब्रिटेन के सदर 'विंस्टन चर्चिल' का जघन्य और ऐतिहासिक अपराध छिप जाता है. हमें उसे उजागर रखना चाहिए. अपनी स्मृति में बनाये रखना चाहिए; इसलिए उसे जनसंहार कहना और मानना चाहिए. इसे रांगेय राघव ने साफ-साफ पहचाना था और इसी रिपोर्ताज में लिखा भी है, 'युग-युग तक संसार को याद रखना पड़ेगा कि एक दिन मनुष्य के स्वार्थ और असाम्य के कारण गुलामी और साम्राज्यवादी शासन के कारण बंगाल जैसी शस्य श्यामला भूमि में भी मनुष्य को भूख से दम तोड़ना पड़ा था...'

'कारवां', 'बीबीसी', रांगेय राघव और अन्य स्रोतों से बंगाल के उस जनसंहार के चित्रों के जो संदर्भ उपलब्ध होते हैं- उसकी संगति में रांगेय राघव के लिखे 'तूफानों के बीच' को पढ़ने के बाद हमें पता चलता है कि 23 वर्ष के उस युवक ने एक बड़ी चुनौती अपने हाथ में ली और बंगाल की पीड़ा को हिंदीभाषी संसार तक पहुंचाया.

इस दौरे पर जब रांगेय राघव और उनकी टीम शिद्धिरगंज पहुंची तो उन्होंने देखा कि 'सामने एक टूटा घर था- भग्न, विध्वस्त; मानो तूफान में उसका वैभव नष्ट हो गया था और उसके सामने केले के पेड़ों की शीतल और मनोरम छाया में चौदह कब्रें आंखें मूंदे पड़ी थीं. एक लड़का जो वही बैठा एक आम की गुठली का सब कुछ खा जाने में लगा था। महाचार्य कहने लगे...बाहर से तुम्हारी तरह बहुत से लोग आते हैं. हम चाहते हैं तुम यहाँ की एक-एक कब्र से बात करो और हिंदुस्तान के कोने-कोने में जाकर कहो कि जिस ढाके की मलमल एक दिन शहंशाह पहनते थे, आज वहाँ जुलाहे चूहों की तरह मर रहे हैं, बोलो, सुना सकोगे संसार को यह?'

रांगेय राघव ने वहां यह भी देखा कि कई भारतीय सेठ-साहूकार बंगाल की जनता को लूटने में लगे हैं. वे छल से औने-पौने दाम में लोगों की जमीने हथिया रहे हैं. उनका घर खरीद रहे हैं. औरतों को खरीद रहे हैं. शोषक महाजनों ने चावल के दाने के बदले भूख से मर रही जनता के साथ उनकी इज्जत का सौदा किया. आपदा में अवसर का यह उस वक़्त का संस्करण था जिसमें अंग्रेजी शासन और उसके पिट्ठू साहूकारों ने बंगाली जनता को वेश्या, भिखारी और तड़पते-मरते-घरघराते पशु में बदल दिया था.

इस रिपोर्ताज से गुजरते हुए हमें साम्प्रदायिक वैमनस्य के भयावह प्रमाण मिलते हैं. रांगेय राघव बताते हैं कि उन्हें लगता था कि मौत आदमी की जात या धर्म को नहीं पहचानती. जिंदा रहते हुए तो हिंदू और मुसलमान एक-दूसरे से घृणा और द्वेष रखते ही थे लेकिन इस दुर्दिन की घड़ी में भी उनका पारस्परिक वैमनस्य और भेदभाव न केवल बना हुआ था बल्कि वह और घृणित हो गया था. हिन्दुओं की अपनी रिलीफ कमिटी थी, मुसलामानों की अपनी. उनके फंड भी इसी तरह अपने ही लोगों पर लगाने के लिए थे. इन बातों की पुष्टि हमें उस घटना के पीड़ित रहे प्रोफेसर रफीकुल इस्लाम से भी मिलती है. वो कहते हैं कि इंसान को भगवान की सबसे शानदार रचना कहा जाता है लेकिन मेरे हिसाब से अकाल या युद्ध के दौरान यह भगवान की सबसे बुरी रचना बन गया था. उस दौरान हम जानवर बन गए थे.

रिपोर्ताज एक मुश्किल विधा है. इसका एक प्रमाण ये है कि ये कम लिखे गये हैं और हमारे पास रिपोर्ताज लेखक ज्यादा नहीं हैं. ऐसे में रांगेय राघव का 'तूफानों के बीच' रिपोर्ताज एक मिसाल है. और इस मिसाल के बारे में घनश्याम अस्थाना ने लिखा है, 'रांगेय राघव के रिपोताजों को पढ़कर ऐसा लगता है जैसे लेखक कई भूमिकाएँ एक साथ अदा कर रहा हैः वह एक चलता फिरता इश्तहार है, वह शहर में घूमता हुआ एक आईना है...वह एक मोबाइल हॉस्पिटल और एम्बुलेंस यूनिट है. कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि वह क्या नहीं है, और कहाँ नहीं है?'

(विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, संपर्क 8332997175)

1882 में बंगाल से निकले 'आनन्द मठ' का विपर्यय 1946 के 'तूफानों के बीच' से पूरा होता है. सृजन की दुनिया में विडंबनाएं कई बार ऐसे भी साक्षात होती हैं. लिखने के अलावा रांगेय राघव ने अपनी तूलिका से बड़े-बड़े पोस्टर और चित्र बनाए. उन्हें जगह-जगह प्रदर्शित किया. इसी विषय पर मंचन योग्य नाटक लिखा, जिन्हें 'इप्टा' (भारतीय जन नाट्य संघ) के रंगकर्मियों ने गलियों-सड़कों-चौक-चौराहों पर अभिनीत किया. इस तरह 'रांगेय राघव के यहां हमें बंगाल का कथित अकाल एक ऐसे विषय के रूप में मिलता है जिसे उन्होंने कई एक विधाओं में संभव किया.

जीवन की त्रासदी के यथार्थ का जीवंत खाका है: 'कैसे-कैसे लोग'

समीक्षा

विजय राय

उत्तर प्रदेश सरकार से सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अवधेश कुमार श्रीवास्तव किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उनका नाम लखनऊ के साहित्यिक हलके में बड़े अदब के साथ लिया जाता है।उनके अब तक तीन कविता संग्रह, तीन कहानी संग्रह जिनमें एक सम्पादित और कतिपय अपरिहार्य महत्व के अनुवाद कार्य के साथ एक उनकी लिखी अंग्रेजी कविताओं का संग्रह भी प्रकाशित है। विंसेंट वॉन गाग की जीवनी 'लस्ट फॉर लाइफ' में लिखा गया है कि 'आदमी इस दुनिया में सिर्फ.खुश होने नहीं आया है। वह ऐसे ईमानदार बनने को भी नहीं आया है।वह पूरी मानवता के लिए महान चीजें बनाने के लिए आया है।वह उदारता प्राप्त करने को आया है।वह उस बेहूदगी को पार करने आया है,जिसमें ज्यादातर लोगों का अस्तित्व घिसटता रहता है।'

अवधेश कुमार श्रीवास्तव किसी खेमे के लेखक नहीं हैं। उनकी विचारधारा मानवतावादी और जनहितेषणा से परिपूर्ण है।मानवीय ऊष्मा से लबरेज वे सच्चे अर्थों में एक तरक़्क़ीपसन्द गल्पकार और कवि हैं।उनका लेखन शौकिया कतई नहीं हैं।उनकी रचनाओं के किरदार इंसानी ज़िन्दगी से आते हैं।यथार्थ को जिस खूबी से वे अपनी कलम के जरिये उकेरते और चित्रांकित करते हैं, वह हिन्दी के पाठकों पर लम्बे समय तक गहरा असर डालता रहा है।उनका अपना अर्जित पाठक-वर्ग है।उन्होंने अपनी कलम की ताकत से एक अद्भुत दुनिया रची है।लिखना उनके लिए जीवनदायिनी खुराक की तरह है, जिससे ज़िन्दगी की तमाम मुश्किलों एवं पेचीदगियों को वे बड़ी आसानी से हल भी करते हैं।वे भाषा के धनी तो हैं ही, किस्सागोई में भी उनका कोई जवाब नहीं।

'कैसे-कैसे लोग' के लेखक का कहना है कि 'इस उपन्यास में विभिन्न वर्ग के लोगों का सजीव चरित्र-चित्रण किया गया है।कुली, टेम्पो- चालक, दफ़्तर के बाबू से लेकर ऐसे भद्र पुरुष और महिलाओं तक का भी चित्रांकन है,जिनके अलग-अलग कई रूप हैं।युवावस्था में हर व्यक्ति में कुछ न कुछ बनने और कुछ न कुछ कर गुजरने एवं वांछित को हासिल करने की ललक होती है।उसका अपना बुना एक सपना होता है, किन्तु जरूरी नहीं कि वह अपना लक्ष्य हासिल कर ही ले।दरअसल रास्ते में तमाम तरह की रुकावटें और अप्रत्याशित एवं अवांछित आकर्षण आते हैं, जो उसे उसके रास्ते तथा मकसद से भटका देते हैं।इन तमाम कठिनाइयों का सामना करने के लिए एकाग्रता, दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता की निहायत जरूरत होती है, जिसके बिना गंतव्य तक पहुँचना बहुत मुश्किल होता है।इस उपन्यास में ऐसे चरित्र भी हैं, जो अपने लक्ष्य तक कभी पहुँच ही नहीं सके और कुछ ऐसे भी हैं जो लक्ष्य तक पहुँचे तो पर उन्हें बहुत कुछ खोना तथा त्यागना पड़ा।'

आज संचार क्रान्ति और मुक्त बाजार ने भारतीय जीवन को अनेक कोणों से प्रभावित किया है।इससे बाजार में प्रॉडक्ट्स की उपलब्धता बढ़ी और हर सामान के कई कई विकल्प हो गये। विकल्पों की बाढ़ और वस्तुओं की उपलब्धता ने केवल नागरिकों की जीवन-शैली में ही परिवर्तन नहीं किया, वरन इसने लोगों के विचारों में भी व्यापक बदलाव किया।बाजार के साथ विज्ञापनी- संस्कृति का भी प्रचार-प्रसार बढ़ा।बाद में उसमें आक्रामकता भी बढ़ी। इस आक्रामक विज्ञापनी संस्कृति ने विचार और व्यवहार को काफी बदला है।इन बदलावों के साथ संचार माध्यमों के प्रसार ने बदली जीवन प्रणाली को तीव्रता से भर दिया।इस तीव्रता ने पुनः जीवन और समाज में पनप रही प्रवृत्तियों में परिवर्तन की गति को और भी ज्यादा परिवर्तनशील बना दिया।गति की इस तीव्रता ने सामाजिक प्रवृत्तियों, निर्मितियों में परिवर्तन की गति को भी तीव्रतम कर दिया।समाज में बदलाव दस पाँच वर्षों के अन्तराल पर भी महसूस किया जाने लगा, जबकि पहले एक ही प्रवृति कई कई वर्षों तक हमारे समाज में प्रचलित रहती थी।भूमंडलीकरण के कारण यद्यपि यथार्थ का आकार-प्रकार बदला है।बाजार का प्रभुत्व यद्यपि बढ़ा है पर कथा साहित्य का चरित्र केवल बाजारोन्मुखी ही नहीं है , उसमें बाजार का विरोध भी है, बिसराये जा रहे सरोकार भी हैं, वंचित जनों की सुधि भी है और अपनी अस्मिता एवं संस्कृति के प्रति प्रगतिशील नजरिया भी है।मुझे पूरी उम्मीद है कि अवधेश कुमार श्रीवास्तव सरीखे कथा लेखकों के चलते भविष्य में इसकी पहचान और अधिक व्यापक बनेगी।

प्रसंगात 'कैसे-कैसे लोग' का ब्लर्ब गौरतलब है।उसमें जो लिखा है उसका लब्बोलुबाब ये है कि-'जीवन में प्रायः वह नहीं होता जैसा मनुष्य प्लान करता या सोचता है।सारी खूबियों के बाद भी कुछ लोगों को जीवन भर संघर्ष करना पड़ता है।आर्ष ग्रन्थों में इसे नियति कहा गया है।नियति या भवितव्य के सम्मुख मनुष्य असहाय हो जाता है।मानस में तुलसी ने कहा है -सबहिं नचावत राम गुसाँई।पुरुषार्थवादी इसे सच नहीं मानते पर जीवन का लम्बा अनुभव अंततः उन्हें भी सिखा देता है कि मनुष्य संचालक सत्ता के हाथों की कठपुतली मात्र है।इस विश्वास को प्रस्तुत उपन्यास में मध्यम परिवारों के जीवन संघर्ष में चरितार्थ होते दशार्या गया है ।कथानायक जीवन भर तमाम चेतना लेकर बस संघर्ष ही करता है और एक दिन संसार छोड़ देता है।संवेदना ही इस उपन्यास का मुख्य आकर्षण है।लेखक ने जीवन की त्रासदी का जो खाका इसमें खींचा गया है वह पाठकों को अंत तक बाँधकर रखता है, उन्हें हिलने नहीं देता।'

आज हम जिस कठिन और चुनौतीपूर्ण समय में अपने वजूद को बचाकर मनुष्य और मनुष्यता की संरक्षा करने में लगे हैं, उसका रास्ता साहित्य और उसके अन्य सहायक अनुशासनों से होकर गुजरता है।बेहतर मनुष्य के निर्माण में साहित्य और दूसरे सृजनात्मक अनुशासनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।वह मनुष्य को न केवल आलोकित करता है बल्कि उसमें तर्क की क्षमता का विकास कर उसे प्रगतिशील भी बनाता है।ऱकैसे-कैसे लोगऱ अवधेश कुमार श्रीवास्तव का अभी पहला ही उपन्यास है।वे सचमुच एक दृष्टि-सम्पन्न कथा लेखक है।भाषा और शिल्प के नजरिए से वे एक बड़े पाठक वर्ग के भीतर बेहद लोकप्रिय हैं।इस उपन्यास की पठनीयता निश्चय ही इसे एक बड़े पाठक वर्ग तक ले जाकर उपन्यासकार के यश में वृद्धि करेगी।ooo

उपन्यास का नामः कैसे-कैसे लोग
उपन्यासकारः अवधेश कुमार श्रीवास्तव
प्रकाशकः अवनी पब्लिकेशंस,नईदिल्ली-110046
मूल्यः ?650/-

(लेखक लमही के प्रधान संपादक हैं, संपर्क 94545 01011)

इन बदलावों के साथ संचार माध्यमों के प्रसार ने बदली जीवन प्रणाली को तीव्रता से भर दिया।इस तीव्रता ने पुनः जीवन और समाज में पनप रही प्रवृत्तियों में परिवर्तन की गति को और भी ज्यादा परिवर्तनशील बना दिया।गति की इस तीव्रता ने सामाजिक प्रवृत्तियों, निर्मितियों में परिवर्तन की गति को भी तीव्रतम कर दिया।

प्रवर्तन दल ने सड़क और पटरी खाली करवाया

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। नगर निगम प्रवर्तन दल ने शनिवार को शहर के कई इलाकों में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। टीम ने लंका क्षेत्र स्थित मालवीय चौराहे के चारों तरफ मार्गों पर अतिक्रमण अभियान चलाते हुए सड़क और पटरी खाली करवाई, साथ ही यातायात पुलिस द्वारा सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों का चालान किया गया, वही बगैर नंबर प्लेट लगी एक वाहन को जब्त कर कार्रवाई की गई।

राज घाट से जैन घाट, निषाद राज घाट से पंच कोट घाट होते हुए प्रभु घाट तक भ्रमण कर अस्थाई अतिक्रमण (काउन्टर, चौकी, झुग्गियाँ और चूल्हे आदि) हटवाकर घाटों को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। इसी क्रम में हरिश्चंद्र घाट मार्ग से बेतरतीब ढंग से खड़े किए गए वाहनों को हटवाकर मार्ग खाली करवाया गया। इस दौरान अवैध स्टैंड संचालकों को सख्त चेतावनी देते हुए दस्तावेजों के साथ नगर निगम कार्यालय बुलाया गया। अभियान के दौरान सड़क और पटरी पर लावारिस हालत में रखे हुए एक गाड़ी अतिक्रमित सामान जब्त की गई। अतिक्रमण किए कुछ दुकानदारों का अतिक्रमित सामान हटवा कर 2,000 रुपये जुर्माना राशि वसूल किया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत

जंसा। स्थानीय क्षेत्र के दीनदासपुर गांव में शनिवार की शाम एक आम के पेड़ के निकट राष्ट्रीय पक्षी मोर मृत पड़ा मिला। गांव के दूधनाथ पटेल खेत से घर लौट रहे थे उसी दौरान उनसी नजर मृत मोर पर पड़ी। उनकी सूचना पर क्षेत्रीय वन अधिकारी दिवाकर दुबे मौके पर पहुंचे। उन्होंने मोर की स्थिति देखकर आशंका व्यक्त की कि शायद ठंड लगने से मोर की मौत हो गयी या खेतों में छिड़के दये किसी दवा का सेवन कर लेने से भी उसकी मृत्यु से इनकार नहीं किया जा सकता। वास्तविकता का पता मोर का पोस्टमार्टम कराने के बाद प्राप्त होने वाली रिपोर्ट से ही संभव है। श्री दुबे ने मोर को पोस्टमार्टम के लिए सारनाथ स्थित राजकीय पशु चिकित्सालय भेज दिया।

दो से सात घंटे देरी से चली ट्रेनें

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। कोहरा के चलते ट्रेनों की रफ्तार पर शनिवार को भी ब्रेक लगा, कैंट स्टेशन पर पहुंचने वाली ट्रेनों में तीन से चार घंटे की देरी देखी गयी। प्लेटफार्म पर ट्रेनों के इंतजार में बैठे लोग दिन भर पूछताछ काउंटर के चक्कर लगाते रहे।

पूछताछ काउंटर के अनुसार शनिवार को कैंट स्टेशन पर देर से पहुंचने वाली ट्रेनों में पंजाब मेल तीन घंटे, सदभावना एक्स्प्रेस साढ़े छह घंटे, फरक्का एक्स्प्रेस साढ़े चार घंटे, हिमगिरि एक्स्प्रेस पांच घंटे, श्रमजीवी एक्स्प्रेस छह घंटे देरी से रवाना हुई, दून एक्स्प्रेस साढ़े तीन घंटे, बेगमपुरा एक्स्प्रेस चार घंटे, दुर्ग नौतनवां साढ़े तीन घंटे, कोटा पटना एक्स्प्रेस ढाई घंटे, गंगा सतलज एक्स्प्रेस साढ़े छह घंटे, कोलकाता एक्स्प्रेस तीन घंटे, गोंदिया बरौनी तीन घंटे, बरौनी गोंदिया डेढ घंटे, महामना एक्स्प्रेस साढ़े छह घंटे लेट आई, न्यू तीनसुखिया एक्स्प्रेस ढाई घंटे, बरकाकाना-वाराणसी मेमू सवा तीन घंटे से चलती रही।

संक्षेप

रिटायर होने के बाद भी करेंगे युवाओं का मार्गदर्शन

चांदमारी। नेहरू युवा केंद्र संगठन यानि एनवाईकेएस के लेखाकार रामचंद्र मौर्य शनिवार को रिटायर हुए। इस अवसर पर अर्दली बाजार क्षेत्र के भुवनेश्वर नगर कॉलोनी स्थित विभागीय कार्यालय में उनका विदाई समारोह आयोजित किया गया। अस मौके पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद कार्यक्षेत्र का दायरा बढ़ जाता है। उम्मीद है कि रामचंद्र अपने रिटायरमेंट के दौरान अपने ढंग से युवाओं का मार्गदर्शन करते रहेंगे। आयोजन में विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक संजय सिंह, पूर्व उपनिदेशक कमलेश दुबे, पूर्व जिला युवा समन्वयक अनिल चतुर्वेदी, जिला युवा अधिकारी निखिल गुप्ता, उपनिदेशक अनिल कुमार सिंह, जिला परियोजना अधिकारी ऐश्वर्या मिश्रा, विजय बहादुर यादव, राजकुमार मिश्रा आदि ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में कुर्बान अली, इंद्रजीत यादव, ईश्वरचंद पटेल, दर्शन निषाद, साधु, दिनेश यादव गायक, निर्भय नारायण सिंह आदि भी रहे।

स्वास्थ्य एवं पोषण मेले में किया जागरूक

पिंडरा। स्थानीय क्षेत्र के मीराशाह, खरुआपर एवं रायतारा में शनिवार को स्वास्थ्य एवं पोषण मेला लगा। उसमें गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा किशोरियों को साफ-सफाई, स्वच्छता और बेहतर स्वास्थ्य के लिए पोषण के मुहत्व की जानकारी दी गयी। चाइल्ड राइट्स एंड यू संस्था के सहयोग से बाल विकास परियोजना विभाग का यह कार्यक्रम था। तीनों बस्तियों में अलग-अलग लगे इन मेलों में जच्चा-बच्चा की सेहत की देखभाल आदि के बारे में जानकारी दी गयी। वहीं, जनमित्र न्यास एवं मानवाधिकार जननिगरानी समिति के मंगला राजभर ने कुपोषण के प्रति जागरूक करते हुए सुरक्षित व स्वास्थ्यकर खानपान के बारे में बताया। आयोजन में संजय राजभर, विनोद कुमार, गीता मौर्य, आंगनबाड़ी कार्यकत्री विजयलक्ष्मी तथा अनिता देवी ने बच्चों की पोषण मैपिंग की जानकारी दी।

लालजी एकादश ने गर्दे एकादश को बड़े अंतर से हराया

वाराणसी। 'प्लेयर ऑफ द मैच' रविकर दुबे (5-11) की मारक गेंदबाजी के दम पर लालजी एकादश ने सिगरा स्टेडियम में खेली जा रही 35वीं कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार को गर्दे एकादश के खिलाफ 89 रनों के बड़े अंतर से जीत की। काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब के बैनर तले आनन्द चंदोला खेल महोत्सव में लालजी एकादश ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में छह विकेट पर 133 रन बनाये। संदीप शुक्ल ने 41 (48 गेंद, चार चौके) व रविकर दुबे ने 14 रनों का अंशदान किया। उत्पल कांत और अभिषेक मिश्र ने दो-दो विकेट चटकाये। जवाब में गर्दे एकादश की टीम वामहस्त स्पिनर रविकर की अचूक गेंदबाजी के सम्मुख 13 ओवरों में 44 रनों पर ही धराशायी हो गयी। रविकर के अलावा चन्द्रप्रकाश ने तीन तथा नरेन्द्र ने दो विकेट हासिल किए। आरपी गुप्त और चन्द्रप्रकाश ने इस मैच में अम्पायरिंग की तथा नन्द किशोर यादव ने स्कोरर की भूमिका निभायी। दो जनवरी को ग्रुप ए में हृदय प्रकाश एकादश और विद्याभास्कर एकादश के बीच पूर्वाह्न 10 बजे से मुकाबला खेला जाएगा।

सेवानिवृत्त एडीओ को दी विदाई

वाराणसी। चोलापुर विकास खंड में तैनात रहे कृषि विभाग के सहायक विकास अधिकारी शिवदास शनिवार को सेवानिवृत्त हो गये। इस अवसर पर विकास भवन स्थित महकमे के कार्यालय में उन्हें भावभीनी विदाई दी गयी। इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी संगम सिंह मौर्य, जिला कृषि रक्षा अधिकारी राजेश कुमार राय, प्रधान सहायक दिनेश कुमार सिंह, वरिष्ठ सहायक अरविंद श्रीवास्तव और अनिल सिंह शिवदास के कार्यकाल को याद करते हुए विभिन्न अवसर पर उनके स्तर पर किये गये विशेष प्रयासों को सराहा।

पिंडराई में खुली लाइब्रेरी

पिंडरा। स्थानीय विकास खंड के पिंडराई गांव में शनिवार को पुस्तकालय का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख धर्मेंद्र विश्वकर्मा ने फीता काटकर लाईब्रेरी का आगाज किया। उन्होंने कहा पुस्तकालय का निःशुल्क लाभ आम ग्रामीणों समेत विद्यार्थियों को मिलेगा। कार्यक्रम में रवि सिंह, ग्राम प्रधान उषा पटेल, मृत्युंजय सिंह, राजेंद्र पटेल, रामजग पटेल, सचिव डबलू यादव तथा रोजगार सेवक आशीष पाल आदि भी रहे। इस अवसर पर पीपल का पौधा भी रोपा गया।

नये साल के अंतिम दिन लीलाधर की सजी अलौकिक झांकी

वाराणसी। लक्सा स्थित श्री श्याम मंदिर में आज शनिवार को साल के अंतिम दिन शनिवार को नए साल के आगमन पर श्री श्याम मण्डल द्वारा बड़े उत्साह के साथ प्रभु का आशीर्वाद लेकर उत्सव मनाया गया। रंग बिरंगे फूलों से लीलाधर की भव्य झांकी सजाई गई जिसे भक्त दर्शन करके नेहाल हो गये। संस्था के अध्यक्ष दीपक बजाज मंत्री अजय खेमका के साथ भक्तों ने भजन संध्या में संदीप शर्मा कानू राजेश तुलस्यान प्रवीण माखरिया श्याम सुन्दर गाड़ोदिया अशोक कनोडिया ने भजन गणेश वंदना से प्रारंभ किया। भजनों पर भक्तजन झूमते नाचते रहे मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों से वह गेंदे व रंग बिरंगे फूलों से सजाया जो अद्भुत लग रहा था लोगों को प्रभु को छप्पन भोग का प्रसाद लगा भक्तों में वितरण हुआ । नये वर्ष की एक दूसरे को बधाइयां दी। रात्रि में प्रभु की आरती मंदिर के पुजारी संजय ने उतारी। संयोजन में जय प्रकाश गाड़ोदिया, दीपक बजाज अजय खेमका सुरेश तुलस्यान राजेश तुलस्यान चन्दन तोदी प्रमोद बजाज दीपक तोदी का सहयोग रहा ।

शालिनी वेद ने गंगा तट पर गायन से किया मंत्रमुग्ध

अस्सी घाट पर सुबह-ए-बनारस का आयोजन

वाराणसी। असि घाट पर गतिमान नियमित आयोजन सुबह- ए- बनारस का आध्यात्मिक सांस्कृतिक संकल्प प्रातः काल ब्रह्ममुहूर्त में वैदिक मंत्रोचारण से प्रारंभ हुआ। सप्त आरती और यज्ञ के उपरांत प्रभाती कार्यक्रम में कानपुर से पधारी कलाकार व प्रख्यात गायिका स्व. गिरजा देवी की शिष्या श्रीमती शालिनी वेद का गायन हुआ । उनके साथ डॉ अमित ईश्वर (तबला) एवं कुमार विक्की (हारमोनियम) अनीष कुमार मिश्र का (सारंगी) पर संगत की। गायन का आरंभ राग भैरवी में मध्य तीनताल में निबद्ध गंगा स्तुति से हुआ। बोल थे त्रिविध ताप हरणी पाप। इसके उपरांत मध्य तीनताल में निबद्ध रचना से आनंदित करते हुए गायन का समापन किया। बोल थे। नजर लागी। कलाकार को प्रमाणपत्र सेक्रेटरी राज्यपाल मेघालय श्री ब्रह्मदेव राम तिवारी तथा उनकी धर्मपत्नी आई ए एस श्रीमती पूजा पांडेय ने प्रदान किया। अतिथियो को अंगवस्त्रम एवं स्मृति पत्रिका प्रदान कर सुबह- ए- बनारस के संस्थापक सचिव डॉ रत्नेश वर्मा ने सम्मानित किया। संचालन डॉ प्रीतेश आचार्य व स्वागत अजय गुप्ता ने किया।

खेल, व्यवसाय व उद्योग के क्षेत्र में नए साल में बेहतर परिणाम दिखेगा

प्रयास

जनपदवासियों को डीएम व एसपी ने दी नववर्ष की बधाई

नववर्ष में विकास के नए क्षितिज को छुएगा भदोही

जनसंदेश न्यूज

जिलाधिकारी गौरांग राठी

ज्ञानपुर। कालीन नगरी में खेल, व्यवसाय व उद्योग के क्षेत्र में बेहतरी के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रयास जारी रहेगा। नव वर्ष में इन क्षेत्रों में बेहतर परिणाम देखने को मिलेगा। नए साल की पूर्व संध्या पर शनिवार को जिलाधिकारी गौरांग राठी ने जनपदवासियों को शुभकामनाएं दिया

जिलाधिकारी ने बताया कि पूरा जिला प्रशासन नागरिकों की सेवा के लिए बेहतर प्रशासन देने के लिए कटिबद्ध हैं। जनसंदेश टाइम्स से बातचीत के दौरान डीएम गौरांग राठी ने कहा कि चाहे शिक्षा व स्वास्थ्य सम्बन्धित मुद्दे हो या कोविड के सम्भावित खतरे की बात हो इन सभी बिंदुओं पर हमारी तैयारी दुरुस्त हो। जनसुनवाई व नागरिकों की समस्याओ के बेहतर निस्तारण के सम्बन्ध में जिला प्रशासन कटिबद्ध रहेगा। प्रशासन पूरे तन, मन, धन से कोशिश करेगा कि बेहतर परिणाम दे पाए। डीएम ने जिले के सभी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि जनपदवासी कंधे से कंधा मिलाकर प्रशासन का सहयोग करें, जिससे गुड गवर्नेन्स और सुशासन का एक मापदण्ड जिसमे कॉमन गवर्नेन्स की तरह भदोही में बेहतर माहौल बना कर काम करे जिसमे नागरिकों का योगदान अतिमहत्वपूर्ण हैं। नया साल सभी जनपद वासियों में राष्ट्र प्रेम, आपसी भाईचारा एवं सुख समृद्धि लाए, साथ ही नये साल में जनपद विकास की नई इबारत लिखें और नूतन वर्ष नए संकल्पों के कार्य सिद्धि हेतु प्रेरणा व उत्साह प्रदान करेगा।

एसपी ने जनपद वासियों को दी नववर्ष की बधाई

पुलिस अधीक्षक डॉ.अनिल कुमार ने जनपद वासियों को नये साल की पूर्व संध्या पर अपनी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि पुलिस के प्रयासों और आप सब के सहयोग से जनपद में शांति व कानून व्यवस्था, अमन चैन कायम रहेगी। उन्होने समस्त जनपद वासियों से अपील भी किया है कि नव वर्ष की पूर्व संध्या पर एवं नये साल को शांतिपूर्ण ढंग से मनायें और शान्ति व्यवस्था को भी बनाये रखने में सहयोग करें।

रोजगार मेला चार को

ज्ञानपुर। जिला सेवायोजन अधिकारी शिवानी ने बताया कि बेरोजगार अभ्यर्थियो को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान फत्तुपुर भदोही के संयुक्त तत्वावधान में 4 जनवरी को प्रातः 10 बजे से रोजगार मेला का आयोजन एमबी एण्ड संस प्राइवेट आईटीआई सिंघापुर सारीपुर बाबूसराय औराई में किया जायेगा। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु अभ्यर्थियो को सेवायोजन पोर्टल पर पंजीयन करने के उपरांत आनलाइन आवेदन भी करना अनिवार्य है। अभ्यर्थी साक्षात्कार के समय अपने बायोडाटा के साथ समस्त मूल प्रमाण पत्रो की छाया प्रति अवश्य लाये।

सेवानिवृत्त होने पर सीडीओ भानु प्रताप सिंह को दी गयी विदाई

सम्मान

सेवा काल के दौरान सीडीओ ने जनपद के विकास में नये प्रतिमान स्थापित किए: डीएम

जनसंदेश न्यूज

सेवानिवृत्त होने पर सीडीओ भानु प्रताप सिंह को स्मृती चित्र भेंट करते बीएसए भूपेंद्र नारायण सिंह

भदोही। मुख्य विकास अधिकारी भानु प्रताप सिंह अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर शनिवार को सेवानिवृत्त हो गये। अपर जिलाधिकारी न्यायिक व अपर पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में विकास भवन परिसर में भव्य विदाई व सम्मान समारोह आयोजित कर विदाई दी गयी।

जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि सेवा काल के दौरान मुख्य विकास अधिकारी भानु प्रताप सिंह ने जनपद के विकास में नये प्रतिमान स्थापित किए। भदोही प्रशासन के प्रत्येक क्षेत्र में व हर पल उन्होंने अपनी अमूल्य सेवाएं, योगदान व मार्गदर्शन दिया। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि योग्य व कुशल प्रशासक के रूप में सीडीओ भानु प्रताप सिंह का शानदार कार्यकाल रहा। मेरी कामना है कि सेवानिवृत्त के बाद जीवन के नई पारी में पारिवारिक व सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ समाज व देश के विकास में अपने मार्गदर्शन व योगदान से सबका मार्ग प्रशस्त करें। विदाई व सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुये अपर जिलाधिकारी न्यायिक शिव नारायण सिंह अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती, उपायुक्त मनरेगा,पीडी डीआरडीए, समस्त उपजिलाधिकारी व खंड विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी सहित अनेक अधिकारियों ने स्मृति चिन्ह भेट करते हुये माल्यार्पण कर विदाई दी गयी।

पिछड़ा वर्ग आरक्षण को लेकर आप का जिला मुख्यालय का घेराव कल

भदोही। पिछड़ा विरोधी भाजपा का चेहरा फिर बेनकाब हो गया है। नगर निकाय के चुनाव में पिछड़ो का हक मारकर बिना पिछड़ा वर्ग आरक्षण के चुनाव कराना चाहती है। भाजपा सरकार, जानबूझकर गलत आरक्षण कराया गया। बिना पिछड़ा वर्ग आरक्षण के चुनाव कराना उचित नही, बिना पिछड़ा वर्ग आरक्षण के चुनाव कराने के विरोध मे आम आदमी पार्टी दो जनवरी को जिला मुख्यालय का घेराव करेगी। उक्त जानकारी देते हुए आप जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने कहा कि जिस तरह आरक्षण लेने के लिए सभी ओबीसी समाज और एससी समाज के लोगों ने एकजुटता दिखाई थी अब वही समय आ गया है आरक्षण बचाने के लिए। ओबीसी समाज और एससी समाज को एकजुट होकर सोमवार सुबह 11:00 जिला मुख्यालय ज्ञानपुर में भारी से भारी संख्या में पहुंचने के आह्वान करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि अगर आप शांत बैठ गए ओबीसी आरक्षण खत्म हो गया तो आप अपने पीढ़ियों को क्या बताओगे।

महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव के लिए वर्ष 2023 में उठती रहेगी आवाज: रेहान

रेहान हाशमी

भदोही। उत्तर प्रदेश के मशहूर शायर जनपद भदोही के नगर निवासी समाजसेवी रेहान हाशमी ने नए साल 2023 में भदोही में जरूरी ट्रेनों के ठहराव की उम्मीद की है। रेहान हाशमी ने कहा कि कालीन नगरी के प्रथम श्रेणी स्टेशन भदोही पर फरक्का एक्सप्रेस, हावड़ा एक्सप्रेस, कोलकाता आगरा एक्सप्रेस, मालदा आनंद विहार एक्सप्रेस, वाराणसी गांधीधाम एक्सप्रेस पूर्वा एक्सप्रेस, महाकाले एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव भदोही रेलवे स्टेशन पर नहीं किया जाता है, जबकि कालीन नगरी के नाम से भदोही पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। भदोही की कालीन विदेशी बाजार में भी अपना अहमियत रखती है। इन महत्त्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव ना होने से देश में बड़े पैमाने पर कालीन कारोबार भी प्रभावित होता है। वर्ष 2022 में रेहान हाशमी ने कई बार ट्रेनों के ठहराव की मांग उठाई किंतु उनकी मांगों को जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा की वजह से रेल प्रशासन व सरकार द्वारा अनसुना कर दिया गया। वर्ष 2022 में सुनवाई न किए जाने पर मशहूर शायर रेहान हाशमी ने कहा कि वर्ष 2023 में भी इन महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा और वह उम्मीद करेंगे कि नववर्ष में ट्रेनों का ठहराव होकर रहेगा। इन ट्रेनों के ठहराव से जहां रेल विभाग का राजस्व बढ़ेगा वहीं कालीन उद्योग के विकास में भी बेहतरी होगी। भदोही में लोगों का रोजगार भी बढ़ेगा।

सादा जीवन-उच्च विचार के प्रतीक थे जगन्नाथ चौधरी

जनसंदेश न्यूज

बोले डॉ. जनार्दन राय

कदम चौराहा स्थित प्रतिमा स्थल पर हुई सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा

बलिया। जमीं से जुड़ी राजनीतिक यात्रा शुरू करने वाले जगन्नाथ चौधरी का व्यक्तित्व अप्रतिम था। वह सादा जीवन-उच्च विचार के प्रतीक थे और राजनैतिक संदर्भों में वे समाजवादी योद्धा थे। परित्यक्तों, मजदूरों एवं किसानों की पीड़ा को पढ़ने, जानने एवं उनके साथ दो कदम चलकर दर्द को दूर करने की उनमें अपूर्व क्षमता थी।

उक्त बातें कदम चौराहा स्थित जगन्नाथ चौधरी की प्रतिमा स्थल पर पुण्यतिथि पर आयोजित सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा में डॉ. जनार्दन राय ने व्यक्त किया। कहा कि जगन्नाथ चौधरी पंचायती राज व्यवस्था के निचले पायदान से उच्च शिखर तक पहुंचने वाले एकमात्र राजनेता थे। वाकई वह अजातशत्रु थे। पं. अवध बिहारी चौबे ने कहा कि वह हाशिये में पड़े व्यक्तियों की पीड़ा से वाकिफ थे। पूर्व विधायक सुधीर राय ने उनको कर्मयोगी बताया। इस अवसर पर ओमप्रकाश पांडेय, लक्ष्मण गुप्त, ओमप्रकाश तिवारी, मनोज कुमार यादव, देवनारायण, दीना भाई, निर्मल कुमार उपाध्याय, सियाराम यादव, राजकुमार पांडेय, पूर्व विधायक दीनानाथ चौधरी, रामविचार पांडेय, गौरीशंकर, सागर सिंह राहुल, व्यासजी गोंड, उमाशंकर पाठक, ज्ञानेन्द्र पांडेय, मुन्ना उपाध्याय, शिवानंद ओझा, जयशंकर, प्रेमशंकर वर्मा, रमाशंकर तिवारी, डॉ. विश्राम यादव, जाकिर हुसैन, शिवजी गुप्त आदि मौजूद रहे। संचालन रमाशंकर यादव ने किया।

जनेश्वर मिश्र सेतु से जुड़ेगा पटना-बक्सर

फोरलेन सड़क बनाने की कवायद में जुटी बिहार सरकार

जनसंदेश न्यूज

बलिया। उप्र में गंगा नदी के शिवरामपुर घाट पर बने जनेश्वर मिश्र सेतु को पटना-बक्सर फोरलेन से जोड़ने की प्रक्रिया वर्ष 2023 में शुरू हो जाएगी। इसके लिए बिहार राज्य में प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गयी है।

जनेश्वर मिश्र सेतु के पटना-बक्सर से सीधे जुड़ जाने से दोनों प्रांतों के रिश्तों में न सिर्फ और मधुरता आएगी, बल्कि व्यवसायिक आदान-प्रदान भी बढ़ेगा। फोरलेन बनने के बाद गंगा इस पार बसे यूपी के जवहीं दियर, शिवपुर दियर नंबरी, धोधा राय के डेरा, परानपुर, हरदेव सिंह के डेरा व नौरंगा तथा बयासी की करीब 50 हजार की आबादी के साथ बिहार के लोगों को बलिया सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों से सीधा जुड़ाव होगा।

बताया जाता है कि बिहार राज्य के ब्रह्मपुर प्रखंड के गरथा खुर्द स्थित फोरलेन से वाया चक्की होते हुए गंगा पुल तक सड़क निर्माण के लिए जमीन चिह्नित कर ली गई है। फिलहाल उसके नेचर व अधिग्रहण से संबंधित कागजी कार्रवाई विभागीय स्तर पर चल रही है। माना जा रहा है कि सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद साल 2023 के मार्च महीने में कार्य धरातल पर शुरू हो जाएंगे। बलिया गंगा पुल से बिहार की सीमा में सड़क बन जाने से लोगों, खासकर दियारावासियों को काफी सहूलियत होगी।

पुल के इस पार यूपी की सीमा में पक्का एप्रोच रोड का निर्माण हो गया है, जबकि उस पार कार्य अधूरा है। गंगा एप्रोच रोड से बिहार की सीमा में सड़क बनाने के लिए बिहार के ब्रह्मपुर विधायक शंभूनाथ यादव ने विधानसभा में कई बार सवाल उठाया था।

विधायक के सार्थक प्रयासों का नतीजा रहा कि 02 जुलाई को पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों ने गरहथा खुर्द स्थित फोरलेन से वाया गायघाट, चक्की व गंगौली धर्मशाला से सीधे गंगा पुल तक स्थलीय निरीक्षण किया था। बाद में प्रस्तावित सड़क से जुड़ा प्रतिवेदन राज्य सरकार को सौंपने के बाद उसके निर्माण की स्वीकृति मिल गयी। सूत्रों की माने तो चक्की विशेश्वर डेरा से गंगा पुल तक सड़क पूरी तरह ग्रीन फील्ड होगी।

यूपी-बिहार के लोगों को मिलेगा लाभ

बलिया। बिहार की सीमा में फोरलेन सड़क बनने के बाद न सिर्फ बिहार, बल्कि यूपी के लोगों को भी बड़ा फायदा होगा। लोगों को आवागमन करने में काफी सहूलियत होगी। गंगा उस पार बसे यूपी के व्यासी, जवहीं दियर, परानपुर व नौरंगा के साथ बिहार के लोगों को बलिया सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश से सीधे जुड़ाव होगा। सूत्रों की मानें तो प्रस्तावित योजना से सिमरी, चक्की व ब्रह्मपुर लिंक रोड के रूप में विकसित होगी। इससे दियारा में न केवल यातायात का मार्ग सुगम होगा, बल्कि रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ेगी।

बलिया से नजदीक हो जायेगा पटना

बलिया। बिहार सरकार द्वारा प्रस्तावित जनेश्वर मिश्र सेतु को पटना-बक्सर से जोड़ने की योजना के मूर्त रूप लेने के बाद बिहार व यूपी के लोगों के लिए यह वरदान साबित होगा। दोनों प्रदेशों के पिछड़े क्षेत्र के लोगों को रोजगार मुहैया होगा। वहीं, बलिया नगर के विकास में चार चांद लग जाएगा। साथ ही बिहार की राजधानी पटना की दूरी भी मात्र 100 किलोमीटर में सिमट कर रह जाएगी तथा व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

दो सौ जरूरतमंदों को जिला पंचायत सदस्य ने बांटा कंबल

सुरियावां। क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह ने क्षेत्र के बलिकापुरा, साड़ा, विसापुर, बहुता, भीमसेनपुर आदि बनवासी गांवों में कम्बल वितरण सेवा समारोह के तहत दो सौ से अधिक जरुरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया तथा लोगों को हर संभव मदद देने का आश्वासन भी दिया। स्थानीय लोगों ने समाजसेवी व जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह को सहयोग के लिए धन्यवाद देकर उनके काम की सराहना किया। जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह ने अपील किया कि सभी प्रतिनिधि व उद्योगपति जरूरतमंद को कम्बल वितरण करे इस ठंड का मौसम तीव्र हैं, ठंडी कम हो जाने पर कम्बल वितरण का कोई औचित्य नही रह पाएगा। इस अवसर पर युवा समाजसेवी दिनेश यादव दादा, मनोज वर्मा, देवराज यादव, कलेक्टर, कमलेश सिंह, भोला बिंद, धर्मेंद्र यादव, आदर्श अमन, मनीष गौतम आदि लोग उपस्थित रहे।

भाभी को श्रद्धांजलि देने भभौरा पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

शोक

भभौरा में एनएसजी व पुलिस की रही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

चकिया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को जनपद दौरे पर रहे। इस दौरान वह अपने पैतृक गांव भभौरा पहुंचकर भाभी नैनतारा देवी के तेरहवीं में शामिल हुए। इस कड़ी में सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में बनाए गए हेलीपैड पर उतरे और सड़क मार्ग से एनएसजी कमांडो और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के बीच भभौरा पहुंचे। जहां उन्होंने अपनी दिवंगत भाभी नैनतारा देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान रक्षा मंत्री के साथ ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सहित तमाम मंत्री, सांसद और विधायक मौजूद रहे।

विदित हो कि भभौरा गांव में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पैतृक आवास पर तेरहवीं कार्यक्रम को देखते हुए चारों तरफ चप्पे-चप्पे पर पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी। आने जाने वाले लोगों को डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर प्रवेश द्वार से होकर गुजरना पड़ रहा था। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में बने हेलीपैड पर उतरने के बाद रक्षामंत्री एनएसजी कमांडो की सुरक्षा के बीच भभौरा पहुंचे। अपनी भाभी को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के बाद परिजनों से शिष्टाचार भेंट करने के बाद मौजूद लोगों से मुलाकात की। इसके उपरांत रक्षा मंत्री ने बनाए गए वीआईपी लाउंज मे भाजपा के नेताओं के साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। रक्षा मंत्री की आगवानी में भाजपा प्रदेशध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्रनाथ पांडेय, मंत्री अनिल राजभर, दयाशंकर दयालु, रविंद्र जायसवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल, भाजपा के किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र कृपा शंकर, राज्य मंत्री संजीव गोंड़, राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह, साधना सिंह, सूर्यमुनी तिवारी मौजूद रहे।

भभौरा भाभी की तेरहवीं में शामिल रक्षा मंत्री राजनाथ व डा. महेंद्रनाथ पांडेय।

भारत में निर्मित होंगे गोलाझबारूद व मिसाइलः राजनाथ

चकिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पूरे विश्व में भारत अपनी एक अलग ही पहचान बनाए हुए हैं। देश बाहरी ताकतों से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उक्त बातें अपने पैतृक गांव भभौरा में अपनी दिवंगत भाभी नयनतारा देवी के तेरहवीं में शामिल होने के बाद कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा कि भारत देश की सेना ने हमेशा अपने शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है, जिससे आज हमारा देश सुरक्षित है। कहा आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत बड़े-बड़े टैंक, गोले, मिसाइल और अत्याधुनिक हथियार भारत में बनेंगे। भारत वासियों के हाथों बनेंगे। भारत के लिए बनेंगे। साथ ही उसे पूरे विश्व को सप्लाई किया जाएगा। कोरोना कि फिर से वापस आने के सवाल पर रक्षा मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कोरोना से निपटने कुछ त्वरित व प्रभावी फैसले लिए हैं जिससे आज देश में राहत की स्थिति कायम है। किसी भी तरह की समस्या से निपटने के लिए चिकित्सकों की टीम और हमारा पूरा देश कमर कसकर तैयार है। रक्षा मंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से देश की बागडोर अपने हाथों में ली है और देश को तरक्की की राह पर आगे ले जा रहे हैं। उससे पूरे विश्व में भारत में अपनी अलग पहचान बनाई है। इसके अलावा उन्होंने प्रदेश की योगी सरकार की कार्यप्रणाली पर प्रशंसा की। कहा कि पूरी दुनिया के अर्थशास्त्री मानते हैं कि 2027 आते-आते भारत पूरे विश्व में टॉप 3 की अर्थव्यवस्था वाले देश में शामिल हो जाएगा।

भभौरा में स्थानीय ग्रामीणों व भीड़ का अभिवादन करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

इन नेताओं व जनप्रतिनिधियों ने दी श्रद्धांजलि

चकिया। क्षेत्र के भभौरा गांव में रक्षा मंत्री की भाभी की तेरहवीं में जनपद के भाजपा जिला अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह, महामंत्री उमाशंकर सिंह, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, डा.प्रदीप मौर्य, राघवेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेंद्र सिंह, अनिल तिवारी, ब्लाक प्रमुख शंभूनाथ सिंह यादव, काशीनाथ सिंह, आशुतोष सिंह, पूर्व विधायक शिव तपस्या पासवान, अवनीश द्विवेदी चीनू, डा.कुंदन गौंड, गौरव श्रीवास्तव, कैलाश जायसवाल, नागेश पांडेय मौजूद रहे।

संक्षेप

डांडी में कार्यालय से नकदी व लैपटाप चुरा ले गए चोर

चोरी की घटना के बाद डांडी में तफ्तीश करती पुलिस।

पड़ाव। जलीलपुर चौकी अंतर्गत डांडी गावं जीटी रोड किनारे स्थित गोदाम व ऑफिस सटर का ताला तोड़ कर चोरों ने शुक्रवार की रात पेटी में से लगभग दो लाख नकद सहित लैपटाप पर हाथ साफ किया। घटना के बाद शनिवार को गोदाम के मालिक शिव कुमार अग्रवाल द्वारा पुलिस को सूचना दी। इसके पश्चात मौके पर चौकी इंचार्ज दिलीप कुमार श्रीवास्तव ने घटनास्थल का जायजा लिया। भरोसा दिया कि जल्द ही चोरी का पदार्फाश कर दिया जाएगा। वहीं शिवकुमार अग्रवाल ने बताया कि डांडी गांव के पास दाल, चावल और किराना संबंधित थोक का गोदाम और कार्यालय है। दोनों अगल बगल है रोजाना सात बजे कार्यलय व गोदाम बंद करके घर जाते थे और दिन का जो भी नगद होता था वह साथ ले कर जाता था शुक्रवार की रात गोदाम व कार्यालय बंदकर घर मुगलसराय न जाकर बनारस की तरफ कुछ काम से चले गए और नगद साथ नहीं ले गए। शनिवार की सुबह जब दुकान आए तो देखा की दुकान का ताला टूटा हुआ था। कार्यालय के अंदर जाकर देखा तो पेटी मे रखी नकदी चोर चुरा ले गए थे। नकदी संग चोरी हुए लैपटॉप में इनकम टैक्स से रिकॉर्ड व कुछ जरूरी डाक्यूमेंट्स थे। विदित हो कि इससे पहले भी एक वर्ष पूर्व दिसंबर माह में ही गोदाम में चोरी हुआ था।

बाइक सवार युवकों ने ट्रैक्टर में मारी टक्कर हालत गंभीर

कमालपुर। स्थानीय कस्बा में शनिवार की शाम बाइक सवार युवकों ने ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दिया।जिससे बाइक चालक सहित दोनों सवार युवक घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बताते हैं कि कमालपुर कस्बे में ट्रैक्टर पर गिट्टी व छड़ लादकर सकलडीहा की ओर जा रहा था, तभी देवकली निवासी दीपक कुमार 22 वर्ष पल्सर गाड़ी लेकर अपने साथी 16 वर्षीय विजय कुमार के साथ कमालपुर बाजार जा रहा था। तभी डाकखाना के समीप तेज बाइक चालक ने ट्रैक्टर के ट्राली में जोरदार टक्कर मार दिया। इससे बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। सूचना पर चौकी प्रभारी सुग्रीव गुप्ता ने दोनों घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल मे भर्ती कराया। जहां विजय की हालत गंभीर होने की वजह से एंबुलेंस द्वारा ट्रामा सेंटर भेजा गया व्यापारियों ने बताया बाइक चालक युवकों की बाईक तेज गति होने से दुर्घटना का शिकार हो गया।

विधायक ने सड़कों का किया शिलान्यास

डीडीयू नगर। विधायक रमेश जायसवाल ने अपने विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को ग्रामसभा कठौरी, जफरपुर, हटिया व गौरी आदि गांव में लगभग एक करोड़ की लागत की सड़कों का शिलान्यास किया। इस मौके पर विधायक रमेश जायसवाल ने कहा कि पूरे विधानसभा के सर्वांगीण विकास के लिए मैं तत्पर हूं। मेरा निरंतर प्रयास रहता है क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो मेरे विधानसभा में जितने भी शिलान्यास होंगे, उसी क्षेत्र की जनता करेगी जिससे आम जनमानस की विश्वास मुझ पर बना रहे। जिस प्रकार से जनता ने मुझ पर विश्वास करके मुझे विधायक बनाया है। ऐसे में जनता के विश्वास को टूटने नहीं दूंगा। इस मौके पर विभिन्न गांव के लोग मौजूद रहे।

निधन पर जताया शोक

कंदवा। राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत के सदस्यों की बैठक शनिवार की शाम बरहनी स्थित कार्यालय पर हुई। जिसमें संगठन के जिला संयोजक और वरिष्ठ पत्रकार जमीर अहमद खानन की माता आलिया बेगम 88 के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। इस दौरान उपस्थित पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रख कर गतात्मा की शांति के लिए ईश्वर प्रार्थना किया। इस दौरान भगवती तिवारी, जिला परिषद सदस्य सुनील सिंह, अनिल सिंह, अंजनी सिंह, बालिस्टर यादव, प्रदीप गुप्ता, अख्तर अली, घनश्याम यादव आदि उपस्थित रहे।

विधवाओं को नौकरी देकर पीड़ितों का दर्द बांटे प्रशासनः मनोज डब्लू

मदद

कुढ़कला व लाट नं0-2 पहुंचकर सपा नेता मनोज सिंह डब्लू ने बंधाया ढांढस

डीडीयू नगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मनोज कुमार सिंह डब्लू शनिवार को मिनीमहानगर के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने डीडीयू नगर में आक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट में मृत युवकों के घर जाकर परिजनों से मुलाकात की। उनका दर्द बांटा और घटना के बाबत जानकारी ली।

उन्होंने पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहयोग देने के साथ ही भरोसे का मजबूत संबल भी प्रदान किया। मांग किया कि सिलेंडर ब्लास्ट प्रकरण की पुलिस व प्रशासनिक अमला निष्पक्ष जांच करे और पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहयोग के साथ ही मृतक राजन पाल व चंद्रभान राम की विधवा पत्नियों को सरकारी नौकरी देकर उनकी आजीविका का बंदोबस्त किए जाने की मांग की। इसके साथ ही मनोज कुमार सिंह डब्लू ने जनपद में मौजूद सत्ता पक्ष के 22 मत्रियों के साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों से घटना में मृतक परिजनों के दुख में शामिल होकर उनके आंसू पोछने की अपील की। कहा कि दुख की इस घड़ी में परिवार के प्रति हम सभी अपनी संवेदनाएं व सहयोग पहुंचाकर उनके कष्ट को बांट जरूर सकते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि घटना के बाद स्थानीय प्रशासन व जनप्रतिनिधि पीड़ित परिवार से मिलकर अपनी संवेदनाएं साझा न करना दुखद है। कहा कि कूढ़ कला गांव में पीड़ित परिवार के द्वारा बातचीत में बताया कि घटना को लेकर पुलिस द्वारा अपने हिसाब से तहरीर देने का दबाव बनाया जा रहा है। घटना के वक्त जिस इलाके से ट्रैक्टर गुजर रहा है उस इलाके में नो-इन्ट्री प्रभावी था। ऐसे में वह ट्रैक्टर कैसे और किस पुलिस कर्मी या अधिकारी की इजाजत से दाखिल हुआ। पुलिस महकमा इसकी जांच कर दोषी के विरूद्ध उचित कार्यवाही करना सुनिश्चित करे। साथ ही प्रशासनिक अमला मृत दोनों युवकों के विधवा पत्नियों को सरकारी नौकरी प्रदान कर उनके दर्द को बांटने का काम करें। उन्होंने पीड़ित दोनों परिवारों के जरूरत में खड़ा रहने का भरोसा दिया। इसके बाद वह डीडीयू नगर के लाट नंबर-2 स्थित मृतक राजन पाल के परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। कहा कि जल्द ही वह प्रकरण को लेकर डीएम व एसपी से मुलाकात करेंगे, ताकि पीड़ित परिवारों तक सरकारी मदद पहुंचाई जा सके। चेताया कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो पीड़ित परिवारों के हक के लिए आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अंजनी सिंह, नंदकुमार राय, अखिलेश सिंह, धीरज यादव, अभिनव सिंह भल्ला, सुनील सिंह आदि उपस्थित रहे।

कुढ़कला में पीड़ित परिवार का दर्द बांटते मनोज सिंह डब्लू।

आक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट में उजड़ गए दो परिवार

डीडीयू नगर। इस वक्त जब पूरा जहां नए साल के जश्न की तैयारी में है। ऐसे में मिनीमहानगर के दो परिवार ऐसे भी हैं, जिनका पूरा जहां शुक्रवार को हुए आक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट की घटना में उजड़ व बिखर गया। विधवों का जीवनसाथी जीवन भर के लिए साथ छोड़ गया। वहीं बच्चों को सिर से पिता का आसरा व उनके होने की उम्मीद भी हमेशा के लिए खत्म हो गयी। हालांकि बच्चों मासूम होने के साथ इतने छोटे हैं कि अभी उन्हें इस बात का आभार ही नहीं की अब वे अपने पिता को भी कभी देख नहीं पाएंगे। घटना के बाद शनिवार को दोनों परिवारों से मिलकर ढांढस बंधाने वालों का तांता लगा रहा। ऐसे में कुढ़ कला गांव में जब लोग परिवार का दर्द बांट रहे थे तो भीड़ में मौजूद मृतक चंद्रभान राम का इकलौता पुत्र ओम परिजनों की गोद में अपना आसरा ढूंढ रहा था। कभी वह अपने बड़े पिता की गोद में जा बैठता तो कभी दादी की गोद में अपनी जगह तलाश रहा था। जिसे देख वहां मौजूद हरएक व्यक्ति पिता को खो चुके बालक के भाव व भंगिमा को देखकर द्रवित हो उठा था। लोगों को बालक के वर्तमान के साथ ही उसके भविष्य की चिंताएं थी। मृतक की मां बेसुध थी और बेटे को खोने का आघात इतना गहरा था कि वह कुछ भी कह पाने की स्थिति में नहीं थी। विधवा अपने पति को खोने के कारण शून्यता को प्राप्त थी और जब भी उसकी चेतना जागृत होती वह दहाड़े मारकर रो पड़ती। उसकी चींख व चीत्कार को सुनकर घर-परिवार के साथ ही पास-पड़ोस व रिश्तेदारी के लोगों की आंखें नम हो जा रही थी। परिवार की आजीविका चलाने वाला चंद्रभान आक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट में अपना घर-परिवार समेत सबकुछ को छोड़ गया। उसके जाने के साथ ही परिवार की आजीविका भी ठप हो गयी है, जिससे उसकी पत्नी व मासूम बच्चे के लालन-पालन व शिक्षा-दीक्षा कैसे होगी यही सवाल था। हालांकि मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी देने की मांग उठाई जा रही है। ताकि परिवार की आजीविका चलती रहे।

चतुर्भुजपुर में चोरी, जांच में जुटी कोतवाली पुलिस

सकलडीहा। क्षेत्र के चतुर्भुजपुर कस्बा में शुक्रवार की देर रात पीछे के रास्ते से कैलाश राय के घर में चोर घुस गए। चोरों ने दरवाजा को साड़ी से बांध दिया और बक्से को तोड़कर करीब दो लाख के आभूषण चोरी कर चंपत हो गए। सुबह जानकारी होने पर परिजनों ने कोतवाली पुलिस को सूचित किया। सूचना पर पहुंचे कोतवाल चोरी की घटना की जांच में जुट गये। बताते हैं कि चतुर्भुजपुर निवासी कैलास राय का पुत्र अरविंद अपने बुआ पांचों देवी को छोड़ने के लिये बक्सर गया था। पत्नी पूजा का तबीयत खराब होने पर हास्पीटल में इलाज चल रहा है।

घर पर अकेले कैलाश राय सोये हुए थे। चोरों ने पीछे के रास्ते घर में घुसकर साड़ी से दरवाजा अंदर से बंद कर दिया। इसके बाद कमरा में घुसकर बख्सा तोड़कर पुत्रवधु पूजा और पुत्री बबिता का मनटिका, नथिया, झुमका, अंगूठी, सोने की चौन, पायल, कंगन, लरी, विछिया लेकर चंपत होगये। सुबह कैलास दरबाजा बंद होने पर शोर गुल मचाने पर ग्रामीणों ने किसी तरह दरवाजा खोलकर बाहर निकाला। सूचना पर पहुंचे कोतवाल ने घटना का स्थलीय निरीक्षण किया। इस बाबत कोतवाल अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि चोरी की घटना का जांच किया जा रहा है। शीघ्र मामले का खुलासा किया जायेगा।

चतुर्भुर्पुर कस्बा में चोरी की घटना की जांच करते कोतवाल अनिल पांडेय व अन्य

सपाइयों ने पुण्यतिथि पर लोकबंधु राजनारायण को किया याद

डीडीयू नगर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शनिवार को लोकबंधु राजनारायण की पुण्यतिथि शनिवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस मौके पर उपस्थित सपाइयों ने उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। पूर्व सांसद रामकिशुन यादव ने कहा कि राजनारायण ने समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम किया। जाति धर्म से ऊपर उठकर राजनीति करने का काम किया।अपने प्रतिद्वंदी से ही पैसा लेकर चुनाव लडने का काम भी किया है। इससे हम लोगों को प्रेरणा लेने की जरूरत है। सकलडीहा विधायक प्रभु नारायण यादव ने कहा कि महान समाजवादी व सजग प्रहरी के रूप में इन्होंने समाज के हित के लिए तमाम कार्य किए हैं। इमरजेंसी के समय में भी समाज के हित में लड़ने का काम किया। ऐसे महान पुरुषों से हम लोगों को सीख लेने की जरूरत है। लेकिन आज विरोधाभास की राजनीत हो गई है आरक्षण व संविधान दोनों को समाप्त करने का षड्यंत्र किया जा रहा है। समाज के लोगों को इसे बचाने की जरूरत है। इस मौके पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर, महासचिव नफीस अहमद गुड्डू, बाबूलाल यादव, पूर्व चेयरमैन मुसाफिर चौहान, संतोष यादव, अयूब खान गुड्डू, चंद्रशेखर यादव, चंद्रभानु यादव, जलालुद्दीन, प्रेम तिवारी, यादवेश यादव, महेश जायसवाल, अमरनाथ जायसवाल मोनू, राजकुमार जायसवाल, सुनील यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

अनिल कुमार सिंह यादव (फौजी)
ग्राम प्रधान-जमुरना
धानापुर-चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

आरती देवी
ग्राम प्रधान-प्रसहटा
धानापुर-चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

हरिकेश यादव
ग्राम प्रधान-करी
धानापुर-चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं
राजेश सिंह

ब्लॉक अध्यक्ष
प्रधान संघ
विकास खण्ड धानापुर
जनपद-चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं
माँ मनसा देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बरहनी-चंदौली
प्रबंधक
सुनील सिंह

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

रमाकांत
ग्राम प्रधान-निदिलपुर
धानापुर-चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

अजय शेखर सिंह
प्रधानाचार्य
अमर वीर इण्टर कॉलेज
धानापुर-चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

रामजी कुशवाहा
ग्राम प्रधान
धानापुर
जनपद-चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

इम्तियाज खॉन
जिला महामंत्री
राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ
चन्दौली
नूर अख्तर अली
ब्लॉक मंत्री
राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ
धानापुर, चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

शरद कुमार
शाखा प्रबन्धक
जिला सहकारी बैंक लि0 वाराणसी
शाखा धानापुर

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

यशवर्धन सिंह
अध्यक्ष
प्राथमिक शिक्षक संघ
बरहनी ब्लॉक, चन्दौली

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रशांत कुमार यादव
(पिंटू प्रधान) प्रतिनिधि
सदस्य जिला पंचायत चंदौली
सेक्टर नं. 2 धानापुर

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

बलराम पाठक
प्रधानाध्यापक
व आदर्श शिक्षक बरहनी
जिला मीडिया प्रभारी उत्तर प्रदेशीय
जूहाई स्कूल शिक्षक संघ, चंदौली
मो0-9451272203

समस्त जनपदवासियों को नव वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

अनीता यादव
ग्राम प्रधान-विरना
चन्दौली

कुंज बिहारी यादव
उर्फ छोटू
प्रधान प्रतिनिधि-विरना

मंदिर पर मिला मुस्लिम युवक का शव

सनसनी

पुलिस पर लगा हत्या का आरोप

हिंदू युवती के साथ संबंध का मामला आ रहा है सामने

सड़क जाम कर प्रदर्शन करते लोग

अंजानशहीद (आजमगढ़)। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के अजमतगढ़ कस्बे में मंदिर पर मिले युवक के शव से सनसनी फैल गयी। युवक के शरीर पर चोट के निशान थे। परिजनों सहित स्थानीय लोग भारी संख्या में उपस्थित होकर हत्या के विरोध में विरोध प्रदर्शन करने लगे।

जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के अजमतगढ़ कस्बे में मंदिर के पास एक मुस्लिम युवक आर्किटेक्ट का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन व भारी संख्या में ग्रामीण पहुच गये और विरोध प्रदर्शन करने लगे। मौत की सूचना मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस पहुच गयी। स्थानीय लोगों के विरोध को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। वही घंटों परिजन व सैकड़ों की संख्या में कस्बा के लोग शव को पुलिस को कब्जे में लेने से रोक रहे थे। इस दौरान पुलिस प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की गयी चैकी इंचार्ज के विरुद्ध कार्रवाई व महिला की गिरफ्तारी को लेकर परिजन अड़े रहे। एसपी सिटी शैलेंद्र लाल द्वारा चैकी इंचार्ज लाल बहादुर बिंद के निलंबित व महिला की गिरफ्तारी की कार्रवाई के बाद गांव के लोग माने। जीयनपुर कोतवाली यादवेंद्र पांडेय ने शव को अपने कब्जे में लिया मृतक फिरोज अहमद के बड़े भाई खालिद अहमद की तहरीर पर निशा कन्नौजिया व अज्ञात के ऊपर मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस जांच में जुट गई है। घटना स्थल का फॉरेंसिक टीम ने नमूना लिया। वही पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने पहुंचकर परिजनों को आश्वस्त किया कि दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वही पोस्टमार्टम रिपोर्ट के उपरांत मौत का सही कारण पता चल सकेगा। जिसके बाद जांच कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। मृतक फिरोज अहमद की पत्नी मोमिना खातून व माता मरियम खातून व उनके तीन बच्चे अतिक उम्र 10 साल, अहमद रजा उम्र 7 साल, मोहम्मद उम्र 4 साल का रो-रो कर बुरा हाल रहा परिवार में कोहराम मच गया।

घंटों मशक्कत के बाद पुलिस ने शव को लिया कब्जे में

अंजानशहीद (आजमगढ़)। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के अजमतगढ़ कस्बे में आर्किटेक्ट फिरोज अहमद की हत्या के बाद परिजन व गांव के लोग प्रदर्शन व पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे, शव पुलिस को ले जाने नहीं दे रहे थे। वही तकरीबन 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कई थानों की फोर्स की मौजूदगी में चैकी प्रभारी अजमतगढ़ के निलंबित होने के बाद जीयनपुर कोतवाली पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया। और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

लड़की ने प्रार्थना पत्र देकर लगाया था शारीरिक शोषण का आरोप

अंजानशहीद आजमगढ़। शुक्रवार को अजमतगढ़ चैकी पर प्रार्थना पत्र देकर लड़की ने फिरोज अहमद पर शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था वही फिरोज से विवाह के लिए दबाव बना रही थी। अजमतगढ़ चैकी इंचार्ज लाल बहादुर बिंद ने फिरोज से देर रात तक पूछताछ की व जांच की अगले दिन शनिवार को अजमतगढ़ कस्बा के धन्नी टोला में घर से 50 मीटर दूर स्थित प्राचीन शिव मंदिर के प्रांगण में फिरोज अहमद का अर्धनग्न शव मिला । वही शरीर पर चोट के निशान पाए गये। जिसके पश्चात परिजन व कस्बा के लोग आक्रोशित हो गए। जिन्होंने अजमतगढ़ चैकी इंचार्ज लाल बहादुर पर दुर्व्यवहार व मारने पीटने व पैसा मांगने का आरोप लगाया।

बढ़ते मामले को देख बुलानी पड़ी कई थानों की फोर्स

अंजानशहीद (आजमगढ़)। जीयनपुर थाना क्षेत्र के अजमतगढ़ कस्बे में आर्किटेक फिरोज अहमद का शव मिलने के बाद परिजन व गांव के लोग प्रदर्शन करने लगे, और शव को ले जाने नही दे रहे थे। वही बढ़ते मामले को देख कई थानों की फोर्स को मौके पर बुलाना पड़ा वही जीयनपुर कोतवाल यादवेंद्र पांडेय, बिलरियागंज थाना प्रभारी ब्रह्म दिन पांडेय, सिधारी थाना प्रभारी नंद कुमार तिवारी, क्षेत्राधिकारी सगड़ी सौम्या सिंह, एसपी सिटी शैलेंद्र लाल, उपजिलाधिकारी सगड़ी राजीव रतन सिंह, पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य, फॉरेंसिक टीम सहित आधा दर्जन थाना की पुलिस बल मौजूद रहे।

संक्षेप

प्रधानमंत्री की मां के निधन पर हुई श्रद्धांजलि सभा

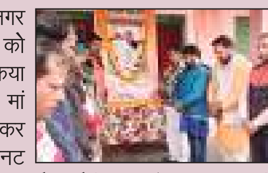

माहुल (आजमगढ़)। स्थानीय नगर के मंडल कार्यालय पर शनिवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमे प्रधानमंत्री मोदी की मां हीराबेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हे श्रद्धांजलि दी गई और दो मिनट का मौन रखा गया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए भाजपा जिला मंत्री दिलीप सिंह बघेल ने कहा कि मां हीराबेन के निधन से हम दुखी तो है पर अपनी कोख से उन्होंने मोदी जैसे युगपुरुष को पैदा किया। जिसने विश्व पटल पर देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने कहा कि काश हर मां की कोख से मोदी जैसा बेटा पैदा होता। ऐसी मां को हम प्रणाम करते है। इस मौके पर हरिकेश गुप्ता, रानू प्रताप राणा, विष्णु पाण्डेय, दिलशाद अहमद, संजय मोदनवाल, सुलेमान आजमी, प्रमोद राजभर आदि उपस्थित रहे।

शोषण के विरुद्ध शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

रानीकीसराय (आजमगढ़)। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा रानीकीसराय वीआरसी केन्द्र पर गुरुवार को नवीन पेंशन के नाम पर वेतन अवरुद्ध करने, पुरानी पेंशन बहाली तथा फोटो अटेन्डेन्स के विरोध में प्रदर्शन कर पत्रक खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा। संघ के अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव ने कहा कि नवीन पेंशन के नाम पर वेतन अवरुद्ध किया जा रहा है जो सरासर गलत है। पुरानी पेंशन बहाली की लंवे समय से कर्मचारी मांग कर रहे है जो आज तक नही हो सकी उपर से नोट कैम ऐप से उपस्थिति का तुगलकी फरमान जारी किया गया है जो शासनादेश के खिलाफ है। वेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बगैर संसाधन उपलब्ध कराये ही शिक्षको से डीबीटी, एमडीएम, दीक्षा ऐप, प्रेरणा ऐप निपुण ऐप पर जबरन कार्य कराया जा रहा है। इस आदेश को तत्काल निरस्त किया जाय अन्यथा शिक्षक आर-पार की लडाई लड़ेगे। इस दौरान शिक्षको ने इसके विरुद्ध नारेबाजी कर विरोध जताया। शिक्षको ने खंड शिक्षाधिकारी राजीत लाल को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर केदारनाथ यादव, सुजई यादव, अरुण कुमार, बाबूराम, दीनानाथ यादव, अजय सिह, नगेंद्र प्रसाद, सुनील गोड आदि शिक्षक मौजूद थे।

दिसंबर महीने में जीयनपुर थाना क्षेत्र में हुई तीसरी हत्या

अंजान शहीद (आजमगढ़)। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के कसडा आइमा निवासी प्रधानाध्यापक संजय यादव की एक दिसंबर को स्कूल जाते समय सुबह 9 बजे बाईपार भट्ठे के समीप गोली मारकर हत्या कर दी गई जिसमें परिजनों की तहरीर पर आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है वही पुलिस ने वीरेंद्र यादव उर्फ बबलू यादव पुत्र मेवा लाल यादव की हिस्ट्री सीट भी 1 दिन पूर्व पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने खोली थी। वहीं दूसरी हत्या अजमतगढ़ कस्बा के चकमाधव रामपुर निवासी महिला की 26 दिसंबर की रात्रि में 1रू00 बजे मुंबई से कमाकर वापस लौटे पति चंदेव राजभर ने अपनी पत्नी उषा उम्र 35 वर्ष की कहासुनी के उपरांत बेंट से पीट-पीटकर हत्या कर दी जीयनपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी पति को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। वहीं तीसरी घटना अजमतगढ़ कस्बा के धन्नी टोला में दिसंबर माह के अंतिम दिन फिरोज अहमद पुत्र शमसुद्दीन अहमद उम्र 40 वर्ष सिविल इंजीनियर आर्किटेक्ट की हिंदू युवती से अवैध संबंध पर शिव मंदिर के प्रांगण में शव मिला। परिजन की तहरीर पर निशा व अज्ञात पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी।

आदेश के बावजूद भी खुले रहे स्कूल

रानीकीसराय (आजमगढ़)। स्थानीय व्लाक क्षेत्र में शनिवार को शिक्षण संस्थानों में प्रशासन के बंदी का असर नहीं दिखा। घने कोहरे के बीच बच्चे स्कूल पहुंचे। सड़को पर बच्चों से भरी बैन दौड़ती रही। ठंढ के चलते वेसिक शिक्षा विभाग ने कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूलों मे 14 जनवरी तक अवकाश घोषित कर दिया है। परिषदीय में ताले लटकते रहे लेकिन निजी शिक्षण संस्थानों मे कोई असर नहीं दिखा। क्षेत्र के जलाईपुर, ऊजीगोदाम, कस्बे के एक दर्जन स्कूलों की बैन कोहरे के बीच बच्चों को ढोने लगी। पैदल स्कूल जाने वाले नौनिहाल कापते हुए पहुचे। निजी स्कूल संचालकों ने पहले ही दिन आदेश को नजर अंदाज कर दिया। अभिभावक राजेश कुमार, जयेन्द्र सिह, विमलेश कुमार ने कहा कि ठंढ मे छुट्टी में भी विद्यालय खुलने से छोटे बच्चों के लिए समस्या हो रही है।

फिर मिलने के वादे के साथ संपन्न हुनर रंग महोत्सव

आजमगढ़। हुनर संस्थान आजमगढ़ द्वारा जनपद में राष्ट्रीय एकता अखंडता व लोक कलाओ को बढ़ावा देने के उद्देश्य प्रतिभा निकेतन इंटर कॉलेज में 26 से 30 दिसम्बर तक चल रहे हो हुनर रंग महोत्सव का भव्य समापन फिर मिलने के वादे के साथ सम्पन्न हुआ। खुशी और गम के बीच समापन समारोह का उद्घाटन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार सिंह अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कोच अजेंद्र राय, अभिषेक जायसवाल दीनू ने दीप प्रज्ज्वलन कर मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। अतिथियों का स्वागत संस्थान अध्यक्ष मनोज यादव विद्यालय के प्रबंधक रमाकांत वर्मा हेमंत श्रीवास्तव ने माल्यार्पण कर किया।

सर्वप्रथम संस्थान के बच्चों द्वारा मनमोहक श्री कृष्ण की बाल लीला का मंचन किया गया। रॉकिंग डांस ग्रुप कैमूर बिहार के कलाकारों द्वारा जोश से भरपूर देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत समूह नृत्य प्रस्तुत किया संगीत कला दर्शन नृत्य नाट्य समूह लालगंज तपस्या क्रिएटिव स्कूल आजमगढ़ मूव्स डांस स्टूडियो आजमगढ़ द्वारा जबरदस्त समूह नृत्य की प्रस्तुतियां हुई.। तत्पश्चात संगीत संध्या प्रारंभ हुई जिसमे अरुण सिंह अनाड़ी, गुड्डू राय,गौरी यादव और सीमा सरगम ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया तत्पश्चात पुरस्कार वितरण प्रारंभ हुआ राष्ट्रीय स्तर पर नृत्य में कार्य करने के लिए विशंभर साहू वापी कटक उड़ीसा, आशीष कुमार पाल ढेकानाल उड़ीसा, विजयलक्ष्मी शर्मा असम, स्मृति कश्यप असम, संदीप मौर्य वाराणसी, अमन सिंह मिजार्पुर, श्रवण रॉक कैमूर बिहार को सम्मानित किया गया। समारोह में विशेष योगदान के लिए ग्राम प्रधान सुनील कुमार मौर्य अजमतपुर कोडर, बदरका पुलिस चैकी के समस्त स्टाफ को भी सम्मानित किया गया। लोक नृत्य समूह का प्रथम पुरस्कार निखिला उत्कल कलानिकेतन कटक व नीता नृत्यांगना उड़ीसा को संयुक्त रुप से मिला। आधुनिक समूह नृत्य का प्रथम पुरस्कार बोल्ड डांस अकैडमी आजमगढ़, द्वितीय पुरस्कार, आर डी अफ डांस अकैडमी आजमगढ़ तथा तृतीय पुरस्कार दिवी डांस एकेडमी दोहरीघाट को मिला। इस अवसर पर भाजपा नेता व पूर्व प्रत्याशी अखिलेश कुमार मिश्र गुड्डू, प्रवीण कुमार सिंह, शैलेंद्र अग्रवाल, सुभाष चंद श्रीवास्तव, सुनील अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल लड्डू, संजय अग्रवाल, पवन अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह को सफल बनाने के लिए उपाध्यक्ष डॉ शशि भूषण शर्मा, मनोज मौर्य, राकेश कुमार, रवि चैरसिया, अमरजीत विश्वकर्मा, कमलेश सोनकर, शशि सोनकर, सहित संस्थान पदाधिकारी लगे हुए है। संचालन सुनील दत्त विश्वकर्मा ने किया।

बैरकों की तलाशी के दौरान बरामद हुए तीन मोबाइल

आजमगढ़। इटौरा जेल में बंद कुख्यात अपराधियों द्वारा संचालित किए जा रहे आपराधिक नेटवर्क को ध्वस्त करने में जेल प्रशासन नाकाम साबित हो रहा है। शुक्रवार को जेल की बैरकों के निरीक्षण के दौरान तीन मोबाइल फोन की बरामदगी इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। इस मामले में जेलर की तहरीर पर सिधारी थाने में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जेल प्रशासन द्वारा शुक्रवार को जेल परिसर में स्थित बैंरकों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान बैरक नंबर आठ तथा आठ-ए की तलाशी के दौरान जेल प्रशासन ने सुरक्षित ठिकानों पर छिपाए गए तीन अदद मोबाइल फोन बरामद किया। हालांकि मोबाइल किसके द्वारा छिपाकर रखे गए थे, इस बात की जानकारी नहीं हो सकी। इस संबंध में जेल प्रशासन ने दोनों बैंरको में बंदियों से पूछताछ की लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। देर शाम जेलर विकास कटिहार की तहरीर पर सिधारी थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया।

ऑटो पर गिरा गन्ना लदा ट्रक, कई जख्मी

जनसंदेश न्यूज

अतरौलिया (आजमगढ़)। स्थानीय थाना क्षेत्र के गदनपुर के समीप एक गन्ना लदी ट्रक पलटने से मरीजों को लेकर जा रहे टेम्पो सवार लोगो को गंभीर चोटें आई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अतरौलिया से 8 मरीजों को लेकर बूढ़नपुर की तरफ जा रहे एक टेंपो के ऊपर गदनपुर के समीप एक ओवरलोड ट्रक से गन्ना पलट जाने से टेम्पो में सवार महिलाओं को गंभीर चोटें आई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी मौके पर पुलिस पहुंचकर एंबुलेंस के माध्यम से घायलों को नजदीकी 100 शैय्या अस्पताल पहुंचाया जहां लोगों का इलाज चल रहा है। टैंपू में सवार मंजू पत्नी रविंद्र कुमार 32 वर्ष शोभावती पत्नी जगदीश निवासी नारखोरा 45 वर्ष, साहिल पुत्र जगदीश निवासी नरखोरा 24 वर्ष, प्रवीन पुत्र राजाराम निवासी चकिया 26 वर्ष समेत अन्य लोगों को चोटे आई जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं ओवरलोड गन्ना लदी ट्रक की वजह से भयानक दुर्घटना होने से बाल-बाल लोग बचे। जहां टेंपो के ऊपर ही गन्ना पलट गई वह तो संजोग अच्छा ही था कि स्थानीय लोगों के प्रयास से टेम्पो सवार लोगो की जान बचाई जा सकी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सड़क से गन्ना हटवाया जिससे आवागमन बाधित नही हुआ। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिदिन ओवरलोड ट्रकों की वजह से लोगों को दुर्घटना होने का भय बना रहता है।

संक्षेप

देशी शराब के साथ एक महिला सहित दो तस्कर गिरफ्तार

बारा। नए साल के अवसर पर बिहार में शराब तस्करी को लेकर पुलिस की सक्रियता बढ़ गई है। बृहस्पतिवार व शुक्रवार को गहमर पुलिस ने अलग-अलग जगहों से 130 शीशी देसी शराब बरामद करने के साथ बिहार की एक महिला तस्कर सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार तस्करों में बक्सर जिले के धनसोई थाना क्षेत्र के पर्सियां गांव निवासी हरेराम कुमार, इटाढ़ी थाना क्षेत्र के कोच डेरा निवासी अभय कुमार सिंह, मुफस्सिल थाना बक्सर के नादाव गांव की महिला तेतरी देवी शामिल हैं। प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार उपाध्याय ने बताया कि हरेराम कुमार को 45 शीशी देसी शराब के साथ उप निरीक्षक राम कुमार दुबे ने भदौरा तिराहे पर पकड़ा। अभय कुमार सिंह को 40 शीशी देसी शराब के साथ भतौरा रेलवे क्रासिंग के पास से पकड़ा गया। महिला तस्कर तेतरी देवी को 45 शीशी देसी शराब के साथ भदौरा पूर्वी रेलवे क्रासिंग से गिरफ्तार किया गया। सभी तस्करों पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

दस हजार का इनामी गो तस्कर गिरफ्तार

गहमर/बारा। गहमर कोतवाली पुलिस ने शनिवार को कर्मनाशा के तटवर्ती गांव देवल से गो तस्करी करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के ऊपर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने पकड़े गए बदमाश के खिलाफ लिखपढ़ी कर चालान कर दिया।शनिवार को गहमर कोतवाली में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार उपाध्याय ने बताया कि पकड़ा गया वांछित दस हजार का इनामी मोहित बाबू पुत्र राजेंद्र बाबू निवासी भवानीपुर रितौर थाना इकदिल जनपद इटावा को उप निरीक्षक अश्वनी प्रताप सिंह ने गहमर थाना क्षेत्र के देवल गांव से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि 31 मार्च 2022 को गहमर पुलिस को सूचना मिली थी कि गो तस्कर डीसीएम वाहन में गोवंश को बिहार ले जा रहे हैं। उक्त सूचना पर पुलिस ने छह तस्करों को गिरफ्तार कर केस दर्ज किया गया था। उक्त बदमाश फरार हो गया था जिस पर दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। गहमर कोतवाली के उप निरीक्षक अश्वनी प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ लिखापढ़ी करके चालान कर दिया गया।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का उठाए लाभः दिलीप राठौर

गाजीपुर। केवीएस इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर मरदापुर, सादात के तत्वाधान में शनिवार को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 120 महिलाओं व पुरुषों के मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया। जबकि 165 मरीजों का पंजीकरण किया गया। नेत्र सर्जन डॉ. निशांत सिंह ने नेत्र संबंधी रोग से ग्रसित मरीजों का ऑपरेशन करने के साथ ही चिकित्सकीय सलाह और चश्मा तथा दवा का वितरण किया। संयोजक प्राचार्य इंजी. दिलीप राठौर ने बताया कि फरवरी 2023 तक प्रत्येक शनिवार को नेत्र शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष से अब तक लगभग 5455लोगों का निःशुल्क सफल ऑपरेशन किया गया था। जबकि इस वर्ष अब तक 780लोगों का पंजीकरण हो चुका है। इनमें से 780लोगों का ऑपरेशन किया जा चुका है। इस शिविर में समीपवर्ती जनपद के लोगों को भी चिकित्सकीय सुविधा दिया जा रहा है। शिविर के आयोजन में प्रशासनिक अधिकारी डॉ रामअवध यादव,अनुज कुमार यादव मनोज यादव, अजीत कुमार, आरके कटारिया, आदि का सराहनीय योगदान रहा।

यूपी बोर्ड सहित त्यौहारों को लेकर तीन माह तक 144 धारा लागू

गाजीपुर। यूपी बोर्ड परीक्षा, नववर्ष,मकर संक्राति एवं होली पर्व को शांति पूर्ण ढ़ग से संपंन कराने के लिए जिला प्रशासन ने तीन माह का 144 धारा लागू किया है। इस आशय की जानकारी एडीएम अरूण कुमार सिंह ने दी है। आगे उन्होंने बताया कि अतिरिक्त शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु कोई व्यक्ति ऐसे उपकरण आदि का प्रयोग नहीं करेगा, जो उसके लिए निषिद्ध हो। कोई भी व्यक्ति गलत खबरें या अफवाहें, जिससे शान्ति भंग होने की आशंका हो सकती है, नहीं फैलायेगा और न किसी प्रकार ऐसी अफवाहों को किसी अन्य माध्यम से किसी दूसरे व्यक्ति के पास भेजेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह किसी सार्वजनिक स्थल, धार्मिक स्थान एवं परीक्षा केन्द्र आदि पर नशीले पदार्थों का सेवन किसी भी परिस्थिति में नहीं करेगा। किसी भी धार्मिक स्थल का प्रयोग धार्मिक उन्माद फैलाने, भाषण आदि के लिए नहीं किया जायेगा, उक्त आदेश धार्मिक जुलूसों एवं परम्परागत त्यौहार, शवयात्रा, परम्परागत तथा सार्वजनिक रास्ते गुजरने वाले उक्त जुलूसों पर प्रभावी नहीं होगा। यह जनपद सीमा क्षेत्र में 30 दिसंबर से तीन माह तक अथवा इसके पूर्व जब तक इस आदेश को वापस न ले लिया जाय, प्रभावी रहेगा।

शीतलहर और बढ़ी ठंड से जनजीवन प्रभावित

परेशानी

घने कोहरे ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें, वाहनों की रफ्तार पर लगा ब्रेक

कोहरे में लिपटा रहा जिला, वाहनों को हेड लाइट जलाकर पड़ा चलना

जनसंदेश न्यूज

विकास भवन चौराहे पर सुबह आठ बजे छाया कोहरा।

गाजीपुर। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र शनिवार को कोहरे में लिपटा रहा। जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो गया। छायी घने कोहरे के कारण दो पहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

धुंध के कारण वाहन चालकों को सुबह दस बजे तक वाहनों की हेडलाइट्स के सहारे चलना पड़ा। छाए घने कोहरे से जहां जनजीवन पुरी तरह से प्रभावित हुआ वही सड़क, रेल यातायात भी बाधित रहा, जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ा। कई बसें, ट्रेन अपने समय पर नहीं पहुंचने के कारण यात्री अपने गंतव्य तक समय पर पहुंच सके। सुबह नौ बजे तक क्षेत्र में छायी कोहरे के परत के कारण सौ मीटर की दूरी भी देखना मुश्किल था। जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दस बजे के बाद सूर्य देवता के दर्शन देने के बाद निकली धूप से लोगों को सर्दी से थोड़ी राहत मिली। धुंध के कारण वाहन चालकों को खासकर बसों को भी धीमी गति से चलाया गया। घने कोहरे के कारण लोग दोपहर तक घरों में दुबके रहे। जिससे आमजन जीवन भी प्रभावित हआ। जिले में अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन-चार दिनों बाद सर्दी और बढेगी और कोहरे से लोगों को परेशानी भी झेलनी होगी। साथ ही वाहन चालकों को हेड लाइट और पार्किंग लाइट के सहारे चलना पड़ सकता है।

ट्रेनों की रफ्तार पर लगा ब्रेक,यात्री रहे परेशान

घने कोहरे के कारण ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। डीएमयू समेत एक्सप्रेस गाडियां भी घंटों देरी से चल रही है। ऐसे में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरा इतना घना था कि सामने पचास-सौ मीटर दिखना भी मुश्किल हो रहा था। सबसे ज्यादा परेशानी दैनिक यात्रियों को हुई। सिटी रेलवे स्टेशन पर सुबह आठ बजे लखनऊ-छपरा और सुहेलदेव एक्सप्रेस सवा घंटे लेट होने के कारण यात्रियों भी भीड़ और बढ़ गई। सद्भावना अप में सात घंटे तो डाउन में साढ़े तीन घंटे व तिनसुकिया एक्सप्रेस दो घंटे विलम्ब से आई। शुक्रवार रात से ही कोहरा पडना शुरू हो गया था। शनिवार की सुबह होते-होते घना कोहरा छा गया। कोहरे से इस सेक्शन से गुजरने वाली अधिकांश लंबी दूरी की गाडियां तीन से सात घंटे की देरी से चली। रेलवे प्रवक्ता का कहना है कि कोहरे के चलते आने वाले दिनों में भी यही समस्या बनी रहेगी।

ट्रक लूटकांड का इनामियां बदमाश चढ़ा पुलिस के हत्थे

गहमर/बारा। गहमर कोतवाली पुलिस ने स्वाट टीम के साथ ट्रक लूटकांड में फरार चल रहे 15 हजार के इनामी वांछित को गिरफ्तार कर लिया है। वांछित का खुलासा प्रभारी निरीक्षक ने गहमर थाने में किया। प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार उपाध्याय ने शनिवार को गहमर थाने में खुलासा करते हुए बताया कि सरायकेला जनपद के आदित्यनगर थाना क्षेत्र में 8 सितंबर को 19.64 मिट्रिक टन सरिया लदे झारखंड नंबर ट्रक के चालक का अपहरण कर ट्रक लूट लिया था। ट्रक चालक की हत्या कर शव को झारखंड में फेंक दिया था। मामले में वांछित और पुलिस में मुठभेड़ हुई जिसमें वांछित पुलिस पर फायर कर फरार हो गया था। पुलिस ने लूटा ट्रक बरामद कर लिया था। आरोपी द्वारा 22 सितंबर को सदर कोतवाली पुलिस पर भी फायर किया गया था। आरोपी पर गहमर थाना में विभिन्न मामलों में मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने शुक्रवार की शाम वांछित श्रवण कुमार उर्फ छोटू यादव पुत्र रामजी प्रसाद यादव निवासी पंचमहला थाना खुदागंज जनपद नालंदा बिहार को गिरफ्तार कर लिया। उसके ऊपर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक गहमर पवन कुमार उपाध्याय, उप निरीक्षक अशोक कुमार तिवारी, उप निरीक्षक सुरेंद्रनाथ सिंह, छोटू राय, कांस्टेबल सद्दाम हुसैन, स्वाट टीम हेड कांस्टेबल आशुतोष सिंह व चंद्रमणि त्रिपाठी आदि रहे।

दबंगों ने ठेला चालक को पीटा, इलाज के दौरान मौत

दबंगई

बीस रूपए के लिए हुआ था विवाद

जमानियां। ठेला चालक से पैसे की विवाद में दबंगों ने लाठी डंडो से पीटकर अधमरा कर दिया। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

कोतवाली क्षेत्र के सुभानटोली मोहल्ला निवासी ठेला चालक को पैसे की विवाद में सोमवार की दबंग किस्म के लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। तीन दिन बाद शुक्रवार को ठेला चालक का इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पत्नी चन्दा का कहना है कि बिते 26 तारीख कि सुबह करीब 8 बजे मेरे पति अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने गये। जहां से वापसी के दौरान पठानटोली मोहल्ला निवासी अतायेवारीश खां उर्फ फुद्दून मिले। जिनके पास मेरे पति का 20 रूपया बाकि था। मेरे पति ने जब पैसा मांगा तो उसने गाली गलौज करते हुए उन्हें मारपीट कर घायल कर दिया। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज कर घायल मेरे पति खलील शाह उर्फ बुधन (32) को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमानियां में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी के ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान घायल ठेला चालक की तीन दिन शुक्रवार की सुबह करीब 12 बजे मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक वंदना सिंह ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। जल्द ही आरोपी पुलिस के कब्जे में होगा।

पुलिस ने लुटेरे को पकड़ा,दो साथी फरार

नंदगंज। थाना क्षेत्र के अतरसुआ ओवर ब्रीज के समीप शनिवार को सुबह एक लुटेरे को पुलिस ने घटना के 12 घंटे के अंदर धर दबोचा उसके पास लूट गई मोबाइल तथा एक बाइक बरामद हुई है। पुलिस ने सम्बन्धित धारा में चालान कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष महेन्द्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार की रात करीब 9:30 बजे सम्मनपुर निवासी अमीन पुत्र आसिफ बस से इलाहाबाद से आकर अतरसुआ हाइवे ओवर ब्रिज के पास बस से उतरकर पैदल अपने घर सम्मनपुर जा रहा था। तभी सिहोरी के पास एक बाइक से तीन लोग आये और उसे रोककर उसके पास से मोबाइल तथा 4700 रुपया नगद छिनकर धमकाते हुए भाग गये। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गयी। इसी बीच उपनिरक्षक रमेश पटेल अपने हमराहियों के साथ शनिवार को रामपुर बन्तरा हाइवे पर सुबह सात बजे गस्त कर रहे थे कि मुखबिर की सूचना पर की अतरसुआ ओवरब्रिज के पास कुछ लुटेरे बाइक से किसी घटना को अंजाम देने के लिए खड़े है। इस सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुँची तो लुटेरे पुलिस को देखते ही भागने लगे ।पुलिस ने एक लुटरे को दौड़ाकर धर दबोचा। जबकि अन्य दो युवक भाग गए। पकड़े गए युवक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम विकास पासी निवासी डिहिया बताया। उसने अपने साथियों का नाम पता बताया है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल और एक बाइक बरामद किया है। पकड़े गये युवक को सम्बन्धित धारा में चालान कर जेल भेज दिया गया । थानाध्यक्ष ने बताया कि पकड़ा गया युवक अपने साथियों के साथ हाइवे पर राहगीरों को लूटते रहते थे। पुलिस को इनकी बहुत दिनों से तलाश थी। भागे युवकों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

ओमजी ग्रुप के संस्थापक स्व. सूर्यनाथ सिंह को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि

पुण्यतिथि पर कॉलेज संचालक राजनीतिज्ञ और समाजसेवियों ने किया प्रतिभाग

ओम जी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन जखनियां में स्व. सूर्यनाथ सिंह की पुण्यतिथि में श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोग।

गाजीपुर। अखिल भारतीय अनएडेड विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय एसो. नई दिल्ली के राष्ट्रीय महासचिव व ओम जी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन जखनियां के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. मनोज कुमार सिंह के पिता स्व. सूर्यनाथ सिंह को उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर नम आंखों से याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। शास्वत सूर्यवंशी महाविद्यालय अतिगांवा प्रांगण में शनिवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा और स्मृति भोज में जनपद से लगायत प्रदेश के अन्य जनपदों से पधारे शिक्षा जगत से जुड़े लोगों और राजनीतिज्ञों तथा समाजसेवियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की चर्चा करते हुए उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। स्वभाव से काफी सरल और मृदुभाषी रहे स्व. एसएन सिंह ने परोपकार को अपनी जिंदगी का लक्ष्य बनाकर जीवन जीने का काम किया। इस अवसर पर डॉ. मनोज, अमित,शिवकांत,संजय सिंह, टिंकू, ओम, अनिल यादव, विपिन सिंह, अटल सिंह, सर्वानन्द सिंह झुन्ना, आलोक यादव, उमेश यादव, डॉ. विजय बहादुर यादव, सुरेन्द्र यादव, जवाहिर यादव, रामचन्द्र, पप्पू यादव, रामनगीना यादव, भुल्लन सिंह, विमल सोनकर, बाला यादव, संतोष यादव, देशबंधु यादव चिंटू, प्रमोद कुमार पप्पू, अजीत सिंह काली, अर्जुन पाण्डेय, डब्लू, वीरेंद्र यादव सहित अनेक कालेजों के प्रबन्धक व गणमान्यजन मौजूद रहे।

गरीबों की सेवा के प्रति रहें सदैव तत्पर

गाजीपुर जिले के जखनियां तहसील अंतर्गत अतिगांवा ग्राम स्थित एक साधारण परिवार में 10 जुलाई 1950 को जन्में स्व. एसएन सिंह एक साधारण परिवार से थे। वह दूरसंचार विभाग में ऑफिस सुपरिटेंडेंट (ओ.एस.) के पद पर सेवा देते हुए सेवानिवृत्त हुए। अपने जीवनकाल में असहायों व जरूरतमंदों की सेवा के प्रति सदैव तत्पर रहे।

जनसंदेश टाइम्स
मनी मैटर्स
वाराणसी, रविवार, 1 जनवरी 2023

सेंसेक्स
223.60 अंक की बढ़त के साथ 61,133.88 अंक पर बंद हुआ

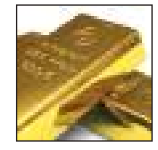

सोना
21 रुपये नीचे आकर 54963 रुपये प्रति 10 ग्राम

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार एक फीसदी चढ़ा

सेंसेक्स 293 अंकों की गिरावट के साथ 60840 पर बंद

मुंबई । भारतीय इक्विटी बाजार में तीन सप्ताह की गिरावट का सिलसिला टूट गया। ये पिछले कारोबारी हफ्ते (2022 के अंतिम सप्ताह) के दौरान एक प्रतिशत से अधिक बढ़ गया। वोलैटिलिटी मंथली फ्यूचर एंड ऑप्शन एक्सपायरी और चीन द्वारा कोविड प्रतिबंधों में छूट के बीच 30 दिसंबर को समाप्त हुए हफ्ते में बढ़त देखने को ?मिली। बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर बैंकिंग यूटिलिटीज एफएमसीजी पावर और टेक समेत 12 समूहों में हुई बिकवाली से साल के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार गिरकर बंद हुआ। बीते पांच कारोबारी ?दिनों पर नजर डालें तो सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 90 अंकों की गिरावट के साथ 59755 के लेवल पर खुला और 721 अंकों की तेजी के साथ 60566 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 24 अंकों की बढ़त के साथ 17830 पर खुला और 207 अंकों की तेजी के साथ 18014 पर बंद हुआ। सेंसेक्स मंगलवार को 295 अंकों के उछाल के साथ 60861 पर खुला और 361.01 अंकों की मजबूती के साथ 60927.43 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी में 197 अंकों की तेजी के साथ 42827 पर खुला और 117.70 अंकों की बढ़त के साथ 18132.30 अंकों पर बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स 115 अंकों की गिरावट के साथ 60811 पर खुला और 17 अंकों की गिरावट के साथ 60910 पर बंद हुआ। निफ्टी 47 अंकों की गिरावट के साथ 18084 पर खुला। बैंक निफ्टी 126 अंकों की गिरावट के साथ 42733 पर खुला और 9 अंकों की गिरावट के साथ 18122 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 278 अंकों की गिरावट के साथ 60631 पर खुला और 223 अंकों की बढ़त के साथ 61133 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी में 142 अंकों की गिरावट के साथ 42684 पर खुला और 424 अंक चढ़कर 43252 अंकों पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 103.99 अंकों की बढ़त के साथ 61237.87 पर खुला और 293 अंकों की गिरावट के साथ 60840 पर बंद हुआ। निफ्टी 41.60 अंकों की बढ़त के साथ 18232.60 पर खुला और 85 अंकों की गिरावट के साथ 18105 पर बंद हुआ।

टाटा कंज्यूमर ने जोकेल्स के 23 प्रतिशत अतिरिक्त शेयर खरीदे

मुंबई। रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने 43.65 करोड़ रुपए में एक अनुषंगी कंपनी के जरिये दक्षिण अफ्रीका स्थित जोकेल्स टी पैकर्स के 23.3 प्रतिशत अतिरिक्त शेयर हासिल किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी एक सूचना में कहा ?कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ओवरसीज होल्डिंग्स लिमिटेड (टीसीपी ओवरसीज) ने टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स यूके ग्रुप के जरिये दक्षिण अफ्रीका के अपने संयुक्त उद्यम भागीदारों से जोकेल्स टी पैकर्स की शेयर पूंजी का 23.3 प्रतिशत खरीदने का फैसला किया है। इसमें कहा गया है कि यह सौदा शेयरधारक करार और शेयर खरीद समझौते की शर्तों के अनुरूप है। इसे टीसीपी ओवरसीज जोकेल्स और संयुक्त उद्यम भागीदारों ने अंतिम रूप दिया है। टाटा समूह की एफएमसीजी इकाई ने हिस्सेदारी के अधिग्रहण की लागत पर कहा कि यह सौदा 43.65 करोड़ रुपये और समायोजित राशि पर हुआ है। इस अधिग्रहण से जोकेल्स में टीसीपी ओवरसीज की हिस्सेदारी 51.7 प्रतिशत से बढ़कर 75 प्रतिशत हो गई है।

बुनियादी उद्योगों का उत्पादन नवंबर में 5.4 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। कोयला उर्वरक इस्पात सीमेंट और बिजली क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से देश के आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन नवंबर में 5.4 प्रतिशत बढ़ गया जबकि एक साल पहले इसकी वृद्धि 3.2 प्रतिशत रही थी। जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नवंबर महीने में कच्चा तेल प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पादन में गिरावट आई। इसके पहले अक्टूबर महीने में आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 0.9 प्रतिशत रही थी। आठ बुनियादी उद्योगों कोयला कच्चा तेल प्राकृतिक गैस रिफाइनरी उत्पाद उर्वरक इस्पात सीमेंट और बिजली की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान आठ प्रतिशत रही है जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 13.9 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार कोयला उत्पादन में सालाना आधार पर इस साल नवंबर में 12.3 प्रतिशत उर्वरक में 6.4 प्रतिशत इस्पात 10.8 प्रतिशत सीमेंट 28.6 प्रतिशत और बिजली में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कुल औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में बुनियादी उद्योगों का भारांश 40.27 प्रतिशत है। इससे इसका असर औद्योगिक उत्पादन पर भी दिखेगा। सरकार नवंबर महीने का आईआईपी आंकड़ा जनवरी 2023 के दूसरे सप्ताह में जारी कर सकती है। इस बारे में रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि बुनियादी उद्योगों में वृद्धि का असर औद्योगिक उत्पादन सूचकांक पर दिखेगा और इसमें तीन से चार प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। हालांकि इंडिया रेंटिंग्स ने कहा कि बुनियादी उद्योगों का पुनरुद्धार व्यापक नहीं है क्योंकि रिफाइनरी उत्पाद कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस का प्रदर्शन अभी भी कमजोर बना हुआ है। उसने कहा ?कि हालांकि आठ बुनियादी उद्योगों में नवंबर में सालाना आधार पर वृद्धि से औद्योगिक उत्पादन वृद्धि को मदद मिलेगी।

लगातार दूसरे सप्ताह घटा देश का विदेशी मुद्रा भंडार

मुंबई। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह कमी देखी गई है। 23 दिसंबर 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान यह 69.1 करोड़ डॉलर घटकर 562.808 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले 16 दिसंबर 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान भी विदेशी मुद्रा भंडार घटा था। तब यह 57.1 करोड़ डॉलर घटकर 563.499 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले लगातार पांच सप्ताह तक विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई थी। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से सामने आई है। यदि बीते 23 दिसंबर और 16 दिसंबर को समाप्त सप्ताह को छोड़ दें तो इससे पहले लगातार पांच सप्ताह तक भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में अच्छी बढ़ोतरी हुई थी। नौ दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.91 अरब डॉलर बढ़कर 564.06 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 11 अरब डॉलर बढ़कर 561.16 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। अक्टूबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन वैश्विक घटनाक्रमों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपए की विनियम दर में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने की वजह से बाद में इसमें गिरावट आई थी।

2023 में सोने का निवेश दे सकता है पैसा 61 हजार के आंकड़े को छू सकता है

मार्च 2022 से पूरे साल सोने की कीमतों में मंदी दिखाई दी

नई दिल्ली। साल 2022 गोल्ड निवेश के लिए ज्यादा उत्साहजनक नहीं रहा। मार्च 2022 से पूरे साल सोने की कीमतों में मंदी दिखाई दी। हालांकि पिछले कुछ माह में पीली धातु की कीमतों में तेजी आई है। सोने की कीमतों में इनदिनों ताबड़तोड़ तेजी देखने को मिल रही है। गोल्ड के भाव ने 56000 रुपये के लेवल को पार कर गया है। आगामी वर्ष में भी तेजी का रुझान दिख रहा है।

एलबीएमए गोल्ड स्पॉट 1800 डॉलर प्रति औंस के स्तर के करीब कारोबार कर रहा है। इससे पहले कीमत 2000 डॉलर से ऊपर पहुंच गई थी। वहीं 2022 के मध्य में 1615 डॉलर के निचले स्तर पर थीं। जो लगातार 7 माह का निचला स्तर था। दूसरी ओर डॉलर इंडेक्स (डीएक्सवाई) में तेजी का कारोबार हुआ है और यह 114 के स्तर पर पहुंच गया है। तब से कीमत गिरावट के मोड में है।

सोने की कीमत सितंबर 2022 में 49000 रुपये के आस पास थी। वहीं दिसंबर माह की शुरूआत में 55000 रुपये से बढ़कर 56191 के उच्च स्तर पर पहुंच गई। जो 2023 में टूटने के लिए सबसे बड़ी बाधा होगी। अगर गोल्ड के रेट में इसी तरह की तेजी बरकरार रहती है तब 2023 में और तेजी की उम्मीद कर सकते हैं।

जानकारों का मानना है कि दुनियाभर के सेंट्रल बैंक लगातार गोल्ड में खरीदारी कर रहे हैं। इसकारण गोल्ड में तेजी की उम्मीद की जा सकती है। कमोडिटी जानकारों का मानना है कि अगले साल तक गोल्ड का भाव 58888 से 61111 के लेवल पर पहुंच सकता है। वैश्विक बाजारों में तेजी के रुख के बीच दिल्ली सरार्फा बाजार में शुक्रवार को सोना 205 रुपये की तेजी के साथ 55210 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। इससे पिछले सत्र में सोने का भाव 55005 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि चांदी 30 रुपये की गिरावट दशार्ते हुए 69698 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।

अमेजन फ्रेश ने सुपर वैल्यू डेज की घोषणा की

नई दिल्ली। बेहतरीन अंदाज में नए साल की शुरूआत करें और 8 जनवरी तक अमेजन फ्रेश पर इस सुपर वैल्यू डेज के दौरान अपनी जरूरत के किराने के सामान की खरीद करें। इस विंटर सीजन के आनंद को और शानदार बनाने के लिए स्ट्रॉबेरी, शहतूत, गाजर, पालक, मेथी जैसी सीजन की पसंदीदा चीजों के साथ रोजमर्रा की जरूरी चीजों को अपने कार्ट में शामिल करें। कस्टमर्स अमेजन फ्रेश पर खरीदारी करके जरूरी किराना, घरेलू सामान, पैकेज्ड फूड, स्नैक्स और बेव्रिजिज, स्टेपल आदि पर 45% तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। दावत, हिमालय, फॉर्च्यून, गोदरेज, और डाबर जैसे लोकप्रिय ब्रांडों के कुछ उम्दा ऑफर के साथ अपनी फेवरेट विंटर रेसिपीज को अपने पसंदीदा ऑनलाइन शॉपिंग में शामिल करें। कस्टमर्स 4 से 7 जनवरी 2023 तक न्यूनतम 2,500 रुपये के ट्रांजेक्शन और 300 रुपये तक की छूट के साथ आईसीआईसीआई क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर 10% के इंस्टेंट डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं।

इक्विटी निवेशकों की संपत्ति 2022 में 16.36 लाख करोड़ बढ़ी

मुंबई। विश्लेषकों ने कहा कि बेहतर व्यापक आर्थिक बुनियाद खुदरा निवेशकों का विश्वास और 2022 के आखिर के महीनों में विदेशी निवेशकों की वापसी से घरेलू इक्विटी में तेजी देखी गई। शेयर बाजारों के निवेशकों की संपत्ति इस साल 16.36 लाख करोड़ रुपए से अधिक बढ़ी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और मुद्रास्फीति की चिंताओं के बावजूद शेयर बाजार नयी ऊंचाई पर पहुंच गया। साल के शुरूआती दौर में रूस-यूक्रेन युद्ध से बाजारों को झटका लगा था। रूस ने जब 24 फरवरी को यूक्रेन पर अपना हमला शुरू किया तो 30 शेयरों वाला बीएसई संसेक्स 2702.15 अंक की भारी गिरावट दर्ज करते हुए 54529.91 अंक पर बंद हुआ। बाद के महीनों में प्रमुख सूचकांक ने खोई हुई जमीन को पुनः प्राप्त किया और इस वर्ष 29 दिसंबर तक 2880.06 अंक चढ़ गया। अमेरिका आधारित हेज फंड हेडोनोवा के सीआईओ सुमन बनर्जी का कहना है कि बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और तेल की बढ़ती कीमतों के सामने लचीलेपन का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि 2022 में भारतीय शेयर बाजार ने चुनौतियों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद बढ़त दर्ज की। उन्होंने कहा कि इस साल खुदरा निवेशकों ने भी भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत भरोसा दिखाया और एसआईपी में निवेश 2022 में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स का शेयर कर रहा शानदार परफॉर्म

नई दिल्ली। राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफएल) भारत सरकार का एक एंटरप्राइज है। यह यूरिया कॉम्प्लेक्स फर्टिलाइजर्स बायो-फर्टिलाइजर्स 100 प्रतिशत पानी में घुलनशील उर्वरकों और औद्योगिक रसायनों की विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करता है। लगभग 7600 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण के साथ यह अपने सेक्टर के सबसे मजबूत खिलाड़ी में से एक है। राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स (आरसीएफ) के स्टॉक ने शानदार परफॉर्म किया है। यह शेयर मजबूत खरीदारी के कारण 6 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। तकनीकी रूप से शेयर ने तेज वी-शेप रिकवरी की है। यह निचले स्तरों पर मजबूत सपोर्ट का संकेत दे रहा है। शेयर में खरीदारी की भावना काफी मजबूत है। जैसा कि वॉल्यूम में वृद्धि से स्पष्ट है क्योंकि यह 30-दिन की औसत वॉल्यूम से अधिक है। वर्तमान में स्टॉक अपने 52-सप्ताह के उच्च स्तर के पास कारोबार कर रहा है।

दो हफ्तों में क्रूड ऑयल के दाम में 8 फीसदी का इजाफा

मुंबई। वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल के दाम में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है और साल के आखिरी कारोबारी दिन क्रूड ऑयल के दाम में करीब 3 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। खास बात तो ये है कि दो हफ्तों में क्रूड ऑयल के दाम में 8 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। उसके बाद भी देश के चारों महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। 22 मई के बाद देश के चारों महानगरों में आखिरी बार फ्यूल के दाम में बदलाव देखने को मिला था। जानकारों की मानें तो साल 2023 के पहले महीने से पेट्रोल और डीजल के दाम में बदलाव देखने को मिल सकता है। साल के आखिरी कारोबारी दिन क्रूड ऑयल के दाम में करीब 3 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। ब्रेंट क्रूड ऑयल शुक्रवार को 3 फीसदी कर तेजी के साथ 86 डॉलर प्रति ओंस पर बंद हुए जबकि 16 दिसंबर के बाद से ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम में 8.19 डॉलर प्रति बैरल का इजाफा देखने को मिल चुका है। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी क्रूड ऑयल की कीमत में भी ढाई फीसदी से ज्यादा तेजी देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार 2.60 फीसदी की तेजी के साथ 80.44 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुए हैं। वैसे दो हफ्तों में डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल के दाम में 8 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। दूसरी ओर देश के चारों महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है।

भारत में प्रतिबंध के बाद भी आठ माह में 30 फीसदी बढ़ा गेहूं का निर्यात

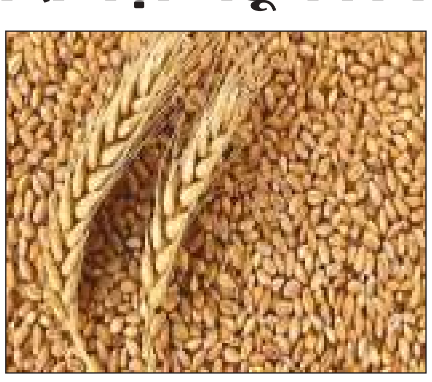

नई दिल्ली। इस साल देश में गेहूं के दाम में भारी बढ़ोतरी हुई है। इस समय आम आदमी के उपयोग का खुला आटा भी 35 रुपए किलो बिक रहा है। बाजार में गेहूं की बढ़ती कीमतों को देखते हुए इस साल मई में ही इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। तब भी इस साल अप्रैल से नवंबर तक गेहूं के निर्यात में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह जानकारी केंद्र सरकार के निर्यात आंकड़ों से मिली है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक प्रतिबंध के बावजूद गेहूं का निर्यात पिछले साल से भी ज्यादा रहा है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान यह 29.29 फीसदी बढ़ कर 1.50 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले साल इसी अवधि में 1.17 अरब डॉलर के गेहूं का निर्यात हुआ था। उल्लेखनीय है कि घरेलू बाजार में गेहूं की बढ़ती कीमतों को देखते हुए केंद्र सरकार ने मई में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि अनुरोध करने वाले देशों की खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए गेहूं के थोड़ा-बहुत निर्यात करने की अनुमति है।

भारत से इस साल सबसे ज्यादा गेहूं का निर्यात बंगलादेश को हुआ है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास परिषद के आंकड़ों के मुताबिक इस साल बंगलादेश को 4082843 मिलियन टन गेहूं का निर्यात किया गया। इससे भारत को 889398.88 लाख रुपए मिले। बांग्लादेश के बाद भारत से सबसे ज्यादा गेहूं का निर्यात श्रीलंका को किया गया। वहां इस साल अभी तक 582917 मिलियन टन गेहूं का निर्यात किया गया। इसके बाद संयुक्त अरब अमिरात का स्थान रहा। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक इस साल के शुरूआती आठ महीने में बासमती चावल का निर्यात भी बढ़ा है।

अप्रैल-नवंबर 2022 के दौरान चावल का निर्यात 39.26 फीसदी बढ़ कर 2.87 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसी अवधि में गैर-बासमती चावल का निर्यात 5 फीसदी बढ़कर 4.2 अरब डॉलर का रहा। चालू वित्त वर्ष के आठ महीनों में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात 16 प्रतिशत बढ़कर 17.43 अरब डॉलर का हो गया।

नए साल के साथ कुछ नियमों में होगा बदलाव, गाड़ी खरीदना पड़ेगा महंगा

नई दिल्ली। दिसंबर का महीना खत्म होने वाला है। अगले सप्ताह से नए साल यानी 2023 की शुरूआत होगी। नए साल में कई इसतरह के बदलाव होने जा रहे हैं जिनके बारे में आपको जानकारी होना चाहिए है। ये बदलाव सीधे आपकी जेब पर असर डालने वाले हैं। नए साल पर बैंकिंग और बीमा सहित कई सेक्टरों में बदलाव होने जा रहे हैं। नए साल पर जहां गाड़ियों के दाम बढ़ रहे हैं। वहीं क्रेडिट कार्ड के नियमों में भी बदलाव हो रहा है। एनपीएस से ऑनलाइन निकासी की सुविधा भी बंद होगी। ज्यादातर महीने की पहली तारीख या पहले सप्ताह में सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में बदलाव होता है। कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतें नवंबर 2022 की शुरूआत में घटी थीं। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था। दिल्ली और मुंबई में महीने के शुरूआती हफ्ते में पेटोलियम कंपनिया गैस के दाम में बदलाव करती है। हालांकि पिछले कुछ महीनों में दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में सीएनजी और पीएनजी के रेट में बढ़ोतरी हुई है। 2023 में गाड़ियों के दाम बढ़ जाएंगे। मारुति सुजुकी किया इंडिया एमजी मोटर हुंडेई आदि ज्यादातर कार कंपनियां नए साल से अपनी गाड़ियों के रेट बढ़ाने की बात कह चुकी हैं। इसके बाद नए साल पर आपको गाड़ी खरीदने पर ज्यादा पॉकेट ढीली करनी होगी। इसी के साथ अगर आपकी गाड़ी में अभी तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगी है तब इस फटाफट लगवा लें। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने की अगर समय सीमा नहीं बढ़ाई गई तब आपको 5 हजार तक का भारी जुमार्ना भरना पड़ सकता है। अगर आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तब इसमें आपको रिवार्ड प्वाइंट्स मिलते हैं। अगर आपके क्रेडिट कार्ड में रिवार्ड प्वाइंट्स हैं तब उन्हें रिडीम (भुना) जरूर लें। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक कई बैंकों में रिवार्ड प्वाइंट्स संबंधी नियम भी 1 जनवरी 2023 से बदलने वाले हैं। इसकारण इन रिवार्ड प्वाइंट्स का इस्तेमाल दिसंबर में ही कर लें। इधर एक जनवरी 2023 से 5 करोड़ रुपये से ज्यादा के बिजनेस करने वालों के लिए ई इनवायसिंग यानी इलेक्ट्रानिक बिल निकालना अनिवार्य होगा। पहले यह सीमा 20 करोड़ रुपये थी। साल 2023 से इंश्योरेंस प्रीमियम महंगा हो सकता है। आईआरडीए वाहनों के इस्तेमाल और उनके रख-रखाव के आधार पर बीमा प्रीमियम को लेकर नए नियमों पर विचार कर रहा है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि नए साल से लोगों को महंगे इंश्योरेंस प्रीमियम का झटका लग सकता है।

संक्षेप

अडानी समूह के पास अब एनडीटीवी की 64.71 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली। अडानी समूह ने मीडिया कंपनी एनडीटीवी के संस्थापक प्रणय रॉय और उनकी पत्नी राधिका रॉय के पास मौजूद 27.26 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के साथ ही इस टेलीविजन नेटवर्क पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया। अडानी एंटरप्राइजेज ने शेयर बाजारों से कहा ?कि कंपनी की परोक्ष अनुषंगी और एनडीटीवी के प्रवर्तक समूह में शामिल आरआरपीआर ने एनडीटीवी में प्रणय रॉय और राधिका रॉय की 27.26 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण परस्पर अंतरण के माध्यम से कर लिया है। इस हिस्सेदारी खरीद के साथ ही अडानी समूह के पास अब एनडीटीवी की कुल 64.71 प्रतिशत हिस्सेदारी आ गई है। मीडिया कंपनी पर अडानी समूह का नियंत्रण स्थापित होने के कुछ देर बाद ही रॉय दंपती ने चार अन्य निदेशकों के साथ इस्तीफा दे दिया। प्रणय रॉय और राधिका रॉय एनडीटीवी के कार्यकारी सह-चेयरपर्सन थे। इस्तीफा देने वाले निदेशकों में डेरियस तारापोरवाला और स्वतंत्र निदेशक किंशुक दत्ता इंद्राणी रॉय एवं जॉन मार्टिन ओलॉन शामिल हैं। इसके साथ ही एनडीटीवी की तरफ से कहा गया कि उसके निदेशक मंडल ने अमन कुमार सिंह को गैर-कार्यकारी अतिरिक्त निदेशक और सुनील कुमार को गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। पिछले हफ्ते भी अडानी समूह ने संजय पुगलिया और सेंथिल एस चेंगलवरयन को निदेशक मनोनीत किया था।

गेहूं का रकबा 30 दिसंबर तक 3.59 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। गेहूं का कुल रकबा एक साल पहले की तुलना में 3.59 प्रतिशत बढ़कर 325.10 लाख हेक्टेयर हो गया है। रबी फसलों की बुवाई अब समाप्त होने की ओर है। शुक्रवार को जारी कृषि मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। रबी की मुख्य फसल गेहूं की बुवाई अक्टूबर से शुरू हो गई थी। मक्का ज्वार चना और सरसों अन्य प्रमुख रबी फसलें हैं। इन फसलों की कटाई अगले साल मार्च अप्रैल में शुरू होगी। ताजा आंकड़ों के अनुसार किसानों ने फसल वर्ष 2022-23 (जुलाई-जून) के मौजूदा रबी सत्र में 30 दिसंबर तक 325.10 लाख हेक्टेयर से भी अधिक रकबे में गेहूं की बुवाई की है जबकि पिछले वर्ष यह रकबा 313.81 लाख हेक्टेयर था।जिन राज्यों में बुवाई का रकबा अधिक रहा है उनमें उत्तर प्रदेश (3.59 लाख हेक्टेयर) राजस्थान (2.52 लाख हेक्टेयर) महाराष्ट्र (1.89 लाख हेक्टेयर) गुजरात (1.10 लाख हेक्टेयर) बिहार (0.87 लाख हेक्टेयर) मध्य प्रदेश (0.85 लाख हेक्टेयर)छत्तीसगढ़ (0.66 लाख हेक्टेयर) पश्चिम बंगाल (0.21 लाख हेक्टेयर) जम्मू और कश्मीर (0.08 लाख हेक्टेयर) असम (0.02 लाख हेक्टेयर) और झारखंड (0.03 लाख हेक्टेयर) शामिल हैं। कृषि मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रबी फसलों की बुवाई अब तक लगभग पूरी हो चुकी है। उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बुवाई गन्ने की कटाई के बाद जनवरी में की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि किसानों ने वर्ष 2023 में भी समर्थन मूल्य से अधिक कीमत मिलने की उम्मीद में अधिक रकबे में गेहूं की बुवाई की है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल की परिसंपत्तियां 2.5 लाख करोड़ के पार पहुंचीं

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 2.5 लाख करोड़ को पार कर चुकी हैं, जो कंपनी के प्रति इसके ग्राहकों द्वारा जताए गए भरोसे को दशार्ता है। यह ग्राहकोन्मुखी उत्पादों की पेशकश, नए व्यापार प्रीमियम में वृद्धि, उद्योग-अग्रणी स्थिरता अनुपात, बेहतर ग्राहक सेवा और बेहतरीन जोखिम-समायोजित रिटर्न प्रदान करने का परिणाम है।कंपनी ने 22 साल पहले दिसंबर 2000 में परिचालन शुरू किया था और वित्त वर्ष 2001 के अंत में लगभग 100 करोड़ का एयूएम था। कंपनी को 50,000 करोड़ का एयूएम हासिल करने में नौ साल लगे और 1 लाख करोड़ के आंकड़े को पार करने में 14 साल लगे। तब से, कंपनी को अपनी प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एयूएम) को दोगुना करके 2 लाख करोड़ करने में केवल छह साल लगे हैं और अगले 50,000 करोड़ को बढ़ाने में दो साल से थोड़ा कम समय लगा है, जिससे इसका कुल एयूएम 2.5 लाख करोड़ हो गया है। कंपनी द्वारा अपने एयूएम में 150 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 1 लाख करोड़ का आंकड़ा पार किए जाने के बाद से, इसकी वृद्धि की रफ्तार अधिक तेज हुई है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ 30 सितंबर, 2022 तक के न्यू बिजनेस सम एश्योर्ड के मामले में 15.7 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी के साथ निजी बाजार में अग्रणी बना हुआ है। परिवारों को वित्तीय सुरक्षा देकर उन्हें सक्षम बनाने में जीवन बीमा ने समाज में प्रमुख भूमिका निभाई है।

सीडीपी ने यस बैंक की रेटिंग को 'ए-' लीडरशिप बैंड में अपग्रेड किया

नई दिल्ली। यस बैंक ने घोषणा की कि उसे 2022 के जलवायु परिवर्तन के खुलासे के लिए कार्बन डिस्क्लोजर प्रोजेक्ट (सीडीपी) द्वारा 'ए-' रेटिंग से सम्मानित किया गया है। इस रेटिंग को प्राप्त करने से बैंक जलवायु प्रकटीकरण के लिए उच्चतम रेटिंग वाला भारतीय बैंक बन जाता है, जो इस क्षेत्र में एक जलवायु नेता के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि करता है। सीडीपी वार्षिक रूप से वैश्विक संगठनों को उनके जलवायु-संबंधी प्रदर्शन के आधार पर रेटिंग देता है। येस बैंक ने 12 में से 8 जलवायु-संबंधित प्रकटीकरण श्रेणियों में 'लीडरशिप बैंड' (ए/ए-) अर्जित किया, जिसमें जलवायु प्रशासन, स्कोप 1, 2 और 3 उत्सर्जन रिपोर्टिंग, उत्सर्जन में कमी की पहल, जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया, पोर्टफोलियो प्रभाव और शामिल हैं। जलवायु लक्ष्य, दूसरों के बीच में। सीडीपी के 680 से अधिक संस्थागत निवेशक हस्ताक्षरकताओं द्वारा रेटिंग तक पहुंचने की सूचना है, जिनकी कुल संपत्ति 130 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है। यस बैंक सीडीपी के लिए पहला भारतीय बैंकिंग हस्ताक्षरकर्ता था और 2009 से कार्बन खुलासा कर रहा है।

होनासा कंज्यूमर लिमिटेड ने सेबी के यहाँ डीआरएचपी दाखिल किया

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2022 में परिचालन से प्राप्त राजस्व के मामले में भारत की सबसे बड़ी डिजिटल-फर्स्ट ब्यूटी एंड पर्सनल केयर (बीपीसी) कंपनी (स्त्रोतः रेडसीर रिपोर्ट) और लोकप्रिय ब्रांड 'मामाअर्थ' की ओनर, होनासा कंज्यूमर लिमिटेड (कंपनी) ने बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के यहाँ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।कंपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) के माध्यम से इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य ? 10) की पेशकश के जरिए धन जुटाने की योजना बना रही है। इस आईपीओ में कुल 400 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू (फ्रेश इश्यू) और विक्रेता शेयरधारकों द्वारा 46,819,635 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ऑफर फॉर सेल) शामिल है। कंपनी ने नए निर्गम से होने वाली शुद्ध आय का उपयोग अग्रलिखित कार्यों में करने हेतु प्रस्ताव किया है - अपने ब्रांडों के बारे में जागरूकता और दृश्यता बढ़ाने के लिए के लिए विज्ञापन व्यय हेतु 186 करोड़ की राशि; कंपनी द्वारा नए ईबीओ की स्थापना हेतु 34.23 करोड़ की राशि का पूंजीगत व्यय; और 27.52 करोड़ की राशि से नए सैलून स्थापित करने के लिए अपनी सहायक कंपनी भबानी ब्लंट हेयरड्रेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (बीब्लंट) में निवेश; और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य एवं अज्ञात इनऑर्गेनिक अधिग्रहण।ऑफर फॉर सेल में - वरुण अलघ के 3,186,300 तक इक्विटी शेयर और गजल अलघ (प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स) के 100,000 इक्विटी शेयर; इवॉल्वेंस इंडिया कोइन्वेस्ट पीसीसी द्वारा अपने सेल ई के जरिए निवेश किए गए 220,613 इक्विटी शेयर, इवॉल्वेंस इंडिया फंड थर्ड लिमिटेड के 862,987 इक्विटी शेयर, फायरसाइड वेंचर्स इन्वेस्टमेंट फंड -वन के 7,972,478 इक्विटी शेयर, सोफिना वेंचर्स एस.ए. के 19,133,948 इक्विटी शेयर और स्टेलारिस वेंचर पार्टनर्स इंडिया क (₹इन्वेस्टर सेलिंग शेयरहोल्डर₹) के 12,755,965 इक्विटी शेयर; कुणाल बहल के 777,672 इक्विटी शेयर, ऋषभ हर्ष मारीवाला के 477,300 इक्विटी शेयर, रोहित कुमार बंसल के 777,672 इक्विटी शेयर और और अन्य विक्रेता शेयरधारकों के शेयर शामिल हैं।

स्पोर्ट्स

पंत के एक्सीडेंट की तस्वीरे और विजुअल साझा करने वालों को रोहित की पत्नी ने लताड़ा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज ऋषभ पंत के एक्सीडेंट के बाद से उनके कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसतरह के वीडियो से परेशान होकर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की पत्नी रितिका सजदेह ने पंत की दुर्घटना की तस्वीरें और विजुअल साझा करने वालों को लताड़ लगा दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा किसी इसतरह के व्यक्ति की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करने के लिए आपको शर्म आनी चाहिए जो आहत हैं। उनके परिवार और दोस्त हैं जो उन छवियों से बुरी तरह प्रभावित थे। बता दें कि पंत के माथे दाहिने घुटने पीठ टखने और कलाई में चोटें आई हैं। हालांकि डॉक्टरों ने हड्डी संबंधी किसी गंभीर चोट से इनकार किया है। उनका पहले रुड़की के अस्पताल में इलाज किया गया और बाद में देहरादून रेफर कर दिया गया। घटना के वक्त कई वाहन हाइवे पर दौड़ रहे थे जिस वक्त एक्सिडेंट हुआ उस समय कोहरा भी ज्यादा नहीं था क्योंकि सीसीटीवी फुटेज में ऋषभ की गाड़ी सरपट दौड़ते हुए नजर आई थी।

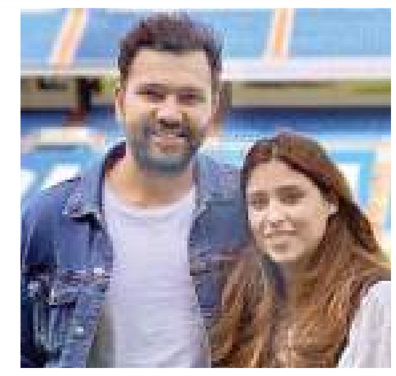

हॉस्पिटल में भर्ती पंत को बीसीसीआईने सुनाई खुशखबरी

सूर्यकुमार के बल्ले से फूटा रनों का ज्वालामुखी, गेंदबाजी में भुवनेश्वर ने मारी बाजी

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने साल 2022 के टेस्ट में अपने दो बेस्ट खिलाड़ी चुने हैं। इसमें एक बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। बीसीसीआई ने अपने ट्विटर पर ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह की फोटो भी शेयर की। साथ ही उनके साल 2022 के वह आंकड़े भी शेयर किए हैं, जो उन्होंने क्रिकेट के मैदान पर बनाए। बता दें कि ऋषभ पंत ने 2022 में भारतीयों में सबसे ज्यादा 7 टेस्ट मैच खेले, जिसकी 12 पारियों में 680 रन बनाए। वह इस साल सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय भी हैं। पंत ने इस दौरान दो शतक और चार अर्धशतक जमाए हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पांच टेस्ट मैच खेले, जिसकी 10

जसप्रीत बुमराह की भी बल्ले-बल्ले

पारियों में सबसे ज्यादा (भारतीयों में) 22 विकेट लिए।

आपको बता दें कि क्रिकेटर ऋषभ पंत एक सड़क हादसे में घायल हो गए थे और उनका देहरादून के मैक्स अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। पंत शुक्रवार तड़के अपनी मसीर्डीज बेंज कार से देहरादून जा रहे थे, तभी दिल्ली-देहरादून मार्ग पर झपकी लगने के कारण उनकी कार सड़क पर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे उसमें आग लग गई। पंत कार का शीशा तोड़कर बाहर निकले और अपनी जान बचाई। ऋषभ पंत के माथे,

दाहिने हाथ की कलाई, दाहिने पैर का घुटना, टखना और अंगूठे में चोट लगी और उनके दाहिने घुटने का लिगामेंट फट गया है। पहले दिन उनके चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी भी हुई थी।

ऋषभ पंत इलाज के लिए मुंबई शिफ्ट किया जा सकता

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के इलाज में कोई कोताही नहीं बरतना चाहता है। बोर्ड उन्हें इलाज के लिए मुंबई शिफ्ट किया जा सकता है। ताकि, बोर्ड की मेडिकल टीम की देखरेख में पंत के लिगामेंट का इलाज होगा। जरूरत पड़ने पर उन्हें विदेश भी भेजा जा सकता है। फिलहाल, देहरादून के मैक्स हास्पिटल में पंत का इलाज चल रहा है। उनके ब्रेन और स्पाइट की टफ्क्ररिपोर्ट नॉर्मल आई है। शनिवार को एक्टर अनुपम खेर और दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के डायरेक्टर श्याम शर्मा पंत से मिलने पहुंचे।

साल 2022 का आज (31 दिसंबर) आखिरी दिन है। इस मौके पर बीसीसीआई ने साल 2022 के टी20 इंटरनेशनल में अपने दो बेस्ट खिलाड़ी चुने हैं। इसमें बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और एक तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार हैं। बीसीसीआई ने अपने ट्विटर पर सूर्यकुमार यादव और भुवनेश्वर कुमार की फोटो भी शेयर की। वहीं भारत के लिए स्टाइलिश बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टी20 इंटरनेशल में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं तो वहीं विकेट लेने के मामले में भुवनेश्वर कुमार सबसे आगे हैं। बता दें कि टीम इंडिया के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने साल 2022 में 31 इंटरनेशनल टी20 मैचों में 1164 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार यादव ने इस साल दो शतक के अलावा नौ बार पचास रनों का आंकड़ा पार किया। सूर्या भारत के ओर से टी20 फॉर्मेट में एक साल के अंदर 1000 रन बनाने वाले पहले और दुनिया के दूसरे बैट्समैन बने। टीम इंडिया के गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार इस साल टी20 इंटरनेशनल में कमाल की गेंदबाजी की है। भुवनेश्वर ने इस साल 32 मुकाबले खेले हैं और 37 विकेट झटके हैं। उन्होंने साल 2022 में टी20 इंटरनेशनल में सिर्फ 6.98 की इकॉनमी से बॉलिंग की है। वहीं उनका बेस्ट बॉलिंग फिगर चार रन देकर पांच विकेट रहा। उधर, बीसीसीआई ने साल 2022 के वनडे इंटरनेशनल में अपने दो बेस्ट खिलाड़ी चुने हैं।

मोहन बागान क्लब में जल्द होगा 'पेले गेट', सचिव देवाशीष दत्ता ने की घोषणा

कोलकाता। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलरों में से एक और 45 साल पहले कोलकाता में मैच खेलने वाले पेले के निधन पर फुटबॉल के दीवाने इस महानगर में भी शोक की लहर छा गई। पेले का कैंसर से जूझने के बाद ब्राजील के साओ पाउलो के एक अस्पताल में निधन हो गया था। मोहन बागान के लिए यह काला दिवस था क्योंकि यह देश का एकमात्र क्लब है जिसके खिलाफ तीन बार के विश्व कप विजेता पेले ने एक प्रदर्शनी मैच में हिस्सा लिया था। पेले के निधन के कारण मोहन बागान ही नहीं उसके चिर प्रतिद्वंदी ईस्ट बंगाल और मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने भी अपने झंडे आधा झुका दिए।

सऊदी अरब के फुटबॉल क्लब से जुड़े रोनाल्डो एक साल में कमा सकते हैं 200 मिलियन डॉलर

लंदन। पुर्तगाल के सुपर स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो मोटी धनराशि पर सऊदी अरब के फुटबॉल क्लब अल नासर से जुड़ गए हैं जिसे मध्य पूर्व के फुटबॉल के लिए बड़ी घटना माना जा रहा है लेकिन इससे यूरोप का दिग्गज खिलाड़ी खेल के शीर्ष मंच से गायब हो जाएगा। अल नासर ने पांच बार के बैलन डिओर विजेता रोनाल्डो की तस्वीर सोशल मीडिया पर जारी की है जिसमें वह टीम की जर्सी पकड़े हुए हैं। रोनाल्डो ने इससे पहले इस क्लब के साथ जून 2025 तक करार किया। क्लब ने कहा, इस करार से न सिर्फ क्लब को अच्छी सफलताएं हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी बल्कि इससे हमारी लीग, हमारे देश और भविष्य की पीढ़ियों को भी सर्वश्रेष्ठ करने की प्रेरणा मिलेगी। इस 37 वर्षीय फुटबॉल स्टार का यह करियर का अंतिम करार हो सकता है जिसके लिए उन्हें मोटी धनराशि मिलेगी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पुर्तगाल का यह स्टार इस करार से प्रतिवर्ष 200 मिलियन डॉलर की कमाई कर सकता है जिससे वह फुटबॉल के इतिहास में सर्वाधिक भुगतान पाने वाला खिलाड़ी बन जाएगा। रोनाल्डो ने एक बयान में कहा कि वह एक अलग देश में नई फुटबॉल लीग का अनुभव हासिल करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मैंने यूरोपीय फुटबॉल में वह सब हासिल किया जो मैं कर सकता था और मुझे लगता है कि एशिया में अपना अनुभव साझा करने का यह सही समय है।

सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों में रबाडा शीर्ष व लियॉन दूसरे पायदान पर

कोई भी भारतीय गेंदबाज टॉप फाइव में शामिल नहीं

नई दिल्ली । साल 2022 वैसे टी20 विश्व कप से भरपूर रहा क्योंकि सभी टीमें ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व के लिए तैयारियां कर रहीं थी। हालांकि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के कारण अब टेस्ट क्रिकेट को भी काफी तरजीह मिल रही है। साल 2021 में टेस्ट चैंपियनशिप का पहला खिताब न्यूजीलैंड ने जीता था और इस चैंपियनशिप का दूसरा संस्करण 2023 में खेला जाना है। टेस्ट चैंपियनशिप में अपनी जगह मजबूत करने के लिए साल 2022 में टीमों में होड़ मची हुई है। इस दौरान कई बल्लेबाजों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया और कई गेंदबाजों ने टेस्ट चैंपियनशिप में अपनी टीम के जगह पक्की के लिए पूर जोर लगा

दिया। साल 2022 सर्वअधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की बात करें तब ऑस्ट्रेलिया के नॉथन लियॉन और दक्षिण-अफ्रीका के कगिसो रबाडा 47-47 विकेट चटकाकर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने।

1.कगिसो रबाडा (47 विकेट)- दक्षिण अफ्रीका के इस धुरंधर तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा साल 2022 के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट गेंदबाज बने। रबाड़ा ने इस साल कुल 9 मैच खेले और 22.25 की औसत के साथ 47 विकेट चटकाए।

2. नाथन लियॉन (47 विकेट) - ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नॉथन लियॉन ने भी इस साल 47 विकेट लिए लेकिन वह लिस्ट पर दूसरे नंबर पर हैं। रबाडा ने यहां 9 मैचों में 47 विकेट चटकाईं वहीं लियॉन ने 11 मैचों में इतने विकेट हासिल किए। नॉथन लियॉन का इस दौरान गेदबाजी की औसत 20.06 की रही।

3.जैक लीच (46 विकेट) -इंग्लैंड के स्पिनर जैक लीज साल 2022 में टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर रहे। उन्होंने 14 टेस्ट मैचों में 38.28 की औसत के साथ 46 विकेट हासिल की।

4.स्टुअर्ट ब्रॉड (40 विकेट) इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ड ब्रॉड इस साल चौथे सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। ब्रॉड ने 9 मैचों में 40 विकेट लिए और इस दौरान उनकी औसत 25.75 की रही।

5.मार्को जेनसन (36 विकेट)-दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज मार्को जेनसन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामलें में पांचवे नंबर पर रहे। उन्होंने 8 मैचों में 19.02 की औसत के साथ 36 विकेट लिए।

बॉलीवुड न्यूज

लाल सिंह चड्ढा की ओटीटी और टीवी रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर ट्रेंड हुआ

मुंबई। सुपरस्टार आमिर खान हमेशा अपने करियर के दौरान दर्शकों के लिए कुछ बेहतरीन कंटेंट लेकर सामने आए हैं। 2022 में भी उन्होंने अपने इसी सिद्धांत को फॉलो किया और हमें 'लाल सिंह चड्ढा' जैसी एक शानदार फिल्म दी, जिसने अपने ओटीटी रिलीज और हाल ही में वर्ल्ड टेलीविजन रिलीज के बाद लोगों का दोगुना प्यार हासिल किया है। आमिर खान और करीना कपूर खान स्टारर इस फिल्म का जादू फिर से दर्शकों को पर चला क्योंकि फैमिली ऑडियंस ने फिल्म को फिर से तलाशा और छोटे पर्दे पर भी इसका भरपूर आनंद लिया। जबकि कुछ ने लाल सिंह चड्ढा को 'देश की बेस्ट निर्मित फिल्मों में से एक' बताया, तो वहीं दूसरों ने ओटीटी और टेलीविजन पर अपने घरों में आराम से देखने के दौरान इसे सूदिंग और सेटिस्फाइंग इफेक्ट वाली फिल्म कहा। 'लाल सिंह चड्ढा' को भारतीय दर्शकों के बीच कई नए प्रशंसक भी मिले, जो सिनेमाघरों में इस फिल्म को देखने से चूक गए। वैसे ये कोई हैरानी की बात नहीं है, क्योंकि आमिर खान हमेशा अपनी फिल्मों के साथ भावनाओं को गहराई से छूने में कामयाब रहे हैं, जो बड़े पैमाने पर दर्शकों के साथ जुड़ी हुई हैं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज होने पर दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल चुकी है, जहां कुछ ने इसे मास्टरपीस कहा, तो कुछ को ये अपने आप में खास लगी। इन प्रतिक्रियाओं को देखते हुए, यह कहना सही होगा कि दर्शकों को आमिर खान की लाला सिंह चड्ढा से एक बार फिर से प्यार हो गया है।

2022 भारतीय टीम के लिए रहा खराब

मुंबई। टीम इंडिया साल 2023 की चुनौती के लिए तैयार है। 2022 की बात करें तब एक और साल भारतीय टीम आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सकी। इस साल 2 आईसीसी टूनामेंट है। इसके बाद रोहित शर्मा से लेकर हार्दिक पंड्या तक पर सभी की नजर रहेगी। पंड्या को टी20 टीम की कमान दी जा सकती है। 3 जनवरी से श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रही टी20 सीरीज के लिए उन्हें कप्तान बनाया गया है। हालांकि सीनियर खिलाड़ियों को सीरीज से आराम दिया गया है। वनडे सीरीज से कप्तान रोहित सहित सभी सीनियर खिलाड़ी वापसी कर रहे हैं।

टीम ऑस्ट्रेलिया में हुए टी20 वर्ल्ड कप संतोषजनक प्रदर्शन नहीं कर सकी थी। सेमीफाइनल में टीम को इंग्लैंड से 10 विकेट से करारी हार मिली थी। इसके बाद केएल राहुल से लेकर सीनियर खिलाड़ी भुवनेश्वर कुमार तक के प्रदर्शन पर सवाल उठे थे। भुवनेश्वर को टी20 और वनडे टीम से बाहर कर

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्डकप इसी साल

2023 में टीम के सामने चुनौतियां अपार

दिए गए हैं। वहीं राहुल वनडे और टी20 में उम्मीद के मुताबिक खेल नहीं दिखा सके हैं। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बतौर विकेटकीपर टीम में रखा गया है। यानी वे बतौर बल्लेबाज अपनी जगह खो चुके हैं। 2023 की बात करें तब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के अलावा वनडे वर्ल्ड कप भी होना है।

शिखर धवन भी वनडे टीम से अपनी जगह खो चुके हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल जून में इंग्लैंड में होना है। उससे पहले भारतीय टीम को 9 फरवरी से ऑस्ट्रेलिया से 4 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। यह सीरीज चैंपियनशिप का हिस्सा है। फाइनल की रेस में बने रहने के लिए टीम को यह सीरीज जीतना जरुरी हैं। टेबल में कंगारू टीम अभी टॉप पर है जबकि भारतीय टीम दूसरे नंबर पर है। वनडे वर्ल्ड कप की बात की जाए तब मुकाबले अक्टूबर-नवंबर में भारत में ही होने है। इसकारण मेजबान होने के नाते भारतीय टीम प्रबल दावेदार मानी जा रही है। भारत ने अंतिम बार वर्ल्ड कप 2011 में घर में ही जीता था। तब एमएस धोनी की कप्तानी में टीम टाइटल जीतने में सफल रही थी। भारतीय टीम को 2013 से आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार है। टीम ने अंतिम बार धोनी की ही कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिय में हुए टी20 वर्ल्ड कप का खिताब इंग्लैंड ने जीता।

अस्पताल में ऋषभ पंत से मिलने पहुंचे अनिल कूपर और अनुपम खेर

देहरादून। बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर और अनुपम खेर ने शनिवार को देहरादून के मैक्स अस्पताल पहुंचकर क्रिकेटर ऋषभ पंत से मुलाकात की। मैक्स अस्पताल से बाहर निकलने के बाद अनिल कपूर ने संवाददाताओं से कहा, पंत की स्थिति ठीक है। हम उनसे प्रशंसकों के रूप में मिले। आइए हम प्रार्थना करें कि वह जल्द ठीक हो जाएं और हम उन्हें फिर से खेलते हुए देखें। वह फाइटर हैं, पूरे देश की दुआएं उनके साथ हैं। अनिल कपूर के साथ पंत से मिलने अस्पताल पहुंचे अनुपम खेर ने कहा कि उन दोनों ने युवा क्रिकेटर को खूब हंसाया। खेर ने कहा, सब कुछ ठीक है। हम पंत, उनकी मां और रिश्तेदारों से मिले। वे सब ठीक हैं। हमने उन्हें खूब हंसाया। हादसे में पंत के सिर, पीठ और पैर में चोटें आई हैं। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि पंत की हालत स्थिर है। आपको बता दें कि क्रिकेटर ऋषभ पंत एक सड़क हादसे में घायल हो गए थे और उनका यहां के इस अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। पंत शुक्रवार तड़के अपनी मसीर्डीज बेंज कार से देहरादून जा रहे थे, तभी दिल्ली-देहरादून मार्ग पर झपकी लगने के कारण उनकी कार सड़क पर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे उसमें आग लग गई।

भारतीयों के लिए उपलब्धियों भरा रहा 2022

नई दिल्ली। थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत भारतीय बैडमिंटन के लिए किवदंती बन गई जबकि नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग खिताब जीतकर अपने 'सुपरस्टार' दर्जे में इजाफा किया लेकिन 22 गज की पिच पर क्रिकेट टीम का संघर्ष 2022 में भारतीय खेलों के लिए खट्टे मीठे नतीजों से भरा रहा। हॉकी में महिला टीम ने प्रेरणादायी प्रदर्शन जारी रखते हुए बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता। ओलंपिक चैम्पियन नीरज भले ही 90 मीटर दूर भाला नहीं फेंक सके लेकिन एलीट टूनार्मेंट में पोडियम में शीर्ष स्थान से उनकी महानता का कद ऊंचा होना जारी रहा। हालांकि पहलवान रवि दहिया अपनी ओलंपिक सफलता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके और विश्व चैम्पियनशिप के पहले ही दौर से बाहर हो गये। दहिया जैसे जुनूनी और मेहनती पहलवान को यह हार सबसे ज्यादा सालती होगी। अब उनके 2023 में बेहतरीन प्रदर्शन की आस है जिसमें पेरिस ओलंपिक के कोटे दाव पर लगे होंगे। दहिया के इस तरह बाहर होने की बिलकुल उम्मीद नहीं थी, वहीं थॉमस कप में पुरूष बैडमिंटन खिलाड़ियों के साथ भी ऐसा ही था जिन्होंने ऐतिहासिक खिताबी जीत से भारत को बैडमिंटन में पावरहाउस बनने की राह पर ला दिया है। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पिछले दो वर्षों से शानदार प्रदर्शन दिखा रहे हैं और मई में बैंकाक में खेले गये इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट में चीन और इंडोनेशिया के दबदबे को खत्म करने में उनके प्रदर्शन ने अहम भूमिका अदा की। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन जैसे स्थापित सितारे कोर्ट पर वैसा प्रदर्शन नहीं दिखा सके जिसकी उनसे उम्मीद थी लेकिन उन्होंने बीडब्ल्यूएफ टूर पर कई खिताब जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। बैडमिंटन खिलाड़ियों ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में अपना प्रभावी प्रदर्शन जारी रखा और तीन स्वर्ण सहित छह पदक (एक रजत और दो कांस्य भी) अपने नाम किये। नीरज हालांकि ग्रोइन चोट के कारण राष्ट्रमंडल खेलों में शिरकत नहीं कर सके लेकिन इससे पहले वह अमेरिका में विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतकर अंजू बॉबी जॉर्ज के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय एथलीट बने। अंजू ने 2003 पेरिस चरण में कांस्य पदक जीता था। सितंबर में वह डायमंड लीग सीरीज के फाइनल्स में स्वर्ण पदक जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने। डायमंड लीग के स्टॉकहोम चरण में वह दूसरे स्थान पर रहे थे और 89.94 मीटर दूर भाला फेंककर 90 मीटर के करीब पहुंच गये थे। वहीं कम से कम छह शीर्ष भारतीय एथलीट को प्रतिबंधित पदार्थ का इस्तेमाल करने के लिये पकड़ा गया और इन पॉजिटिव डोप मामलों से राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियां प्रभावित हुईं। भारतीय पहलवानों से राष्ट्रमंडल खेलों में दबदबा बनाने की उम्मीद थी लेकिन दहिया इसमें जूझते नजर आये, अमन सहरावत ने 57 किग्रा वर्ग में प्रगति की जो अलमाटी में बोलात तुरलीखानोव में स्वर्ण पदक जीतकर अंडर-23 विश्व चैम्पियन बने। विनेश फोगाट भी जूझती दिखी लेकिन ग्रीको रोमन पहलवानों और जूनियर पहलवानों ने बड़े मंच पर बेहतरीन प्रदर्शन किया जिससे भारतीय कुश्ती के लिये वर्ष शानदार रहा। अंतिम पंघाल अंडर-20 विश्व चैम्पियन बनी और जब विनेश नहीं होंगी तो वह 53 किग्रा वजन वर्ग में भारत के लिये सर्वश्रेष्ठ पहलवान हो सकती हैं। भारतीय हॉकी टीमों ने ऊपर की ओर बढ़ना जारी रखा जिसमें महिलाओं ने पुरूषों पर बाजी मारी। महिला टीम ने 16 वर्षों के बाद राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता। पुरूष टीम ने भी रजत पदक जीता लेकिन फाइनल में आस्ट्रेलिया से मिली 0-7 की हार निराशाजनक रही। भारतीय पुरूष हॉकी टीम को आस्ट्रेलिया से हुई श्रृंखला में 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक के अलावा विश्व चैम्पियनशिप से दूसरा पदक भी अपनी झोली में डाला। वहीं खेल को नये नायक जेरेमी लालरिनुंगा और अचिंता शेयुली के रूप में मिले जो बर्मिंघम में 10 पदक विजेताओं में शामिल रहे। भारत को खेल में हर्षदा गरूड़ के रूप में जूनियर विश्व चैम्पियन मिला। भारतीय प्रशंसक चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में विराट कोहली के लाजवाब शॉट्स कभी नहीं भूलेंगे और इस पारी को बार बार देखना चाहेंगे। कोहली ने साबित किया कि टी20 प्रारूप में भी बल्लेबाजी एक कला ही है। कोहली ने लंबे प्रारूप में कप्तानी छोड़ दी जिसके बाद बीसीसीआई से उनके रिश्ते और कड़वे हो गये जब उन्हें वनडे कप्तानी से हटा दिया गया। कहा जा सकता है कि 2022 में भारतीय क्रिकेट में मैदान के अंदर और बाहर माहौल अराजकता भरा रहा। मुख्य बल्लेबाजों का संघर्ष बहस का विषय बना रहा जिसमें कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल शामिल रहे। उनके बल्लेबाजी रवैये पर सवाल उठाये गये क्योंकि टीम को अकसर पावरप्ले ओवरों में उनके इस संघर्ष का खामियाजा भुगतना पड़ा। वहीं हार्दिक पांड्या राष्ट्रीय टीम के नये कप्तान के तौर पर सामने आये क्योंकि रोहित को विश्व कप में एक बार फिर सेमीफाइनल में मिली हार का खामियाजा भुगतना पड़ा जिसमें टीम इंग्लैंड के हाथों हार गयी। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में एक टेस्ट श्रृंखला भी गंवा दी। जहां स्थापित खिलाड़ी जूझते दिखे तो एक बल्लेबाज जिसने प्रशंसकों और विशेषज्ञों को मंत्रमुग्ध किया वो थे सूर्यकुमार यादव। उनकी गेंद को स्ट्राइक करने की काबिलियत असाधारण थी जिससे उनकी तुलना महान क्रिकेटर एबी डिविलियर्स से की गयी। जिस तरह से सौरव गांगुली का बीसीसीआई अध्यक्ष के तौर पर कार्यकाल खत्म हुआ, उसकी भी काफी आलोचना हुई।

जनसंदेश टाइम्स प्रा.लि.के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा,** सी 28 /121, तेलियाबाग, प्रथम तल, वाराणसी से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।

प्रधान सम्पादक - सुभाष राय

स्थानीय सम्पादक -प्रवीण कुमार कुशवाहा पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।

फोन नं. 8177008889

आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46221**

डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13।

इस साल भी सौगातों से 'मालामाल' होंगे काशीवासी

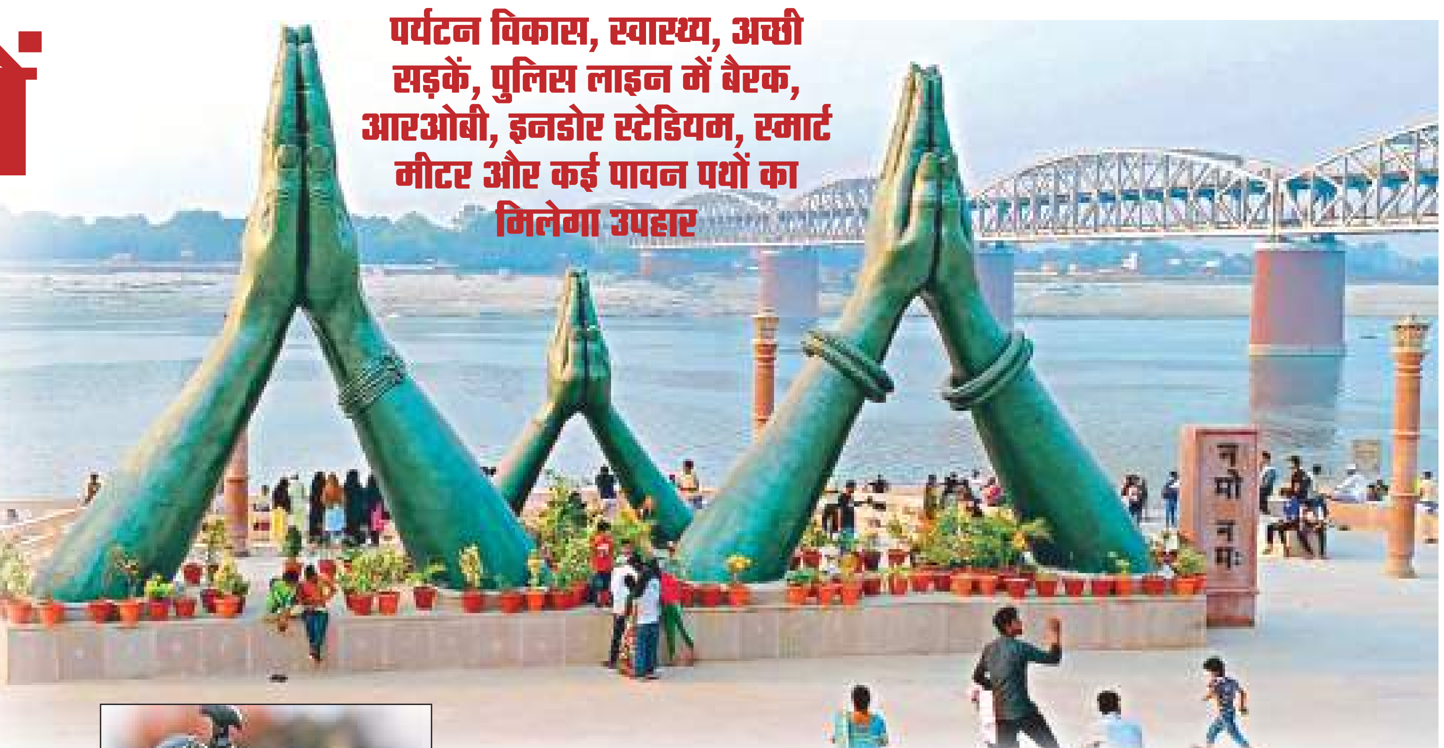

पर्यटन विकास, स्वास्थ्य, अच्छी सड़कें, पुलिस लाइन में बैरक, आरओबी, इनडोर स्टेडियम, स्मार्ट मीटर और कई पावन पथों का मिलेगा उपहार

अंग्रेजी कैलेंडर के नये साल 2023 का आज आगाज हो चुका है। 2014 के बाद से बीते साल 2022 तक हमारे सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी को लगातार विकास कार्यों समेत कई माध्यमों से गिफ्ट देते रहे हैं। यह सिलसिला अभी थमा नहीं है। इस नववर्ष में भी यह क्रम थमेगा नहीं। काशीवासियों को मोदी 2023 में भी सौगातों से 'मालामाल' करेंगे। अबकी कई सड़कें, आरओबी समेत तमाम उपहार मिलने वाले हैं। इस साल बनारस की झोली में जो 'उपहार' आने वाले हैं, उन पर एक नजर संक्षिप्त दृष्टि डालते हैं

गिफ्ट में अंतरराष्ट्रीय बालिका छात्रावास और कई सड़कें

50 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय बालिका छात्रावास, 806 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-56 पर 63.36 किमी लंबे सुल्तानपुर-वाराणसी खंड में फोर लेन चौड़ीकरण, 949 करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी रिंग रोड फेज-2 पैकेज-2 मार्ग, शहरी क्षेत्र में 345.15 करोड़ रुपये की लागत से गैस वितरण परियोजना आगामी मार्च तक पूर्ण करनी थी लेकिन यह प्रोजेक्ट पूर्ण कर लिये जाने का दावा है, 9.51 किमी लंबी लहरतारा-बीएचयू रवींद्रपुरी कॉलोनी होकर विजया सिनेमा तक 241.80 करोड़ की लागत से सड़क चौड़ीकरण, पांडेयपुर क्षेत्र स्थित काली मंदिर से आजमगढ़ मार्ग तक 218.66 रुपये करोड़ रुपये की लागत से सड़क चौड़ीकरण होकर जनपदवासियों को मिलेगा।

गांवों के हर घर में होगा नल और कई पावन पथ

शहर के इस वर्ष मिलने वाले विकास से जुड़े उपहारों में बाबतपुर रेलवे स्टेशन के निकट 32.76 करोड़ रुपये की लागत से टू लेन आरओबी, हर घर नल योजना में 428 करोड़ रुपये की लागत से 143 ग्रामीण पेयजल परियोजना, जल जीवन, हर घर नल योजना में 212.4 करोड़ रुपये की लागत से 68 ग्रामीण पेयजल परियोजना, सिस वरुणा में 108.53 करोड़ रुपये की लागत से जलापूर्ति अपग्रेडेशन, पुलिस लाइन में 24.96 करोड़ रुपये की लागत से ट्रांजिट हॉस्टल, 60 करोड़ रुपये की लागत से नमो घाट पुनर्विकास फेज-2, पंचकोशी परिक्रमा यात्रा मार्ग के पांचों पड़ावों का 39.22 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन विकास, 24.36 करोड़ रुपये की लागत से अष्ट विनायक, विनायक एवं द्वादश ज्योतिर्लिंग यात्रा और अष्टभैरव, चारधाम यात्रा, काशी विष्णु यात्रा, द्वादश आदित्य यात्रा तथा नवदुर्गा यात्रा के लिए पावन पथ, करखियांव में 475 करोड़ रुपये की लागत से बनास काशी संकुल (डेयरी), पुरानी काशी के छह वार्डों का 27.31 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन विकास, सारनाथ में 18 करोड़ रुपये की लागत से बुद्धिस्ट सर्किट का विकास आदि।

फोर लेन आरओबी पीएसी बैरक

काशीवासियों को मिलने वाली अन्य नयी सौगातों में प्रकार कचहरी से आशापुर होकर तक संदहा तक 241.89 करोड़ रुपये की लागत से 9.32 किमी लंबे मार्ग का सुद्दढ़ीकरण, मोहनसराय से कैंट तक 11.18 किमी लंबे सिक्स लेन सीसी रोड का 412.23 करोड़ रुपये की लागत से चौड़ीकरण एवं सुढ़ीकरण, वाराणसी-भदोही-गोपीगंज रोड 8.6 किमी तक फोर लेन 269.10 करोड़ रुपये की लागत से चौड़ीकरण एवं सुद्दढ़ीकरण, 20.04 करोड़ रुपये की लागत से 34वीं वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर एवं 36वीं वाहिनी पीएसी रामनगर में 2-2 सौ क्षमता के बैरक, करसड़ा में 66.55 करोड़ रुपये की लागत से अटल आवासी विद्यालय, लहरतारा से फुलवरिया जेपी मेहता इंटर कॉलेज वाया सेंट्रल जेल मार्ग वाया शिवपुर चुंगी 66.30 करोड़ रुपये पर संपार संख्या 5सी पर फोर लेन आरओबी प्राप्त होगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर का मिलेगा इनडोर स्टेडियम

वाराणसी को नये साल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के इंडोर स्टेडियम की सौगात मिलने वाली है। सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्टेडियम में करीब 87 करोड़ की लागत से मल्टीलेवल मल्टीस्पोर्ट्स इनडोर स्टेडियम बनेगा। जहां करीब 20 से अधिक इंडोर गेम खेले जा सकेंगे। वाराणसी स्मार्ट सिटी सूत्रों की मानें तो सिगरा स्टेडियम में भूतल प्लस दो मंजिल का भवन होगा। इसमें बैडमिंटन, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, वेटलिफ्टिंग, स्क्वैश, कॉम्बैट स्पोर्ट्स जैसे 20 से अधिक इनडोर खेल खेलने की सुविधा होगी। ओलंपिक स्तर का स्विमिंग पूल, वार्म अप पूल के साथ होगा। जिम, स्पा, योगा सेंटर, पूल बिलियर्ड्स और कैफेटेरिया के साथ बैंक्वेट हॉल भी बनेगा। मल्टी लेवल मल्टी स्पोर्ट्स इन इंडोर स्टेडियम को पैरा स्पोर्ट्स के मानको को भी ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। जिससे यहां पैरा स्पोर्ट्स और प्रतियोगिता भी हो पाए।

ओवरलोडेड ट्रांसफॉर्मर और लीकेज की समस्या से छुटकारा

उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि. (यूपीपीसीएल) ने नये साल में ओवरलोडेड ट्रांसफॉर्मर और लीकेज की समस्या से छुटकारा दिलाने की तैयारी में हैं। यदि ऐसा हुआ तो लोकल फॉल्ट से उपभोक्ताओं को निजात मिल जाएगी। यूपीपीसीएल के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार ने प्रदेश के सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक को जारी निर्देश में कहा है कि ओवरलोडेड ट्रांसफॉर्मरों और उसके लीकेज के चलते आए दिन विद्युत आपूर्ति बाधित होने की समस्या से न सिर्फ उपभोक्ता दो-चार होते हैं, बल्कि विभाग की छवि भी धूमिल होती है। चूंकि वर्तमान मौसम में विद्युत की डिमांड कम रहती है। लिहाजा, यह माकूल समय है जब अवर अभियंता और कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्र के ओवरलोडेड ट्रांसफॉर्मरों व लीकेज को चिह्नित कर लिया जाए, ताकि नये साल में उस समस्या को दूर कर आगामी गर्मी में बेहतर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके।

विद्युत विभाग भी देगा तोहफा

नये साल पर बिजली विभाग भी तोहफा देने की तैयारी में है। इसके लिए विभाग ने एचसीएल कंपनी से टाइअप किया है। कंपनी अमृत-2023 नाम से पोर्टल एवं एप बना रही है। इसकी मदद से बिजली विभाग की सभी प्रकार की सुविधाएं एक ही जगह पर मिलने लगेंगी। उपभोक्ता को ऑफिसों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। विभागीय अधिकारियों के अनुसार यह साफ्टवेयर पूरी तरह क्लाउड मैनेजमेंट सिस्टम पर कार्य करेगा। बिजली विभाग के अफसरों की मानें तो पूर्वांचल में इकलौता ऐसा जिला वाराणसी होगा, जहां एकीकृत मेथड पर सभी कार्य प्रभावी हो जाएंगे। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि एप के माध्यम से कस्टमर्स की हर सुविधा पोर्टल पर आ जाएगी। इसकी मदद से उपभोक्ता अपनी शिकायत, 1912 के कार्य, नए कनेक्शन के लिए आवेदन, झटपट योजना की सुविधा, मीटर की सुविधा एवं शिकायत की जानकारी के बारे में जान सकेगा। इस योजना को मूर्तरूप देने में करीब पांच करोड़ रुपये खर्च होंगे।

मिलेगा क्यूआर कोड वाला एलपीजी सिलिंडर

नये साल से केंद्र सरकार एलपीजी गैस सिलिंडर का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों की सुविधा के लिए कड़ा कदम उठाने जा रही है। यह कदम है एलपीजी सिलिंडरों को क्यूआर कोड से लैस करने का। ऐसा होने पर आप अपने सिलिंडर के बारे में यह पता कर सकेंगे कि इसकी डिलीवरी एजेंसी गोदाम से कब हुई और किस-किस रास्ते से होते हुए आपके घर तक पहुंची। इतना ही नहीं, क्यूआर कोड से यह भी पता चल जाएगा कि आपके सिलिंडर में कितनी बार रिफिलिंग की गई है। इससे आप यह भी पता कर पायेंगे कि इस सिलिंडर को वापस रिफिलिंग सेंटर आने में कितने दिन लग रहा है। इस प्रकार से आप आसानी से घर पर ही एलपीजी सिलिंडर को ट्रैक कर पायेंगे। सबकुछ ठीक-ठाक रहा तो फरवरी-2023 से क्यूआर कोड वाले सिलिंडर मिलने लगेंगे। एलपीजी एजेंसी सूत्रों की मानें तो अक्सर ग्राहकों की यह शिकायत रहती है कि उसके घरेलू गैस सिलिंडर में एलपीजी गैस की मात्रा एक से तीन किलो तक कम होती है। कई बार इसकी शिकायत करने के बाद भी ग्राहक उसकी ट्रेसिंग नहीं कर पाते हैं। एजेंसी वाले संबंधित ट्रालीमैन को डांट-फटकार कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। ग्राहक यदि कड़ाई करता है तो कह दिया जाता है कि सिलिंडर तौल कर लीजिए। जितना गैस कम हो, तो उतना दाम काट लीजिए। चूंकि सिलिंडर की डिलीवरी के समय घर पर महिलाएं ही रहती है। इसलिए यह कदम कारगर साबित नहीं हो पाता। लिहाजा, अब सरकार ने ऐसे लोगों को पकड़े के लिए एक कड़ा कदम उठाया है।

नये साल से घर-घर 4जी प्रीपेड स्मार्ट मीटर

नये साल से विद्युत उपभोक्ताओं के यहां 4जी प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी है। इस मीटर की खासियत यह है कि यदि कोई उपभोक्ता इसके साथ छेड़छाड़ करेगा तो अलार्म बज उठेगा और उपभोक्ता के घर की बत्ती गुल हो जाएगी। पावर कॉरपोरेशन सूत्रों कीमानें तो 4जी प्रीपेड स्मार्ट मीटर पूरी तरह नयी तकनीकी फीचर से लैस हैं। इसमें बिजली चोरी से लेकर अन्य टेम्परिंग रोकने के लिए सभी फीचर्स लगाये गये हैं। इसके चलते इस मीटर में बिजली चोरी की गुंजाइश रत्ती भर भी नहीं है। एक अफसर ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि 4जी प्रीपेड स्मार्ट मीटर में कई ऐसे फीचर्स लगाये गये हैं, जिनके माध्यम से मीटर के साथ किये गये छेड़छाड़ की भी जानकारी मिल जाएगी। यदि कोई भी उपभोक्ता मीटर के साथ छेड़छाड़ करेगा तो इसमे लगा अलार्म बजने लगेगा और स्वतः काम करना बंद कर देगा यानी उपभोक्ता के परिसर की बिजली गुल हो जाएगी। अफसर का कहना है कि चूंकि मीटर पावर कॉरपोरेशन के सर्वर से सीधे जुड़ा होगा, इसलिए छेड़छाड़ होते ही संबंधित खंड कार्यालय को इस बात की जानकारी हो जाएगी। विभागीय सूत्रों की मानें तो 4जी प्रीपेड स्मार्ट मीटर की टेस्टिंग भी शुरू हो गई है। इसके लिए पांच विद्युत उपकेंद्र चिह्नित किए गए हैं। इनमें 10-10 मीटर की संख्या के हिसाब से टेस्टिंग की जा रही है। टेस्टिंग के बाद विभागीय अधिकारी सत्यापित करेंगे कि इस मीटर से जो रीडिंग हो रही है, वह पूरी तरह से सही है।

कज्जाकपुरा सेतु पर दौड़ेंगे वाहन

वाराणसी। रेल उपरिगामी सेतु 23ए, कज्जाकपुरा पर निर्माण कार्य प्रगति पर है। सेतु को पूर्ण कराने का लक्षित तिथि माह मार्च, 2024 है, जिसे दिसम्बर, 2023 तक पूर्ण कराने का हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है। राज्य सेतु निगम के उप परियोजना प्रबन्धक एस०के० निरंजन ने बताया कि सेतु के निर्माण कार्य की पुनरीक्षित स्वीकृति द्वारा कुल लागत रू 144.52 करोड़ सेतु अंश रू 139.85 करोड़ की हुई है। माह अक्टूबर, 2022 तक रू 42.66 करोड़ व्यय करते हुए भौतिक प्रगति 20.93 प्रतिशत है। पूर्व में जीएडी सिंगल पिलर पर प्रस्तावित था। घनी आबादी एवं गंगा प्रदूषण की मेन लाइन (2.50 मी डाया) को शिफ्टिंग सम्भव न होने के कारण सिंगल पीलर पर निर्माण फिजिबल नहीं पाया गया। परियोजना की जीएडी में परिवर्तन कर (2पीलर) पर निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। सेतु के सरेखण में पाइल फाण्डेशन के नीचे अण्डर ग्राउण्ड केबिल सीवर लाइन, पेयजल लाइन, टेलीफोन लाइन तथा गेल की गैस पाइप लाइनें आ रही हैं, जिसकी शिफ्टिंग एवं भूमि अध्याप्ति के कारण विलम्ब हुआ है। सेतु के सरेखण में कब्रिस्तान एवं मस्जिद की जमीन आ रही है, जिसका आपसी समझौते के आधार पर कार्य कराने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ हिस्सों में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा चुकी है, उन स्थानों पर निर्माण कार्य प्रगति में है।

कैंट स्टेशन पर मूर्त रूप लेंगी ये योजनाएं

वाराणसी। नये वर्ष 2023 में वाराणसी में कई योजनाएं मूर्त रूप लेंगी उनमें कैंट स्टेशन (वाराणसी जंक्शन) भी शामिल है। नई योजनाओं के तहत एक फुटओवर ब्रिज (एफओबी) जो स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार पर निकलेगा, इसके साथ ही यार्ड री मॉडलिंग का कार्य पूरा करते हुए प्लेटफार्म नंबर दो और तीन की चौड़ाई बढ़ेगी, चार व पांच की चौड़ाई कम होगी, मालगाड़ी के लिए बाईपास रेल लाइन, दो नये प्लेटफार्म के तहत प्लेटफार्म नंबर 10 और 11 का निर्माण, मालगोदाम की ओर तीसरा प्रवेश द्वार, द्वितीय प्रवेश द्वार पर नये कर्मिशियल भवन का निर्माण सहित अन्य कार्य वर्ष 2023 में पूरा होगा।

स्वास्थ्य सेवाओं का होगा विस्तार

मिलेगा लाभ

मिलेंगी एमआरयू, बीएसएल-3 सहित अन्य जरूरी लैब

ग्रामीण के साथ नगर क्षेत्र में बढ़ेंगे आयुष्मान भारत - हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर

वाराणसी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी का कहना है कि जनपद के समस्त सरकारी चिकित्सालयों, सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर चिकित्सीय एवं स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हुआ है। इसमें आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के साथ डिजिटलीकरण पर पूरा जोर दिया गया। अब नए साल में भी नवीन चिकित्सीय एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। चार प्रथम संदर्भन इकाई (एफआरयू) क्रमशः डीडीयू चिकित्सालय स्थित मातृ व शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) विंग, सीएचसी चौकाघाट, सीएचसी दुर्गाकुंड और मुख्यमंत्री द्वारा गोद ली गई सीएचसी हाथी बाजार तीन हेल्थ एटीएम क्रमशः सीएचसी चौकाघाट, सीएचसी दुर्गाकुंड और पीएचसी बड़ागांव में स्थापित। विभिन्न आठों ब्लॉक में 65 आयुष्मान भारत -हेल्थ वेलनेस सेंटर की बढ़ोतरी, अब हुए 225 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, गैर संचारी रोग कार्यक्रम के अंतर्गत सभी 11 ग्रामीण व शहरी सीएचसी में सेंटीनल/पैथालोजी लैब स्थापित, सभी 12 सीएचसी पर मिनी पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) स्थापित, स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण के लिए ई-कवच पोर्टल, मंत्रा एप, आधारबद्ध जन्म पंजीकरण, यूबीआई फेसिंग अटेंडेंस एप का संचालन शुरू हुआ। सभी हेल्थ वेलनेस सेंटर पर टेली मेडिसिन की सुविधा शुरू ।

साल 2023 में बढ़ेंगी यह सुविधाएं

तीन मल्टी डिसिप्लेनरी यूनिट (एमआरयू) लैब, एक बीएसएल-3 लैब, एक पब्लिक हेल्थ लैब, राजकीय चिकित्सालयों में हृदय रोगियों की सुविधा के लिए केंद्र, सभी सीएचसी और पीएचसी पर बेड की संख्या में बढ़ोतरी के लिए एक-एक यूनिट, सभी पीएचसी व सीएचसी सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर एक-एक हेल्थ एटीएम, दो ब्लॉक स्तरीय पब्लिक हेल्थ यूनिट, दो नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सारनाथ और काशी विद्यापीठ), ग्रामीण क्षेत्र में 75 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और नगर क्षेत्र में 48 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर।

पीपीपी मॉडल पर तैयार हो जायेगा रोडवेज

वाराणसी। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के चौधरी चरण सिंह अन्तर्राज्यीय रोडवेज बस स्टेशन को वर्ष 2023 में नये पंख लगते नजर आयेंगे। इसके लिए 96 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया है। पीपीपी मॉडल पर बनने वाले इस रोडवेज में कई भवन के साथ ही चार्जिंग प्वाइंट और अंडर पार्किंग की भी व्यवस्था होगी। इसके साथी बसों को सड़कों पर ना खड़ा करने की दृष्टि से परिसर को और स्पेसियस बनाया जायेगा। नये लुक में रोडवेज आकार लेगा। क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव वर्मा ने बताया कि दुर्घटना मुक्त संचालन राजधानी एक्सप्रेस और निगम की बसों सहित सिटी बस में महिला चालक होंगी तैनात।

50 नई ई-बस मिलने की उम्मीद

नगरीय विभाग की ओर से संचालित प्रदेश भर में ई-बस के तहत वाराणसी में वर्ष 2023 में 50 नई बसों का सौगात मिलेगा। इससे जहां प्रदूषण कम होता नजर आयेगा, वहीं आवागमन में भी वृद्धि होगी। इसके साथ ही शहर ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार किया जायेगा। नये ई-बसों के आने के बाद शहर में छोटे वाहनों पर लगाम लग सकेगा।

जाम से मिलेगी मुक्ति, जोनवार चलेगा ई-रिक्शा

वाराणसी। शहर को जाम से मुक्त करने के लिए परिवहन विभाग व यातायात विभाग की ओर से शहर को 2023 में एक जनवरी से तीन जोन में बांट कर यातायात संचालित किया जायेगा। इसके साथ ही मुख्य मार्गो पर ई-रिक्शा के संचालन में प्रतिबंध कर दिया जायेगा। इससे दुर्घटनाओं में ना सिर्फ कमी आयेगी बल्कि जाम से भी मुक्ति मिलेगी। शासन की ओर से इस तरह के निर्णय से लोगों को काफी राहत मिलती नजर आयेगी।

प्रस्तुति: जितेंद्र श्रीवास्तव, सुरोजित चैटर्जी, राधेश्याम कमल, अश्वनी श्रीवास्तव

पेज सज्जा: सौरभ जायसवाल